* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

04 जुलाई, 2024
आषाढ़, कृष्ण पक्ष, चतुर्दशी
संवत 2081
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
गुरुवार, वर्ष 09, अंक 254

कलम कलम बढ़ाये जा
आजाद सिपाही

WILD WAADI
An Entertainment Hub
INR 300 Mon - Fri
INR 400 Sat-Sun & Holiday
BOOK NOW :- 9304816880
Water Park | Trampoline Park
Bird Park | Night Light Park & More

FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of Haji Abdur Razzaque Educational Society)
Irba, Ranchi-835219,Jharkhand
Admission OPEN 2024-25
PLACEMENT Assistance Scholarship Facility Available
PHARMACY D-PHARM
NURSING
PARAMEDICAL
Separate Hostel For Boys & Girls
E-mail : fsnirba@gmail.com
Website : www.florenceinstirba.com

झारखंड में एक बार फिर हेमंत सरकार

- चंपाई सोरेन ने राज्यपाल को सौंपा इस्तीफा
- विधायक दल की बैठक में हेमंत चुने गये नेता
- हेमंत सोरेन ने सरकार बनाने का दावा किया पेश
- राज्यपाल को विधायकों का समर्थन पत्र सौंपा
- मंत्रियों के नाम भी लगभग तय
- राज्यपाल के निमंत्रण का इंतजार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड में एक बार फिर सत्ता परिवर्तन हो रहा है। पांच महीने बाद झारखंड में एक बार फिर हेमंत सरकार बनने जा रही है। बुधवार को इंडी गठबंधन की बैठक में हेमंत सोरेन को एक बार फिर से नेता चुना गया। बुधवार की शाम मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को अपना इस्तीफा सौंप दिया। साथ ही इंडी गठबंधन ने हेमंत को नेता चुनने और सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया। अब सत्ताधारी दल की निगाहें राजभवन पर टिकी हैं। उम्मीद है कि गुरुवार को हेमंत सोरेन तीसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले लेंगे। उधर, सूत्रों के अनुसार हेमंत सरकार में मंत्रियों के नाम भी लगभग तय हैं। चर्चा है कि हेमंत के साथ-साथ मंत्री भी शपथ लेंगे।

विधायक दल की हुई बैठक: बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में इंडी गठबंधन के विधायकों की बैठक हुई। इसमें झामुमो, कांग्रेस और राजद और माले विधायक मौजूद रहे। बैठक में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम नबी मीर भी मौजूद थे। सूत्रों के मुताबिक विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने पहले अपने इस्तीफे की पेशकश की। उसके बाद चंपाई सोरेन ने ही विधायक दल के नेता और राज्य के अगले मुख्यमंत्री के रूप में हेमंत सोरेन के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से पास कर दिया गया।

एक तरफ इस्तीफा, दूसरी तरफ सरकार गठन का दावा: राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन चेन्नई गये हुए थे। वह शाम करीब 6.30 बजे रांची लौटे। चंपाई सोरेन ने राजभवन से शाम का समय लिया था। शाम करीब 7.15 बजे हेमंत सोरेन मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के आवास पहुंचे। वहां से चंपाई और हेमंत करीब 7.30 बजे राजभवन पहुंचे। चंपाई और हेमंत के साथ कांग्रेस प्रदेश प्रभारी गुलाम नबी मीर, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, विधायक प्रदीप यादव, सत्यानंद भोक्ता और विनोद सिंह मौजूद थे। पहले चंपाई सोरेन ने मुख्यमंत्री पद से अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंपा। इसके तत्काल बाद हेमंत सोरेन ने सरकार गठन का दावा पेश किया। उन्होंने विधायकों का समर्थन पत्र राज्यपाल को सौंपा।

आज या कल ले सकते शपथ, राजभवन लेगा निर्णय: राज्य में नयी सरकार का गठन अब राज्यपाल की जिम्मेदारी है। हेमंत सोरेन ने जल्द शपथ दिलाने का आग्रह किया है। राज्यपाल ने आश्वसान दिया है कि वह जल्द ही औपचारिकता पूरी कर निर्णय लेंगे। चर्चा है कि आज या कल हेमंत सोरेन को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलायी जा सकती है। उनके साथ मंत्रिमंडल के सदस्य भी शपथ लेंगे। इंडी गठबंधन के बीच मंत्रियों को लेकर राय-मशिवरा हो चुका है। इस बार मंत्रिमंडल में झामुमो और कांग्रेस दोनों ओर से कुछ नये चेहरे देखने को मिल सकते हैं।

चंपाई होंगे समन्वय समिति के चेयरमैन!

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन झामुमो के सीनियर नेता हैं। हेमंत सोरेन के इस्तीफा देने के बाद चंपाई ने 2 फरवरी 2024 को मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने 151 दिन का कार्यकाल पूरा किया। उनका कार्यकाल सराहनीय रहा। हेमंत सोरेन द्वारा शुरू की गयी जनहित की योजनाओं को उन्होंने आगे बढ़ाया। हेमंत की सलाह और मार्गदर्शन में चंपाई सोरेन ने सरकार के कामकाज को बखूबी आगे बढ़ाया। लोकसभा चुनाव में भी पूरी ताकत के साथ इंडी गठबंधन को एकजुट रखने का प्रयास किया। अपने कार्यकाल में 200 यूनिट बिजली मुफ्त, महिलाओं के लिए पेशन समेत कई कदम उन्होंने उठाये। उनके मान-सम्मान को किसी तरह की ठेस नहीं पहुंचे, इसका खयाल रखने का प्रयास किया गया है। सूत्रों के मुताबिक चंपाई सोरेन समन्वय समिति के अगले चेयरमैन होंगे। बैठक में इस बात पर भी सहमति बनी है। हालांकि इंडी गठबंधन की ओर से इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं की गयी है, लेकिन कहा जा रहा है कि शपथ ग्रहण के बाद इसकी घोषणा और अधिसूचना जारी कर दी जायेगी।

हेमंत सोरेन तीसरी बार लेंगे शपथ

साहिबगंज जिले की बरहेट विधानसभा सीट के विधायक हेमंत सोरेन झारखंड में तीसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे। हेमंत सोरेन पहली बार 13 जुलाई 2013 को मुख्यमंत्री बने थे। लेकिन वर्ष 2014 के विधानसभा में भाजपा को बहुमत मिल जाने के कारण उन्हें अपने पद से त्यागपत्र दे देना पड़ा था। इसके बाद 2019 के विधानसभा चुनाव में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में महागठबंधन को बहुमत मिला। बहुमत मिलने के बाद 29 दिसंबर 2019 को हेमंत सोरेन ने दूसरी बार मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। इस वर्ष 31 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने भूमि घोटाला मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उसके बाद हेमंत सोरेन ने पद से त्यागपत्र दे दिया। हाइकोर्ट के आदेश पर हेमंत सोरेन की रिहाई हो गयी। अब एक बार फिर वह मुख्यमंत्री पद की लेंगे शपथ।

राजभवन से निकलने के बाद चंपाई और हेमंत ने क्या कहा

हमारे गठबंधन की बात है। पिछले दिनों हम लोगों ने नेतृत्व परिवर्तन का फैसला लिया था। मुझे दायित्व दिया गया। हेमंत बाबू वापस आये। हमारे गठबंधन ने फिर निर्णय लिया। हेमंत बाबू को गठबंधन का नेता चुना गया। मैंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। गठबंधन का फैसला था, उसी के अनुसार मैंने काम किया।

- चंपाई सोरेन

मुख्यमंत्री जी ने सारी बात कह दी है। हम सभी प्रक्रियाओं को पूरा कर रहे हैं। अभी बहुत अफरा-तफरी है। इस समय ज्यादा कुछ नहीं कहा जा सकता है। बाद में विस्तार से सारी बातें बता दी जायेंगी।

- हेमंत सोरेन

2,3 BHK FLAT AVAILABLE
FOR SALE
At Bootymore & Tatisilwai
(Residential & Commercial)
On Road, Project Near & Smart Point Booty More, Ranchi
Contact Now
8521980977

न्यूज रील्स

पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान तोशाखाना केस में बरी

इस्लमाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को सरकारी खजाने के तोहफे बेचने के मामले (तोशाखाना केस) में राहत मिल गयी है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक बुधवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने इमरान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी समेत आठ लोगों को इस मामले में बरी कर दिया। हालांकि तोशाखाना मामले में बरी होने के बाद भी इमरान जेल में ही रहेंगे। दरअसल, इस साल फरवरी में पाकिस्तान में हुए चुनाव से कुछ दिन पहले ही इमरान को तीन मामलों में कुल 31 साल की सजा सुनायी गयी थी। इससे एक दिन पहले इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी को भ्रष्टाचार के एक मामले में जमानत मिल चुकी है।

हाथरस हादसा साजिश जैसा: योगी आदित्यनाथ

हाइकोर्ट के रिटायर्ड जज जांच करेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

हाथरस। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि हाथरस हादसा साजिश जैसा है। लोग मरते गये। सेवादार वहां से भाग गये। उन्होंने न तो प्रशासन को सूचना दी और न ही मदद की। प्रशासन की टीम जब पहुंची, तो सेवादारों ने उन्हें आगे जाने नहीं दिया। हमने भी कुंभ जैसे बड़े आयोजन किये, लेकिन ऐसी चीजें नहीं हुईं। मुख्यमंत्री बुधवार को मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जांच के लिए एसआइटी का गठन किया है। हाइकोर्ट के रिटायर जज, पुलिस के सीनियर रिटायर ऑफिसर की टीम भी मामले की जांच करेगी। जो भी दोषी होगा, उसको सजा देंगे।

गौरतलब है कि उत्तरप्रदेश के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के बाद हुई भगदड़ में अब तक 132 लोगों की मौत हुई है। चार जिलों हाथरस, अलीगढ़, एटा और आगरा में रातभर शवों का पोस्टमॉर्टम हुआ। परिजन अपनों की लाश को लेकर इधर-उधर भटकते रहे। प्रशासन ने अब तक 121 मौत की पुष्टि की है। हादसा मंगलवार दोपहर 1 बजे फुलरई गांव में हुआ। बुधवार सुबह साढ़े 11 बजे सीएम योगी भी हाथरस पहुंचे। जिला अस्पताल में घायलों से मुलाकात की। घटनास्थल गये। अफसरों से पूरे हादसे की जानकारी ली। उधर, हाथरस हादसे में प्रशासन की पहली रिपोर्ट सामने आयी। इसमें कहा गया है कि हादसा भोले बाबा के चरणों की धूल लेने की वजह से हुआ। बाबा के सेवादारों ने लोगों से धक्का-मुक्की की। इससे भगदड़ मच गयी।

प्रशासन पर भी उठ रही उंगली

हाथरस। हाथरस हादसे में प्रशासन पर भी उंगली उठ रही है। लोगों का कहना है कि प्रशासनिक अधिकारी हादसे से अपना पल्ला नहीं झाड़ सकते हैं। जब प्रशासन ने सत्संग की अनुमति दी थी, तो वहां कितने लोग आ रहे? वहां की व्यवस्था कैसी है? सुरक्षा के क्या-क्या इंतजाम हैं? इन बातों की पहले क्यों नहीं जानकारी ली गयी। क्यों प्रशासन सत्संग की अनुमति देकर चुपचाप बैठ गया। जबकि किसी बड़ी सभा से पहले इन बातों को ध्यान देना प्रशासन की जिम्मेदारी है।

Deals in :
All types of CP Bath fitting,
Pumps, Sanitaryware,
Pipes & fitting
YASH ENTERPRISES
J.J. Road, Beside, Deepak Trading, Upper Bazar, Ranchi-01
Ratan Prasad
Mob. : 9835901322, 9709082614

राज्यसभा में प्रधानमंत्री के भाषण का विपक्ष ने किया बहिष्कार

पेपर लीक के दोषियों को छोड़ेंगे नहीं: मोदी

- नीट परीक्षा, मणिपुर, आपातकाल, संविधान समेत अन्य विषयों पर बोले
- कांग्रेस, सोनिया, राहुल पर भी साधा निशाना

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब दिया। प्रधानमंत्री ने 1 घंटा 50 मिनट के भाषण में नीट, मणिपुर, संविधान, कांग्रेस, पश्चिम बंगाल, रोजगार, भ्रष्टाचार, जम्मू-कश्मीर आदि का जिक्र किया, तो आपातकाल, सोनिया, राहुल आदि को लेकर कांग्रेस पर भी निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने जब कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर निशाना साधा, तो विपक्ष वॉकआउट कर सदन के बाहर निकल गया।

क्या कहा प्रधानमंत्री ने: प्रधानमंत्री जब 32 मिनट बोल चुके थे, तब विपक्ष के नेताओं ने सदन से वॉकआउट किया। वॉकआउट प्रधानमंत्री द्वारा सोनिया गांधी पर निशाना साधने के बाद हुआ। उन्होंने कहा कि ये लोग ऐसे हैं, जो ऑटो पायलट और रिमोट पायलट पर सरकार चलाने के आदी हैं। वे काम करने में विश्वास नहीं रखते, वे बस इंतजार करना जानते हैं। इस पर उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ बोले कि ये लोग मुझे नहीं, संविधान को पीठ दिखा रहे हैं। मोदी ने कहा कि कल उनकी सारी हरकतें फेल हो गयीं, इसलिए वे मैदान छोड़ कर भाग गये। नारे लगाना, चिल्लाना और भाग जाना, यही उनकी नियति है।

प्रधानमंत्री ने कई मुद्दों पर की चर्चा

प्रधानमंत्री ने कहा कि पेपर लीक एक बड़ी समस्या है। मेरी इच्छा थी, सारे दल इस पर अपनी राय रखते, लेकिन यह मुद्दा भी इन्होंने राजनीति की भेंट चढ़ा दी। मैं देश के नौजवानों को आश्वस्त करता हूं कि आपको धोखा देनेवालों को यह सरकार छोड़नेवाली नहीं है। इन्हें सख्त सजा मिले, इसलिए एक के बाद एक एक्शन लिये जा रहे हैं। हमने इसके लिए सख्त कानून बनाया है। उन्होंने मणिपुर की चर्चा करते हुए कहा कि वहां की स्थिति धीरे-धीरे सुधर रही हैं। उन्होंने संविधान, भ्रष्टाचार, जम्मू-कश्मीर, महिलाओं, सरकार के काम-काज और योजनाओं की चर्चा की। साथ ही कांग्रेस पर अल्पसंख्यक, ओबीसी और आपातकाल को लेकर निशाना साधा।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,100 रु./10 ग्राम
चांदी	96,000 रु./प्रति किलो

हेमंत सोरेन के सिर एक बार फिर झारखंड का ताज

■ अधिक मजबूत और आक्रामक बन कर लौटे हैं हेमंत सोरेन
■ झारखंड ही नहीं, पूरे देश में विपक्ष की राजनीति को देंगे नयी धार
■ बीते पांच माह ने परिपक्व बना दिया है झामुमो के कद्दावर नेता को

झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन पांच महीने बाद एक बार फिर से झारखंड की सत्ता में लौट रहे हैं। इन पांच महीनों ने उन्हें राजनीतिक रूप से अधिक परिपक्व तो बना ही दिया है, वह अधिक मजबूत और आक्रामक भी हो गये हैं। तीन 'बी' (बैडमिंटन, बुक और बाइसाइकिल) को बेहद पसंद करनेवाले हेमंत सोरेन के साथ बात जब राजनीति की होती है, तो ये सभी चीजें भुला दी जाती हैं। उस समय वह सामान्य तौर पर अपने अंतर्मुखी व्यक्तित्व को एक सीधे-सपाट व्यक्ति में बदल देते हैं, जिससे साबित होता है कि राजनीति केवल उनका पारिवारिक मामला नहीं है, बल्कि यह कुछ ऐसी चीज है, जो उनकी व्यक्तिगत पसंद भी है। 48 वर्ष के हेमंत तीसरी बार झारखंड की इस हॉट सीट पर बैठने के लिए तैयार हैं। और इस बार उनके पास स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता शीर्ष और राजनीति के खट्टे-मीठे अनुभवों का खजाना भी है। इस बार हेमंत के लिए हिम्मत की बात यह है कि उनके कंधों पर आरोपों का वह बोझ भी नहीं है, जो उन पर लादा गया था। हाइकोर्ट ने साफ कहा है कि जिन आरोपों के आधार पर हेमंत सोरेन के खिलाफ कार्रवाई की गयी, उसका कोई ठोस सबूत नहीं है। हेमंत सोरेन ने 2019 के विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल कर चार साल एक महीने तक झारखंड की कमान संभाली और अब पांच महीने के गैप के बाद फिर से उस जिम्मेदारी को संभालने जा रहे हैं। इस बार उनके अनुभवों में एक अध्याय इन पांच महीनों का भी जुड़ गया है, जब उन्हें सार्वजनिक जीवन से अलग जेल में रहना पड़ा। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के अलावा अदालती संघर्षों की आग में तप कर निकले हेमंत सोरेन इस बार अधिक मजबूत साबित होंगे, क्योंकि इस बार उनके साथ कई नयी बातें भी होंगी। इस बार एक मजबूत हाथ के रूप में उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी उनके साथ हैं, जिन्होंने हेमंत सोरेन की अनुपस्थिति में लोकसभा चुनाव में अपने आपको स्थापित किया है। हेमंत सोरेन के साथ-साथ कल्पना सोरेन भी आज झारखंड की राजनीति में झंडा गाड़ चुकी हैं। उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान झामुमो कार्यकर्ताओं और यहां तक कि इंडी गठबधन दलों के समर्थकों के बीच उत्साह की धार प्रवाहित की। अगले चार-पांच महीने में राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं और उसमें हेमंत सोरेन को इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करना है। जेल जाने से पहले ही हेमंत सोरेन झारखंड में इंडिया गठबंधन के सबसे बड़े नेता के रूप में उभरे थे, तो विधानसभा चुनाव में उनके सामने सत्ता में गठबंधन की वापसी का चैलेंज भी होगा। हेमंत के पास समय कम है, लेकिन वह इस कम समय में भी अपनी काबिलियत साबित करेंगे, यह उम्मीद की जानी चाहिए। क्या है हेमंत सोरेन के सामने चैलेंज और क्या होगा सत्ता में उनकी वापसी का असर, बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

आजाद सिपाही | विशेष

राकेश सिंह

झारखंड के पहले राजनीतिक परिवार, यानी शिबू सोरेन परिवार के उत्तराधिकारी हेमंत सोरेन एक बार फिर झारखंड की सत्ता संभालने जा रहे हैं। 10 अगस्त, 1975 को शिबू सोरेन और रूपी सोरेन के दूसरे पुत्र के रूप में जन्म लेनेवाले हेमंत सोरेन तीसरी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बनेंगे और वह राज्य के 13वें मुख्यमंत्री होंगे। इसी साल 31 जनवरी को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तार किये जाने से पहले नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देनेवाले हेमंत सोरेन की पांच महीने बाद सत्ता में वापसी हो रही है और जाहिर है कि इस बार वह अधिक मजबूत और आक्रामक होंगे।

किताब, साइकिल और बैडमिंटन के शौकीन हेमंत सोरेन 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद से झारखंड की सियासत के केंद्र में रहे। बड़े भाई दुर्गा सोरेन के असामयिक निधन ने हेमंत को राजनीति में धकेल दिया। हेमंत ने पटना हाई स्कूल से इंटरमीडिएट की परीक्षा पास की और बीआइटी मेसरा में इंजीनियरिंग में नामांकन लिया। बाद में उन्हें पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी। तब तक राजनीति में उनके नाम की पुकार होने लगी थी। कई अवसरों पर यह संज्ञान में आया है कि हेमंत दयालु, गंभीर और कोमल हृदय के व्यक्ति हैं। हेमंत को अलग राज्य के लिए शिबू सोरेन द्वारा चलाये गये आंदोलन के दौरान कभी अपने पिता के साथ काम करने का मौका नहीं मिला, क्योंकि वह उस समय छोटे थे, लेकिन उन्हें राजनीति पसंद आने लगी थी। एक बच्चे के रूप में हेमंत हमेशा जिज्ञासु और कुछ नया सीखने की ललक लिये रहते थे। बचपन में भी हेमंत ने कभी जाति, नस्ल के आधार पर किसी के साथ भेदभाव नहीं किया। उनमें यह गुण आज भी मौजूद है और हमेशा रहेगा। नफरत शब्द से हेमंत पूरी तरह अपरिचित हैं।

हेमंत की शादी कल्पना सोरेन से हुई है। वह एक प्ले स्कूल चलाती थीं और गृहिणी थीं, लेकिन हेमंत की गिरफ्तारी ने उनका जीवन पूरी तरह बदल दिया है। अब वह गांडेय से विधायक हैं और राजनीति में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। लोकसभा चुनाव के दरम्यान कल्पना सोरेन ने भी अपनी एक मजबूत पहचान बनायी है। इसलिए इस बार हेमंत सोरेन के पास उनकी पत्नी के रूप में एक बड़ी ताकत है।

हेमंत सोरेन का राजनीतिक सफर

मुख्यमंत्री के रूप में हेमंत सोरेन का पहला कार्यकाल बहुत छोटा रहा। वह 13 जुलाई 2013 से 28 दिसंबर 2014 तक मुख्यमंत्री रहे। इसके बाद 2014 में हुए आम चुनाव में चली मोदी लहर ने झारखंड को भी अपनी चपेट में ले लिया, लेकिन पांच साल बाद हेमंत स्पष्ट बहुमत के साथ सत्ता में लौटने में कामयाब हो गये। 2024 की शुरुआत तक हेमंत सोरेन ने राजनीतिक और प्रशासनिक मोर्चे पर अपनी पकड़ बेहद मजबूत बना ली थी, क्योंकि उन्होंने पूरी ताकत के साथ इमानदारी बरती। तमाम अवरोधों और विरोधों के बावजूद हेमंत सोरेन सत्ता में बन रहे। फिर 31 जनवरी, 2024 को उन्हें एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार कर लिया। हेमंत के सार्वजनिक जीवन के सफर में लगे इस ब्रेक का भी उन्होंने बखूबी अपने पक्ष में इस्तेमाल कर लिया और परिणाम यह हुआ कि सहानुभूति के साथ-साथ हेमंत को राजनीतिक मजबूती भी मिली। हाइकोर्ट के आदेश पर जब हेमंत सोरेन जेल से बाहर आये, तो उन पर लगे वे आरोप भी धुल गये। हाइकोर्ट ने साफ कहा कि हेमंत सोरेन को जिस आरोप में जेल भेजा गया, उसका कोई ठोस सबूत जांच एजेंसी के पास नहीं है। सब कुछ संभावनाओं पर आधारित है।

2019 के 29 दिसंबर को झारखंड के 11वें मुख्यमंत्री के रूप में जब हेमंत सोरेन शपथ ले रहे थे, तो शायद उन्हें भी मालूम नहीं था कि डबल इंजन की सरकार से विरासत के रूप में उन्हें कई चुनौतियां मिलने वाली हैं। हेमंत जब सीएम की कुर्सी पर बैठे, तो राज्य का खजाना खाली था। राज्य में विकास का पहिया पूरी तरह से रुका पड़ा था और व्यवस्था बेपटरी हो चुकी था। हेमंत बहुत जल्द समझ गये कि उनके सिर पर कांटों भरा ताज है और झारखंड को पटरी पर लाना वाकई बेहद चुनौतीपूर्ण है। उन्होंने हिम्मत दिखायी और एक-एक कर इन चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीति बना कर काम शुरू किया। लेकिन वह अपनी रणनीति पर आगे बढ़ते, तभी कोरोना के संकट ने राज्य को अपनी चपेट में ले लिया। इस मुसीबत की घड़ी में एक तरफ लोगों की जान बचाने की चुनौती थी, तो दूसरी तरफ राज्य के गरीब और जरूरतमंदों का पेट भरने की जिम्मेदारी थी। इन सभी मोर्चों पर जूझते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने चुनौतियों का सफलता से सामना किया और नतीजा सामने है। मुसीबत की इस घड़ी में उन्होंने न केवल खुद को राजनीति का एक माहिर खिलाड़ी साबित किया, बल्कि प्रशासनिक मोर्चे पर भी तमाम भविष्यवाणियों को गलत साबित कर दिया। कोरोना काल में प्रदेश में गरीबों और जरूरतमंदों को भरपेट भोजन उपलब्ध कराना, देशव्यापी लॉकडाउन के कारण देश के दूसरे हिस्सों में फंसे झारखंड के लोगों को सकुशल वापस लाना और फिर उन्हें काम देने की बड़ी चुनौती का सामना हेमंत ने पूरी ताकत और हिम्मत से किया। कोरोना से निपटने के बाद हेमंत सोरेन ने झारखंड के कुछ ज्वलंत मुद्दों पर निर्णायक फैसला किया। सरना धर्म कोड और आरक्षण की सीमा को बढ़ाने के लिए उन्होंने विधानसभा से प्रस्ताव पारित कराया। यह प्रस्ताव उनके विरोधी दलों के लिए राजनीतिक फांस बन गया। यह कहना गलत नहीं होगा कि पिछले चार साल में झारखंड ने कई उपलब्धियां हासिल कीं। मुख्यमंत्री बनने से एक सप्ताह पहले हेमंत ने दुनिया को आश्वस्त किया था कि वह बदले की भावना से कोई काम नहीं करेंगे। इस भरोसे को उन्होंने कायम रखा। उन्होंने कहा था कि अब हर फैसला झारखंड के हितों को ध्यान में रख कर किया जायेगा और पिछले चार साल में उनका एक भी फैसला राज्य हित के खिलाफ नहीं गया है। चाहे कोरोना संकट हो या कोयला खदान की नीलामी, प्रवासी मजदूरों के लिए विशेष ट्रेन की व्यवस्था करने का सवाल हो या गरीबों के लिए दूसरी कल्याणकारी योजनाएं शुरू करने का मामला, हेमंत ने साबित कर दिया कि वह सचमुच काम में यकीन रखते हैं। यही कारण है कि उन्होंने अपने शासन काल के पहले छह महीने में राज्य के प्रशासनिक ढांचे में कोई बड़ा फेरबदल नहीं किया था।

मुख्यमंत्री के रूप में अपने चार साल के कार्यकाल में हेमंत सोरेन ने एक ऐसी लकीर खींच दी, जो किसी भी मुख्यमंत्री ने नहीं किया। देश के टॉप सीएम के रूप में पहचान बनाना किसी इतिहास से कम नहीं है। हेमंत सोरेन जब मुख्यमंत्री बने थे, तो गरीबों और जरूरतमंदों में एक उम्मीद और आस जगी थी। सभी लोग अपनी उम्मीद लेकर सीएम से मिलते रहे और हेमंत सभी की उम्मीदों पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास कर रहे थे। इस चार साल के दौरान हजारों जरूरतमंदों को वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, छात्रवृत्ति और सामाजिक सुरक्षा की दूसरी योजनाओं का लाभ मिल चुका था। सबसे बड़ा काम उन्होंने राज्य में पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल कर किया। यह झारखंड के लिए सुखद संकेत है। झारखंड की आगे की चुनौतियां हेमंत सोरेन जैसे मुख्यमंत्री के फौलादी इरादों के आगे शायद ही अवरोध पैदा कर सकें। हेमंत के लिए पांच महीने का ब्रेक नया अनुभव लेकर आया है, जिससे वह अधिक मजबूत और परिपक्व हुए हैं। चूंकि चार महीने बाद ही झारखंड में विधानसभा के चुनाव हैं, उम्मीद की जानी चाहिए कि इस चुनाव में हेमंत सोरेन अपना बेस्ट फारफार्मेंस दिखायेंगे।

अगस्त में फिर से स्कूलों की मॉनिटरिंग

2700 स्कूलों, 120 प्रखंड संसाधन केंद्रों का होगा निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रयास सह प्रोजेक्ट इंपैक्ट की राज्यस्तरीय अनुश्रवण के दूसरे चरण की शुरुआत अगस्त में होगी। इस बार अनुश्रवण के लिए विद्यालयों की संख्या भी बढ़ायी गयी है। अप्रैल में 700 विद्यालयों का राज्यस्तरीय अनुश्रवण दल के पदाधिकारियों ने औचक निरीक्षण किया था। इस बार इस संख्या को बढ़ाकर 2700 कर दिया गया है।

प्रत्येक जिले के सौ से अधिक विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता, प्रोजेक्ट इंपैक्ट के अनुपालन संबंधी विषयों की गहनता से जांच की जायेगी। अप्रैल में अनुश्रवण हो चुके विद्यालयों का भी औचक निरीक्षण कर वहां कार्य प्रगति की जांच की जायेगी। यह निर्देश बुधवार को जेइपीसी के निदेशक आदित्य रंजन ने समावेशी शिक्षा और प्रोजेक्ट इंपैक्ट से संबंधित समीक्षा बैठक में दी।

आदित्य रंजन ने कहा कि इस बार केवल सरकारी विद्यालयों का नहीं, बल्कि राज्य के 120 प्रखंड स्तरीय संसाधन केंद्रों का भी औचक अनुश्रवण होगा। अनुश्रवण दल के पदाधिकारियों द्वारा प्रत्येक जिलों के पांच रिसोर्स सेंटर्स का औचक निरीक्षण किया जायेगा। इन केंद्रों में नियमित रजिस्टर अद्यतन, शिक्षण सामग्री, बच्चों के सर्टिफिकेशन, स्वामी विवेकानंद छात्रवृत्ति योजना के कार्यान्वयन, नियमित कक्षाएं, पौधरोपण अभियान की विस्तृत समीक्षा की जायेगी। रिपोर्ट के आधार पर लापरवाह रिसोर्स शिक्षकों और प्रखंड संसाधन केंद्रों से संबंधित पदाधिकारियों के विरुद्ध एक्शन लिया जायेगा। इन केंद्रों में समग्र शिक्षा के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों की जांच के लिए अलग से कमेटी बनायी जायेगी।

बेहतर प्रखंड संसाधन केंद्र होंगे पुरस्कृत

आदित्य रंजन ने समीक्षा बैठक में कहा कि बेहतर प्रखंड संसाधन केंद्र को झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा पुरस्कृत और प्रोत्साहित किया जायेगा। उन्होंने सभी संसाधन शिक्षकों को संबंधित बीआरसी से जुड़े बेहतरीन तस्वीरें और वीडियो विहित प्रपत्र में प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

जिप सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल ग्रामीण विकास सचिव से मिला

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। लातेहार जिला परिषद के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित सभी जनप्रतिनिधियों ने अपनी समस्याओं को लेकर ग्रामीण विकास सचिव के श्रीनिवासन और पंचायती निदेशक निशा उरांव से मुलाकात की। जिप अध्यक्ष पूनम देवी और उपाध्यक्ष अनिता देवी ने बताया कि जिला परिषद के सदस्यों को निर्वाचित हुए लगभग दो वर्ष का कार्यकाल पूरा हो गया, पर सदस्यों को इस दौरान विभागीय अव्यवस्था, मान-सम्मान में कमी और सुविधा के अभाव में कई समस्याएं झेलनी पड़ रही हैं, जिससे वे काफी निराश हैं।

जिप सदस्यों ने जिले के उपविकास आयुक्त सुरजीत सिंह के द्वारा उनके वाहन के आवंटन को रद्द करने, अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों के ड्राइवर को कार्य मुक्त करने, ड्राइविंग लाइसेंस को रद्द करने के फैसले की भी जानकारी दी। जिप के उपाध्यक्ष अनिता देवी और सदस्यों ने कहा कि यह नियम संगत नहीं है। उन्होंने इस पर त्वरित कार्रवाई की भी मांग की। जिला परिषद की नियमित समीक्षा बैठक भी कराने को लेकर सचिव और पंचायती राज निदेशक से गुहार लगायी गयी।

राजद का स्थापना दिवस 5 जुलाई को

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राजद के मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने बुधवार को कहा कि पार्टी का स्थापना दिवस 5 जुलाई को प्रदेश कार्यालय रांची में धूमधाम से मनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह यादव और प्रधान महासचिव संजय प्रसाद यादव स्थापना दिवस के कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे। कहा कि मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री और राजद के झारखंड प्रभारी जयप्रकाश नारायण यादव उपस्थित रहेंगे।

राहुल के बयान को गलत दिशा में मोड़ने पर प्रदीप यादव ने किया प्रहार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राहुल गांधी का हिंदुत्व को लेकर दिये गये बयान को लेकर विधायक प्रदीप यादव ने बाबूलाल मरांडी और निशिकांत दुबे पर प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से राहुल गांधी ने निर्भीकता के साथ अपनी बातें रखी हैं, उससे उनके प्रधानमंत्री, गृह मंत्री के साथ-साथ यहां के नेता भी तिलमिला गये हैं। असली पोल खुलने के डर से झूठी बातों का नाकाब देकर उसे ढंकना चाहते हैं। भाजपा के लोग धर्म का व्यापार करते हैं। राहुल गांधी ने सत्य कहने का प्रयास किया। कहा कि सच में हिंदू आइडोलॉजी में हिंसा का कहीं कोई स्थान नहीं है। इसमें सहिष्णुता का स्थान है। हिंदू सहिष्णु होते हैं। भाजपा के तथाकथित जो खुद को हिंदू का ठेकेदार मानते हैं, इसके गलत स्वरूप को सामने लाने का प्रयास किया।

राहुल गांधी ने भगवान शंकर की तस्वीर सामने रख कर यह बताना चाहा कि कभी भी हिंदू हिंसक नहीं रहे हैं। ये लोग भ्रमित करके हिंदुओं को सामने ले जा रहे हैं। गलत दिशा में ले जा रहे हैं। ये केवल धर्म के नाम पर वोट की राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि इसको भी जनता ने नकार दिया। अयोध्या के बारे में उन्होंने कहा कि खुद राम नगरी में भाजपा को नकार दिया। जनता इनके असली रूप देख चुकी है।

शिक्षक और छात्रों से पुस्तक उठाव कार्य पर जिलों से मांगा स्पष्टीकरण

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य शिक्षा परियोजना को पिछले कुछ दिनों से लगातार शिकायत मिल रही है, जिसमें छात्रों और शिक्षकों से प्रखंड स्तरीय कार्यालय में पुस्तक उठाव कार्य कराने की जानकारी दी गयी है। ऐसे में राज्य शिक्षा परियोजना परिषद् की ओर से सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों को पत्र जारी किया गया है। पत्र परियोजना निदेशक की ओर से जारी किया गया है। इसमें बताया गया है कि शिक्षकों और छात्रों से पाठ्य पुस्तकों का उठाव करना गंभीर और चिंता का विषय है। इसका व्यय भी शिक्षक और छात्र ही वहन कर रहे हैं। जिलों द्वारा इस आदेश के विरुद्ध कार्य किया जा रहा है, जिससे विभाग की छवि खराब हो रही है। विगत कई बैठकों में जिला को सामग्री के भंडारण और ससमय विद्यालयों तक पहुंचाने के लिए परिवहन खर्च के लिए वार्षिक रूप से दर निर्धारण के लिए निदेशित किया गया है, लेकिन जानकारी मिल रही है कि जिला द्वारा जानबूझ कर यह कार्य नहीं किया जा रहा है। इस संबध में परियोजना निदेशक ने रांची और जामताड़ा के जिला शिक्षा पदाधिकारी से पत्र प्राप्ति के तीन दिनों के अंदर स्पष्टीकरण परियोजना कार्यालय को सौंपने का आदेश दिया है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	28.2 °c	22.6 °c
सूर्यास्त (आज) :		18.39 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.06 बजे

मुख्यमंत्री आवास में विधायक दल की बैठक

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष कामकाज में अनपेक्षित परिस्थितियों के बावजूद कुछ तात्कालिक समस्याओं का समाधान हो सकेगा।

वृष मन में विचित्र आशंकाएं और दुर्भावनाएं पैदा होंगी, अप्रत्यक्ष शत्रुओं से मार्मिक पीड़ा होगी।

मिथुन हर्ष-विषाद की समानता, अनेक विपदाओं का सामना करना होगा, मानसिक चिंता बढ़ेगी।

कर्क आर्थिक स्थिति सुदृढ़, रोजी-रोजगार के क्षेत्र में विपदाएं व मानसिक तनाव कम होगा।

सिंह नये लोगों से संपर्क, महिला मित्र के माध्यम से लाभ, शुभ समाचार मिलेगा।

कन्या विपरीत स्थितियों में सुधार, सामयिक-सामाजिक विकास, शत्रुओं पर विजय मिलेगी।

तुला सरकारी सेवा से जुड़े हैं तो आपको अनुकूल परिस्थितियों का लाभ मिलेगा।

वृश्चिक कर्मक्षेत्र में परिश्रम-संघर्ष अधिक करना पड़ेगा, हर काम में अड़चन आयेगी।

धनु सरकारी उच्चाधिकारियों पर निजी प्रभाव शक्ति बढ़ेगी, नवीन व्यापारिक योजना सफल।

मकर रोजगार की दिशा में कार्यों की अधिकता रहेगी, निराशा दूर होगी।

कुंभ धन एवं सुख की प्राप्ति होगी, थोड़े परिश्रम से ही अभीष्ट कार्य सिद्ध होंगे।

मीन भूले बिसरे प्रसंग पुनर्जीवित होंगे, परिश्रम से महत्वपूर्ण काम पूरा होगा।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

राज्य सरकार संताल में बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान करे और उन्हें वापस भेजे : हाइकोर्ट

देवघर, दुमका, गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़ और जामताड़ा के डीसी को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश

मुख्य सचिव को बांग्लादेशियों के खिलाफ कार्रवाई पर नजर रखने का आदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। संताल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण वहां जनसंख्या की स्थिति में कुप्रभाव को लेकर डेनियल दानिश की जनहित याचिका की सुनवाई बुधवार को हाइकोर्ट में हुई। मामले में कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा कि बांग्लादेशी घुसपैठिया आपकी जमीन पर रह रहे हैं और तमाम सुविधाएं उठा रहे हैं। इनको चिह्नित करना होगा और इन्हें वापस बांग्लादेश भेजना होगा। कोर्ट ने देवघर, दुमका, गोड्डा, साहिबगंज, पाकुड़ और जामताड़ा के उपायुक्तों को निर्देश दिया कि वे बांग्लादेश की तरफ से आने वाले घुसपैठियों को चिह्नित कर उन्हें वापस भेजें। इसके अलावा बांग्लादेशी घुसपैठियों का झारखंड में प्रवेश रोकें।

कोर्ट ने इन उपायुक्तों को शपथ पत्र दाखिल कर बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ की गयी कार्रवाई के संबंध में दो सप्ताह में शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने मामले में मुख्य सचिव को भी निर्देश दिया है कि वह उक्त छह जिलों के डीसी द्वारा बांग्लादेशी घुसपैठियों पर कार्रवाई के संबंध में खुद निगरानी रखें। कोर्ट ने मौखिक कहा कि यह किसी राज्य या जिले का मुद्दा नहीं है, बल्कि देश का मुद्दा है। विदेशी घुसपैठियों को भारत में प्रवेश करने से हर हाल में रोकना होगा। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 18 जुलाई निर्धारित की है।

एचइसी के मुद्दे को लेकर उद्योग मंत्री से मिले संजय सेठ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने दिल्ली में केंद्र सरकार में भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी से मुलाकात की। एचइसी के पुनरुद्धार और अन्य समस्याओं के समाधान पर सकारात्मक बातचीत हुई। इधर, सीएमडी कोप्पू सदाशिव मूर्ति ने नयी दिल्ली में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ से शिष्टाचार मुलाकात की। वर्तमान में एचइसी का कार्यभार भी इनके जिम्मे ही है। एचइसी से जुड़े कई विषयों पर सकारात्मक बातचीत हुई।

बांग्लादेशी घुसपैठियों पर हाइकोर्ट का निर्देश स्वागत योग्य: बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य में बड़ी संख्या में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने के लिए राज्य सरकार को निर्देश दिये, जो स्वागत योग्य है। श्री मरांडी ने कहा कि भाजपा लंबे समय से बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ सदन से सड़क तक आवाज उठा रही है। पूरे प्रदेश में राज्य सरकार की तुष्टीकरण नीति के कारण घुसपैठियों को संरक्षण प्राप्त है। कहा कि स्थिति ऐसी भयावह हो चुकी है कि पूरे संथाल परगना की डेमोग्राफी ही बदल गयी है। कहा कि राज्य सरकार के संरक्षण में आदिवासी समाज की जमीन पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है। लव जिहाद के नाम पर बहन-बेटियों से शादी कर जमीन लूटे जा रहे हैं। कहा कि 1951 से 2011 की जनगणना के आंकड़े बताते हैं कि मुसलमानों की जनसंख्या अप्रत्याशित ढंग से बढ़ी है। आदिवासी समाज की जनसंख्या घट रही है। कहा कि उच्च न्यायालय ने इस समस्या के समाधान के लिए जो गंभीरता दिखायी है, उससे राज्य का बड़ा भला होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार न्यायालय के निर्देश के आलोक में अविलंब जिलों से रिपोर्ट मांगे और विधि सम्मत कारवाई सुनिश्चित कराये।

जगन्नाथपुर रथ यात्रा को लेकर सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम

40 सीसीटीवी और पांच वॉच टावर लगेंगे

आजाद सिपाही संवाददाता

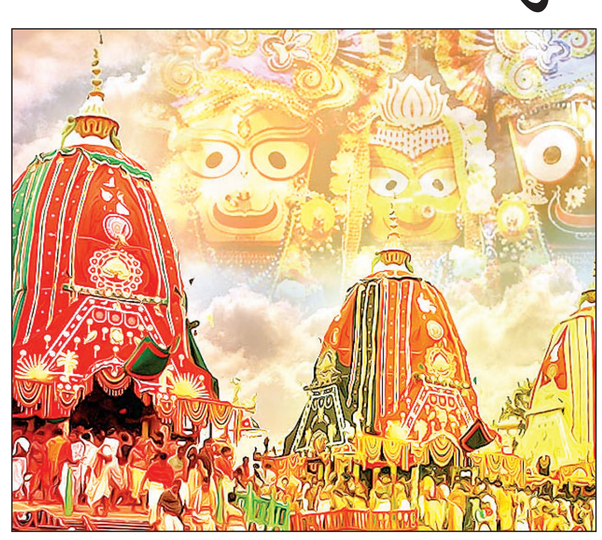

रांची। रांची के जगन्नाथपुर में रथ यात्रा 7 जुलाई को निकाली जायेगी। रथ यात्रा को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किये गये हैं। सुरक्षा के लिहाज से 40 सीसीटीवी कैमरा, चार ड्रोन और पांच वाच टावर लगाये जायेंगे। राजकीय मध्य विद्यालय को अग्निशमन केंद्र बनाया जायेगा। रथ यात्रा के दौरान मंदिर परिसर और मेले में लगभग एक हजार से अधिक महिला और पुरुष पुलिसकर्मियों की तैनाती की जायेगी। इसके अलावा 12 से अधिक दंडाधिकारी को भी तैनात किया जायेगा। सुरक्षा के लिहाज से सात जगहों पर बैरिकेडिंग की गयी है।

एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने बुधवार को बताया कि रथ यात्रा और मेला को लेकर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बलों की तैनाती की जायेगी। सीसीटीवी कैमरे और ड्रोन कैमरे से निगरानी रखी जायेगी। वहीं दूसरी और भगवान जगन्नाथ के रथ का रंग रोगन का कार्य पूरा हो चुका है।

मंदिर कमेटी के प्रथम सेवक ठाकुर सुधांशु नाथ शाहदेव ने बताया कि जगन्नाथपुर रथ यात्रा के दौरान मेले में लगभग 300 छोटे-बड़े दुकान लगेगी। दरी बिछाकर फूल-माला और प्रसाद बेचने वाले से अधिकतम शुल्क 100 रुपये लेने का मंदिर समिति का निर्देश है। वहीं अन्य दुकानों से सामने की चौड़ाई के आधार पर भाड़ा वसूल करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही स्थानीय लोगों को निःशुल्क दुकान लगाने दिये जायेंगे।

चंपाई को सीएम पद से हटाना दुर्भाग्यपूर्ण: हिमंता

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। असम के मुख्यमंत्री हिमंता विश्व सरमा ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि झारखंड में झामुमो-कांग्रेस पार्टी द्वारा एक वरिष्ठ आदिवासी नेता को मुख्यमंत्री पद से हटाया जाना अत्यंत दुखद है। यकीन है कि झारखंड की जनता इस फैसले की कड़ी निंदा करेगी और इसे दृढ़ता से खारिज करेगी। वहीं नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने अपने लिखा कि चंपाई सोरेन जैसे वरिष्ठ नेता के साथ सोरेन परिवार का यह व्यवहार बहुत शर्मनाक और निंदनीय है। वैसे भी सरकार तो जेल से हेमंत सोरेन ही चला रहे थे, लेकिन जेल से जमानत पर बाहर आते ही फिर से गद्दी पर बैठने के लिए बेकरार हो उठे। पिछले पांच सालों झारखंड को शर्मशार करने की कोई भी कसर हेमंत सोरेन ने नहीं छोड़ी है।

सांप्रदायिक शक्तियों का उन्मूलन प्राथमिकता: बंधु तिर्की

जनहित की उपेक्षा स्वीकार नहीं: नेहा तिर्की

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि सांप्रदायिक शक्तियों का उन्मूलन और मांडर का सभी पांच प्रखंडों का तीव्रता के साथ करना है। भाजपा ने आज तक झारखंड के साथ ही यहां के आदिवासियों, मूलवासियों, अन्य पिछड़े वर्ग के साथ ही झारखंड के सभी लोगों के विकास के लिए कभी भी सच्चे मन से काम किया और ना ही कभी इसमें रुचि ली, बल्कि हर निर्णायक मौके पर झारखंड और यहां के लोगों के साथ विश्वासघात किया है। राजधानी के दलादली चौक स्थित दुल्हन बैंक्वेट हॉल में आयोजित मांडर विधानसभा स्तरीय कांग्रेस कार्यकर्ता मिलन समारोह में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय बहुत अधिक चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ जोखिम से भी भरा है। कांग्रेस के किसी भी पदाधिकारी और कार्यकर्ता द्वारा किसी भी स्तर पर की जा रही लापरवाही किसी भी हाल में स्वीकार नहीं है, क्योंकि कांग्रेस के लिए न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश में जनहित के प्रति समर्पित होकर काम करते रहना ही कांग्रेसियों की सबसे बड़ी जरूरत है। विधायक शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव ने यह प्रमाणित कर दिया है कि मांडर में कांग्रेस पार्टी एक परिवार की तरह है और वह एकजुट होकर न केवल अपनी बल्कि आम जनता की समस्याओं का समाधान करने और लोगों की तरक्की के लिए उन्हें हरसंभव अवसर उपलब्ध कराने की ताकत रखती है। समारोह में मांगा उरांव, मो इश्तियाक, रमेश महली, जयंत बारला, करमा उरांव, जमील मल्लिक, शमीम अख्तर, शिव उरांव, फिलिप एक्का, अमानत अंसारी, मोदस्सीर हक, बेरोनिका, आबिद अंसारी समेत अन्य मौजूद थे।

हाइकोर्ट के नये मुख्य न्यायाधीश होंगे जस्टिस विद्युत रंजन षाड़ंगी

रांची (आजाद सिपाही)। ओड़िशा हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस विद्युत रंजन षाड़ंगी झारखंड हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस होंगे। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर यह जानकारी साझा की है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी जानकारी दी है कि झारखंड हाइकोर्ट के एक्टिंग चीफ जस्टिस एस चंद्रशेखर का ट्रांसफर राजस्थान हाइकोर्ट में किया गया है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस डीवाइ चंद्रचूड़ की अध्यक्षता में हुई कॉलेजियम की बैठक में यह निर्णय लिया गया है। जस्टिस षाड़ंगी इसी वर्ष 20 जुलाई को सेवानिवृत्त होनेवाले हैं।

चेंबर अध्यक्ष से मिले डेली मार्केट संघ के पदाधिकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डेली मार्केट संघ के पदाधिकारियों ने मंगलवार को झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारियों से मिल कर डेली मार्केट में पर्याप्त नागरिक सुविधाओं की जरूरतों को उपलब्ध कराने में सहयोग का आग्रह किया। डेली मार्केट में जलजमाव, साफ-सफाई सहित अन्य नागरिक सुविधाओं पर चर्चा करते हुए अवगत कराया कि डेली मार्केट थाना के समीप पूर्व में अवस्थित पार्किंग को हटा दिये जाने से कठिनाई हो रही है। पार्किंग की पर्याप्त सुविधा नहीं होने के कारण दुकानदार और ग्राहक सड़कों पर गाड़ियां लगाने को विवश होते हैं, जिस कारण रोड में सदैव जाम की स्थिति बनी रहती है। वहीं डेली मार्केट में स्थित फल और सब्जी की थोक मंडी को शहर से दूर स्थानांतरित करने की आवश्यकता भी बतायी गयी। डेली मार्केट के दुकानदारों की समस्या को वास्तविक समझते हुए चेंबर अध्यक्ष किशोर मंत्री ने इस मामले में जल्द ही नगर प्रशासक से मिल कर उचित कार्रवाई के लिए आश्वासन दिया। महासचिव परेश गट्टानी ने कहा कि फल और सब्जी की थोक मंडी होने के कारण डेली मार्केट में शहरवासियों का आवागमन अधिक होता है। जरूरी है कि निगम द्वारा मंडी की साफ-सफाई की उचित व्यवस्था की जाये। उन्होंने डेली मार्केट के दुकानदारों की सुविधा के लिए हरसंभव प्रयास करने का भरोसा दिलाया। मौके पर डेली मार्केट संघ के सदर जावेद, डब्बू, फिरोज समेत चेंबर उपाध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा, महासचिव परेश गट्टानी, पूर्व अध्यक्ष कुणाल आजमानी, कार्यकारिणी सदस्य रोहित पोद्दार, सुनील सरावगी उपस्थित थे।

जन अधिसूचना

दक्षिण पूर्व रेलवे के निम्न वर्णित खण्ड के पूरा हो चुके खण्ड पर स्थित रेल लाइनों एवं परिसरों का इस्तेमाल करने वाले सभी उपयोगकर्ताओं को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि खण्ड के सामने वर्णित तिथि को या उसके बाद वर्णित खण्ड पर 25000 वोल्ट, 50 हर्ट्ज ए.सी. ओवरहेड ट्रैक्शन वायर ऊर्जीकृत किया जाएगा। उक्त तिथि से ओवरहेड ट्रैक्शन लाइन हर समय सक्रिय मानी जाएगी एवं कोई अनधिकृत व्यक्ति उक्त ओवरहेड लाइन के पास न जाएगा और न ही उसके समीप कार्य करेगा।

क्रम सं., ओएचई खण्ड का विवरण निम्नानुसार हैं: **1.** कुरकुरा (यार्ड को छोड़कर) किमी. 502/04 सीएच.502/047.30 – महाबुआंग-बानो (यार्ड को छोड़कर) खंड किमी. 517/24 सीएच.517/686.50 के बीच नई संयुक्त लाइन-2, **किमी. में ओएचई की लंबाई : 15639.20. 2.** बानो (यार्ड को छोड़कर) किमी. 519/14 सीएच. 519/341.15–कनरोआं (यार्ड को छोड़कर) खंड किमी. 525/02 सीएच. 525/016.10 के बीच नई संयुक्त लाइन-2, **किमी. में ओएचई की लंबाई : 5674.95. 3.** नई लूप लाइन सं. 4-एमसीजेड यार्ड में किमी: एमसीजेड/1002 (सीएच. 510/386.90) से किमी: एमसीजेड/1052 (सीएच. 511/445.30) तक, **किमी. में ओएचई की लंबाई : 1058.4. 4.** एमसीजेड यार्ड में लाइन नं. 3 और 4 (एचटीई सिरा) किमी. 510/12 (सीएच. 510/349.00) से किमी. एमसीजेड/1012 (सीएच.510/625.50) के बीच नया क्रॉसओवर पॉइंट नं. 102ए/बी,. **किमी. में ओएचई की लंबाई : 303.50. 5.** एमसीजेड यार्ड में लाइन नं. 3 और 4 (बीएनडीएम सिरा) किमी. 511/22/1 (सीएच.511/472.30) से किमी. एमसीजेड/1042 (सीएच.511/247) के बीच नया क्रॉसओवर पॉइंट नं. 109ए/बी, **किमी. में ओएचई की लंबाई : 225.30. 6.** केएनआरएन सिरे पर लाइन नं. 3 और 2 (एचटीई सिरा) किमी 524/34 (सीएच. 524/921.10) से किमी. 525/04 (सीएच. 525/174.65) के बीच नया क्रॉसओवर पॉइंट नं. 115ए/बी, **किमी. में ओएचई की लंबाई : 253.55, रेलवे:** दक्षिण पूर्व रेलवे। **मंडल:** राँची। **ऊर्जीकरण की अनुमानित तिथि: 04.07.2024**

ए.सी. 25 केवी ट्रैक्शन की शुरुआत "सड़क उपयोगकर्ताओं के प्रति सतर्कता"

जनसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि **दक्षिण पूर्व रेलवे** के खंड/यार्ड पर 25 केवी ए.सी. इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन शुरू किए जाने के सिलसिले में, लेवल क्रॉसिंग पर सड़क स्तर से ऊपर **4.78 मीटर की स्पष्ट ऊँचाई** के साथ हाइट गेज बनाए गए हैं, ताकि अत्यधिक ऊँचाई पर लदे बोझ सक्रिय ट्रैक्शन वायर **(कॉन्टैक्ट वायर) जो कि लेवल क्रॉसिंग पर रेल लेवल से न्यूनतम 5.5 मीटर की ऊँचाई पर होगा,** के संपर्क में न आ पाए या खतरनाक तरीके से समीप न जा पाए।

जनसाधारण को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि वाहनों में लदान के समय निर्दिष्ट ऊँचाई का पालन करें और देख लें कि सड़क वाहन में लादे गए सामान किसी भी परिस्थिति में हाइट गेज का उल्लंघन न करें। अत्यधिक ऊँचाई पर लादे गए बोझ के खतरे निम्नानुसार हैं:

क्रम सं. 1, कुरकुरा–महाबुआंग खंड के बीच लेवल क्रॉसिंग गेट नं. एचबी-44 लोकेशन: किमी.510/8-510/10 (महाबुआंग स्टेशन)। **ऊर्जीकरण की तिथि: 04.07.2024,**

(i) हाइट गेज के लिए खतरा और इसके फलस्वरूप सड़क एवं रेलवे लाइन में बाधा। (ii) वहन की जा रही सामग्री या उपकरण या स्वयं वाहन के लिए खतरा। (iii) कंडक्टर के संपर्क में आने या खतरनाक तरीके से समीप आने पर आग लगने का खतरा एवं जीवन पर जोखिम।

मंडल विद्युत अभियंता (निर्माण), राँची

(PR-343)

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 04 जुलाई, 2024
www.azadsipahi.in

टैक्सी स्टैंड में कई वर्षों से बारिश के दिनों में हो रहा है पानी का जमाव

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय जाने वाली मार्ग टैक्सी स्टैंड में विगत कई वर्षों से बारिश के दिनों में पानी का हमेशा जल जमाव होते देखा जा रहा है। बुधवार को भी झमाझम बारिश ने बड़कागांव टैक्सी स्टैंड की पोल खोल दी है। भारी मात्रा में पानी का जल जमाव हो जाने के कारण राहगीरों को आवागमन में घोर परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आजसू पार्टी के प्रखंड प्रवक्ता नेता तपेश्वर कुमार तापस ने कहा कि हम लोग कई वर्षों से बारिश के दिनों में सड़क पर जल जमाव की परेशानियों को झेलते आ रहे हैं। जब भी जोरदार बारिश होती है तो कई बार दुकानों में भी गंदा पानी भी दुकानों में घुस जाता है। वही ग्रामीणों ने बताया कि नाली के ऊपर अतिक्रमण हो जाने के कारण पानी का निकासी नहीं हो रहा है। जिसके कारण टैक्सी स्टैंड में पानी का जल जमाव हो जा रहा है। ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी बालेश्वर राम से समस्या की समाधान की मांग की है।

आम गैरमजरुआ भूमि पर अतिक्रमण के कारण सड़क तालाब में तब्दील

बरकट्ठा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के बरकट्ठा दक्षिणी पंचायत अंतर्गत ग्राम कोनहरा में हल्की बारिश से हुए रास्ते में जल जमाव से लोगों को आवागमन में काफी परेशानी हो रही है। रोड तालाब में तब्दील हो गया है। लोगों के मुताबिक आम गैरमजरुवा भुमि खाता संख्या 1 प्लाट संख्या 2979 में कुछ लोगों के द्वारा अतिक्रमण के कारण यह समस्या उत्पन्न हो रही है। मुखिया अब्बास अंसारी ने बताया कि आम गैरमजरुवा जमीन पर प्रशासन के मदद से बीते वर्ष नाली निकाल कर पानी निकासी की गयी थी, लेकिन उसे भर दिया गया। जिसके कारण जल जमाव हो रहा है। वहीं पूर्व मुखिया मुंशी पासवान ने बताया कि जल जमाव की समस्या को लेकर कई बार प्राशसनिक अधिकारियों को और जनप्रतिनिधियों को लिखित शिकायत की गयी है। परंतु किसी का भी ध्यान इस ओर नहीं है। विदित हो बरकट्ठा से चेचकप्पी पंचायत के कई गांव को जोड़ने वाला यह रोड प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत करोड़ों रुपए की लागत से बना है। और इस रास्ते से प्रतिदिन हजारों लोगों का आवागमन होता है। लेकिन पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की उदासीनता पर लोगों में आक्रोश है।

अतिक्रमण पर चला नगर निगम का बुलडोजर

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। नगर निगम द्वारा नगर क्षेत्र में बुधवार को अतिक्रमण पर बुलडोजर चला। नगर निगम की टीम बुलडोजर लेकर शहर से अतिक्रमण हटाने निकली। सहायक नगर आयुक्त के नेतृत्व में जिला परिषद चौक, डिस्ट्रिक मोड़, पीटीसी आदि स्थानों पर सड़क किनारे से ठेला, खोमचा और सब्जी बेचने वालों को हटाया। इस दौरान अफरा तफरी का माहौल रहा। सब्जी बेचने वाले सबसे ज्यादा परेशान दिखे, सड़क किनारे लगाये दुकान को समेट कर हटाया। इस दौरान नगर निगम के कर्मचारी से कई दफा कहा सुनी भी होती रही। सड़क किनारे स्थित कई दुकान के छज्जा को भी तोड़ कर हटाया गया।

नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास, मामला दर्ज

बरकट्ठा (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के कोनहराखुर्द गांव में एक नाबालिग के साथ शादी का प्रलोभन देकर छेड़छाड़ और शारीरिक संबंध बनाने के प्रयास करने का मामला सामने आया है। इस बाबत पीड़िता के पिता ने बरकट्ठा थाना में लिखित शिकायत दर्ज कराया है। जिसमें लिखा है कि 1 जुलाई की रात लगभग 2 बजे के करीब गांव के ही समीर अंसारी 21 वर्ष पिता जुबेर अंसारी उर्फ अमजद मेरी नाबालिग 14 वर्षीय पुत्री को फोन कर घर के बाहर बुलाया। बाहर निकलते ही समीर अंसारी ने मेरी पुत्री को गलत नीयत से गोद में जबरन उठाकर झाड़ी की ओर ले गया। वहां ले जाकर जबरदस्ती धर पकड़ करते हुए कहा कि मेरे साथ संबंध बनाओ, जिसके बाद तुम्हारे साथ शादी कर लेंगे। पुत्री के शोर मचाने की आवाज सुनकर मेरा छोटा भाई शमशेर आलम वहां जाकर देखा कि समीर मेरी पुत्री के साथ गलत काम करने का प्रयास कर रहा था। पीड़िता के पिता ने पुलिस से मामले में कार्रवाई करते हुए इंसाफ की गुहार लगायी है। इस बाबत बरकट्ठा थाना में कांड संख्या 139/24 पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। घटना के बाद से आरोपी युवक फरार है।

अनापत्ति प्रमाण पत्र को लेकर आयोजित ग्राम सभा में बवाल

सीसीएल चंद्रगुप्त कोल परियोजना के एक कर्मी जहूर मियां के द्वारा भीड़ का वीडियो बनाते देख सभा के सैकड़ों रैयत टूट पड़े और नोक झोंक करने लगे

आजाद सिपाही संवाददाता

केरेडारी। अपर समाहर्ता हजारीबाग के निर्देशानुसार केरेडारी-टंडवा में प्रस्तावित सीसीएल चंद्रगुप्त ओसीपी परियोजना अंतर्गत पड़ने वाले वन भूमि/गैरमजरूआ जंगल झाड़ी भूमि के वन अधिकार अधिनियम 2006 के तहत अनापत्ति प्रमाण पत्र को लेकर बुधवार को केरेडारी के पचड़ा पंचायत के सिझुवा रमणी टांड में आयोजित ग्राम सभा के दौरान दो पक्ष में बांटकर रैयत एक और कंपनी का ग्राम सभा शांति पूर्ण ग्राम कराने में लगे थे। तो दूसरे पक्ष के सैकड़ों रैयत हाथ में तख्ती लिये सीसीएल चंद्रगुप्त परियोजना का पुरजोर विरोध करते दिखे। इस दौरान सीसीएल चंद्रगुप्त कोल परियोजना के एक कर्मी जहूर मियां के द्वारा भीड़ का वीडियो बनाते देख सभा के सैकड़ों रैयत टूट पड़े और नोक झोंक करने लगे। इस दौरान बचाव पक्ष के लिए गये उतरी क्षेत्र के जिला परिषद पति निरंजन साव को भी ग्रामीणों ने डंडे से वार कर सर फाड़ दिया। जिससे वह खुन से लथपथ हो गये, वहीं सिझुवा पचड़ा के रैयतों द्वारा लगभग 3 बजे तक हाथ में तख्ती लिये सिसीएल चंद्रगुप्त परियोजना का विरोध करते दिखे। वहीं कुछ देर बाद अंचल से पहुंचे सीआई मो० समीम ने अगले आदेश तक सभा को निरस्त कर दिया। इस संदर्भ में सिसीएल के जीएम अमरेश सिंह से पूछे जाने पर बताया कि इस मामले को लेकर जानकारी प्राप्त हुई है, सिसीएल कर्मी द्वारा कार्रवाई करने हेतु केरेडारी थाना में आवेदन दिया जा रहा है। वहीं सुशी इंफ्रा प्रा०ली के जीएम आरएस यादव ने बताया कि सभा को भंग करने के उद्देश्य से बाहरी गांव के ग्रामीण सभा में उपस्थित होकर मारपीट किये हैं जिससे सीएक सिसीएल कर्मी को काफी चोट लगी है। आगे उन्होंने कहा कि पचड़ा-सिझुवा गांव के रैयत कंपनी के साथ है, उनके द्वारा ग्राम सभा देने की तैयारी की जा रही थी,त ाभी बाहरी गांव के कुछ ग्रामीण द्वारा विरोध किया है, जो चिन्हित किया गया है।

सतगावां में गर्भवती की मौत, हत्या का आरोप

आजाद सिपाही संवाददाता

फाइल फोटो : राधिका कुमारी

सतगावां। थाना में बुधवार को गर्भवती महिला की मौत को लेकर परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए थाने में आवेदन दिया है। इस संबंध में मृतक महिला के भाई गावां थाना क्षेत्र के पड़रिया निवासी नैतिक कुमार ने सतगावां थाना में आवेदन देकर कहा है कि मेरी बहन राधिका कुमारी (उम्र 25 वर्ष) की शादी वर्ष 2020 में सतगावां थाना क्षेत्र के बदाल निवासी अनीश कुमार पिता शंकर यादव के साथ हुआ था। जिसमें 2 लाख इक्यावन हजार रुपये नकदी, एक सोने का चैन, एक अपाची गाड़ी दी गयी थी। शादी के बाद लड़का और उसके परिजनों के द्वारा बार-बार दहेज को लेकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करते रहते थे। कई बार उसने मेरी बहन को एक बच्ची होने के बाद भी अपने घर में नहीं रखते थे। पंचायती वगैरह करने के बाद उन्होंने मेरी बहन को ठीक से रखने का बात कहकर अपने घर बदाल ले गये, जहां कुछ महीने रहने के बाद मेरी बहन 4 माह का गर्भवती थी। उसके बाद उसके पति अनीश कुमार, ससुर शंकर यादव, सास चमनी देवी, देवर संतोष कुमार और उसके दमाद के साथ-साथ उसकी बहन सब मिलजुल कर गर्भपात होने का दवा खिला दी। मेरी बहन की तबियत बिगड़ने पर ग्रामीण नर्स को बुलाकर मेरी बहन का गर्भपात अपने घर में करा दिया, जिससे मेरी बहन गंभीर हो गयी। जब इसकी सूचना हम लोगों को मिली तो हमलोग अपने बहन के घर जाकर सारी जानकारी बहन से ली। जब हमलोगों ने उसे इलाज कराने के लिए बाहर ले जाना चाहा तो जीजा ने डांट फटकार कर हमलोगों को भगा दिया और लोकल डॉक्टर के पास ले गया, जिससे मेरी बहन की मृत्यु 3 जुलाई को हो गयी। हमारे बहनोई अनीश कुमार 2 माह पूर्व सतगावां थाना क्षेत्र के मोहनपुर गांव में अरबिंद यादव की पुत्री सिंधु कुमारी से शादी कर लिया और मेरी बहन को रास्ता से हटाने के लिए साजिश के तहत हत्या किया है। उन्होंने थाना प्रभारी से जांच पड़ताल कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

डीसी ने किया सदर अंचल और प्रखंड कार्यालय का औचक निरीक्षण, कर्मियों को लगायी फटकार

लचर व्यवस्था पर जतायी कड़ी नाराजगी, गुणात्मक सुधार लाने के दिये निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। डीसी नैंसी सहाय ने बुधवार को सदर प्रखंड और अंचल कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अपर समाहर्ता संतोष कुमार सिंह मौजूद रहे।

अंचल और प्रखंड कार्यालय के कार्यो की जांच : अंचल कार्यालय के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कार्यालय का भ्रमण कर भूमि हस्तांतरण, अवैध जमाबंदी, म्यूटेशन, आगत-निर्गत पंजी, नीलाम पत्रवाद, लगान निर्धारण के मामले, जिला से आए पत्रों के कंप्लायंस, कैशबुक, आवंटन पंजी और भूमि से संबंधित अन्य मामलों की जांच की। जांच के क्रम में कैश बुक, सीएल पंजी, जन शिकायत आदि महत्त्वपूर्ण पंजियों के अद्यतन न होने पर उपायुक्त ने कड़ी नाराजगी जतायी और इस पर नाजिर और प्रधान लिपिक पर शोकॉज करते हुए अन्य को कार्यप्रणाली व्यवस्था में सुधार लाने की सख्त चेतावनी दी। प्रखंड कार्यालय में आकस्मिक अवकाश पंजी, आगत निर्गत पंजी, सूचना अधिकार पंजी, अंकेक्षण पंजी, वाहन लॉग बुक, जनशिकायत पंजी, पेंशन पंजी, सर्विस बुक, सैरात पंजी और बंदोबस्त पंजी की अद्यतन स्थिति आदि की जांच उपायुक्त द्वारा की गयी। उपायुक्त कार्यालय से आये पत्रों के कंप्लायंस की जानकारी लेने के साथ-साथ उपायुक्त ने कर्मियों को कार्यशैली में सुधार लाने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने प्रखंड कार्यालय में कर्मियों की कमी की ली जानकारी : उपायुक्त ने प्रखंड कार्यालय के निरीक्षण के दौरान उपस्थित सीओ और बीडीओ से कार्यालय में कर्मियों की वर्तमान संख्या की जानकारी ली। इस पर सीओ ने उपायुक्त को बताया वर्तमान में 8 राजस्व कर्मचारी, पांच लिपिक, 5 कंप्यूटर ऑपरेटर तथा 3 अनुसेवक वर्तमान में कार्यरत है, बावजूद इसके कार्यों में लापरवाही पर उपायुक्त ने इसे अत्यंत खेदजनक बताया। उन्होंने रोष प्रकट करते हुए कहा कि अंचल और प्रखंड में लंबे समय से कार्यरत कर्मियों की बहुत शिकायत प्राप्त हो रही हैं जल्द ही वैसे कर्मियों का हस्तानांतरण किया जायेगा। उपायुक्त ने सीओ और बीडीओ को कर्मियों के साथ नियमित समीक्षा बैठक करने और क्षेत्र भ्रमण कर तत्संबंधी कार्यों की रिर्पोट उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

इस दौरान अंचल अधिकारी मयंक भूषण कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी नीतू सिन्हा सहित प्रखंड और अंचल के सभी विभागीय पदाधिकारी, कर्मी, अभियंता, पंचायत सचिव, जनसेवक, राजस्व कर्मचारी, ग्राम रोजगार सेवक मौजूद रहे।

नवनियुक्त आजसू जिलाध्यक्ष के साथ केंद्रीय सचिव नमन ने सुदेश महतो से की मुलाकात

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। आजसू पार्टी के नवनियुक्त हजारीबाग जिला अध्यक्ष परमेश्वर महतो के बनने के बाद आजसू के केंद्रीय सचिव नमन ठाकुर ने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष के साथ आजसू सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो से रांची स्थित आवासीय कार्यालय में शिष्टाचार मुलाकात किया। इस दौरान परमेश्वर महतो को हजारीबाग जिला अध्यक्ष के प्रभार मिलने पर बधाई दिया। नमन ठाकुर ने कहा की नए जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में आजसू पार्टी को हजारीबाग में मजबूती मिलेगी।

पीड़ित परिवार से मिलने विधायक डाढ़ा गांव पहुंचे

इचाक (आजाद सिपाही)। प्रखंड के डाढ़ा गांव में 25 जून को हृदय विदारक घटना घटी थी। जिसमें शिवकुमार मेहता के दो मासूम बच्चे रामसागर तालाब में डूब गये। पीड़ित परिवार से बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव डाढ़ा स्थित शिवकुमार मेहता के घर गये। घटना की जानकारी ली और पीड़ित परिवार को सांत्वना दिया। विधायक श्री यादव ने कहा कि शिवकुमार मेहता की माता जी के दशकर्मा घाट चल रहा था। दशकर्मा घाट से शिवकुमार मेहता के दो मासूम पुत्र बाल मुड़वाकर घर आये। घर से पुनः रामसागर तालाब चले गये, जहां लोग हजामत करने के बाद स्नान कर रहे थे। दोनों बच्चे तालाब में नहाने के लिए कूद गये। जो वापस निकल नहीं सके। घटना के करीब आधा घंटा के बाद एक बच्चे को निकाला गया और करीब दो घंटा के बाद दूसरे बच्चे को। दोनों बच्चों की मृत्यु से पूरा क्षेत्र मर्माहत है।

विधायक नीरा यादव ने लगाया एक पेड़ मां के नाम

कोडरमा (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किये गये 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को लेकर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा पेड़ लगाये जा रहे हैं। इसी कड़ी में कोडरमा विधायक डॉ नीरा यादव ने बुधवार को पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो अभियान शुरू किया है, उसका प्रभाव आने वाले दिनों में दिखेगा। करोड़ों पेड़ पौधे लगेंगे तो हरियाली तो बढ़ेगी ही, पर्यावरण भी संरक्षित होगा।

झरपो निवासी रामेश्वर अबुआ आवास के नाम पर हुआ साइबर ठगी का शिकार

टाटीझरिया (आजाद सिपाही)। आये दिन प्रतिदिन टाटीझरिया प्रखंड क्षेत्र में साइबर ठगी का शिकार कोई न कोई हो रहा है। नये-नये तरीके अपना कर लोगों से पैसे की ठगी किया जा रहा है। मंगलवार को प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत झरपो निवासी रामेश्वर भुइयां पिता बढ़न भुइयां भी अबुवा आवास के नाम पर साइबर ठगों का शिकार हो गया है। बता दें कि रामेश्वर भुइयां एक गरीब परिवार से है और मजदूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण करता है। रामेश्वर भुइयां के नाम से अबुवा आवास स्वीकृत हुआ है। लगभग पहला किस्त 30,000 हजार अकाउंट में भी आया है, काम नहीं करने के कारण खाता को होल्ड किया गया है। इसी बीच साइबर ठगी का मंगलवार को फोन आया की मैं हजारीबाग जिला से अबुवा आवास अधिकारी बोल रहे है, आप अपना अकाउंट और आधार नंबर भेजिये तब जाकर आपका आवास का दूसरी किस्त चला जायेगा। साथ में तुरंत 5000 रुपया आज भेजिये फिर कल भेजना देना, नहीं तो कोई रकम नहीं जायेगा। आवास के नाम पर तुरंत 2650 रुपया कर्जा लिया और 8175023489 फोन पे में डाल दिया। जब इसे पता चला की 2650 रुपया की आपके साथ ठगी हुआ है, रामेश्वर भुइयां की नींद उड़ गया। वह लेबर मजदूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण करता है।

संवेदक की लापरवाही से कैरी की सड़क पर बह रहा नाली का पानी

सतगावां (आजाद सिपाही)। प्रखंड के नावाडीह पंचायत के कैरी गांव में पीसीसी सड़क पर बह रहा गंदे नाले और बारिश की पानी से लोग नारकीय जीवन जीने को विवश हैं। पूरा गांव जलमग्न, लोग विकास की आधुनिक युग में भी सड़कों पर नाली का पानी बहना विकास के मुंह पर तमाचा के समान है। जानकारी के मुताबिक नाली निर्माण नहीं होने व पुल के संवेदक के द्वारा जेसीबी मशीन से नाली का मुख्य निकास को भर देने के कारण नाले की पानी सड़क पर बहता रहता है जिससे आने जाने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा है।मजबूरन लोग नाली के गंदे पानी से होकर जाने को विवश है।

जब कोई नहीं संभाले तो संभालते हैं श्याम...

गुरुकृपा शांति भवन में भजन संध्या का हुआ आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

झुमरीतिलैया। श्री श्याम मित्र मंडल के तत्वाधान में एकादशी को लेकर शहर के सीएच स्कूल रोड स्थित गुरु कृपा शांति भवन में भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा श्याम व अन्य देवी देवताओं का दरबार सजाया गया। ज्योत के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई, इसमें यजमान के रूप में अमित गुप्ता और दीपक गुप्ता शामिल हुए। गणेश वंदना सत्येंद्र सिन्हा ने प्रस्तुत किया। इसके उपरांत भजनों का कार्यक्रम शुरू हुआ। इसमें मनोज माथुर ने बजरंग बली मेरी नाव चली..., पंकज केसरी ने जब कोई ना संभाले तो संभालता है श्याम, कोई ना कोई रास्ता निकालता है..., गिरधारी सोमानी ने कीर्तन की है रात बाबा आज थाने आनो है..., राजा चौरसिया ने खुला हुआ है खुला रहेगा बाबा श्याम का..., आराध्या देवी ने देना है तो दीजिए जन्म जन्म का साथ..., सीमा सहल ने बाबा का लेकर नाम करेगा काम..., संगीता जेठवा ने श्याम नाम के हीरे मोती मैं तो बिखराउ गली गली..., पूनम सेठ ने बजाओ राधा नाम की ताली... आराधना सिंह ने बनवारी रे जीने का यही है सहारा..., दीपक बंसत, धीरज पांडेय सहित अन्य भजन गायकों ने बाबा श्याम सहित विभिन्न देवी देवताओं पर आधारित भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालु भक्तो को झूमते रहे। मौके पर मंडल के संरक्षक श्याम सुंदर सिंघानिया और लक्ष्मी देवी सिंघानिया ने गुरु कृपा शांति भवन की अनीता दीदी को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। मौके पर विवेक सहल, दीपेश जेठवा, पंकज तर्वे, रंधीर कपसीमे, वृजमोहन महेशवरी, मनोज चौधरी, अनिल चौधरी, सुरेश पचीसिया, राजेंद्र वर्मा, रंजीत श्रीवास्तव, पप्पू कंदोई, संतोष सिंदुरिया सहित कई श्रद्धालु भक्त मौजूद थे। इसके पूर्व दो दिवसीय अखंड रामायण पाठ का आयोजन सम्पन्न हुआ। जिसमें यजमान के रूप में कृष्णा देवी, सुनिली अठघरा, दीपा गुप्ता, द्रोपदी देवी, विद्यावती देवी और पाठ में प्रेमलता देवी, मुन्नी देवी, किरण देवी सहित 50 महिलाएं शामिल थी।

श्याम मंदिर में आयोजित ताली कीर्तन में झूमते रहे श्रद्धालु : शहर के पानी टंकी रोड स्थित श्याम मंदिर में ताली कीर्तन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बाबा श्याम का भव्य दरबार सजा। मौके पर उपस्थित श्रद्धालु भक्तों और गायकों ने ताली कीर्तन के माध्यम से शीश के दानी महा बलवानी खाटूवाले श्याम..., किसी को राम किसी को श्याम किसी को घनश्याम प्यारा है... जैसे भजनो पर कार्यक्रम स्थल भक्तिमय बन गया। बीच-बीच में कार्यक्रम स्थल जय श्री श्याम और हारे का सहारा बाबा श्याम हमारा के जयकारों से गूंजयमान होता रहा। मौके पर मनोज पिलानिया, संजू पिलानिया, संदीप हिसारिया, पप्पू सिंह, संतोष, संजय नरेडी, सुभम, यश दाहिमा, अनुराग, तनमय, रोहित, विष्णु, महावीर खेतान, मधु सिंह आदि मौजूद थे।

'श्याम शरण में आजा रे' ने किया हनुमान मंदिर में भोग का वितरण

झुमरीतिलैया। श्याम शरण में आजा रे के द्वारा श्यामा चावल से निर्मित खीर का वितरण स्टेशन रोड स्थित हनुमान मंदिर में किया गया। इस अवसर पर करीब 250 श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मौके पर श्याम शरण में आजा रे के पप्पू सिंह, अविनाश कपसीमे ने बताया कि प्रत्येक माह के पहले एकादशी में अलग-अलग स्थलों पर प्रसाद वितरण किया जायेगा। इस अवसर पर राजू अजमानी, जोशी कुमार, रणधीर कपसीमे, मनोज अजमानी, उतकर्ष भदानी, विकास अठघरा, श्रेयांश भदानी, शुभम कुमार, सत्यम कुमार, मधु सिंह, अदिति हर्ष राज आदि मौजूद थे।

श्री श्री शिव परिवार मंदिर महोत्सव में उमड़ा भक्तों का सैलाब, निकली भव्य कलश यात्रा

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से हमारी संस्कृति और परंपराओं को संजीवनी मिलती है। यह हमें हमारे मूल्यों और धर्म के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देते हैं।

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। संत विनोबा नगर, मेरावल, सिंदूर, हजारीबाग में स्थित श्री श्री शिव परिवार, श्री हनुमंत, श्री सीताराम और श्री राधा कृष्ण मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर जिला परिषद चेयरमैन उमेश प्रसाद मेहता, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह, आरोग्यम अस्पताल के निदेशक हर्ष अजमेरा समेत कई गणमान्य इस धार्मिक आयोजन में उपस्थित रहे, और भक्तों के साथ कलश यात्रा में शामिल हुए। इस महोत्सव के अध्यक्ष चंद्र मोहन प्रसाद, सचिव कैलाश कुमार यादव और कोषाध्यक्ष दिलीप सिंह ने मुन्ना सिंह, उमेश मेहता, हर्ष अजमेरा समेत अन्य अतिथियों को भगवा गमछा ओढ़ाकर स्वागत किया। इस दौरान भव्य कलश यात्रा निकली जो विनोबा नगर से शुरू होकर नगवां सिवाने नदी तक गयी। इस यात्रा में सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए, जिन्होंने जयकारों और भक्ति गीतों के साथ माहौल को भक्तिमय बना दिया।

इस अवसर पर मुन्ना सिंह ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से हमारी संस्कृति और परंपराओं को संजीवनी मिलती है। यह हमें हमारे मूल्यों और धर्म के प्रति सजग रहने की प्रेरणा देते हैं। मैं सभी श्रद्धालुओं को इस सफल आयोजन के लिए बधाई देता हूं और हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र की समृद्धि और खुशहाली की कामना करता हूं।

सुनीता चौधरी ने चितरपुर के मारगमरचा में पीसीसी पथ का शिलान्यास किया

रजरप्पा (आजाद सिपाही)। रामगढ़ विधानसभा अंतर्गत चितरपुर प्रखंड के मारंगमरचा पंचायत में मंडई से लेकर लखैया पैयान तक पीसीसी पथ निर्माण के शिलान्यास कार्यक्रम में पहुंची रामगढ विधायक सुनीता चौधरी कार्यक्रम में पहुंचते ही विधायक को ग्रामीण महिलाओं के द्वारा माल्यार्पण कर पुष्पगुक्ष देकर स्वागत किया गया,तत्पश्चात विधायक के द्वारा विधिवध पूजा अर्चना कर नारियल फोड़कर शिलान्यास किया गया। विधायक ने कहा कि पथ निर्माण के लिए ग्रामीणों की वर्षों से मांग थी जिसे आज धरातल पर उतरने का काम किया गया है पीसीसी पथ का निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद ग्रामीणों को आवागमन करने में मिलेगी बेहतर सुविधा,मौके पर मुख्य रूप से पार्टी के केंद्रीय सचिव अमृतलाल मुंडा जी,प्रखंड अध्यक्ष दिवाकर नायक,कार्यकारिणी अध्यक्ष भानु महतो,जिला उपाध्यक्ष संतोष महतो, मारंगमर्चा मुखिया प्रतिनिधि राकेश रजवार,रामगढ़ युवा मोर्चा सह प्रभारी सुबीन तिवारी,मुखिया प्रतिनिधि मलेश्वर नायक,पार्टी के वरिष्ट नेता बढ़न राम करमाली,आजसू नेता दिवाकर महतो,आजसू छात्र संघ के प्रखंड महासचिव बंटी राज सहित मारंगमर्चा पंचायत के जनतागण मौजूद थे।

फिल्टर प्लांट का किया शिलान्यास

पतरातू (आजाद सिपाही)। पीवीयूएनएल के सीएसआर मद से ऑटोमेटिक ड्राइविंग टेस्टिंग ट्रैक अंतर्गत पूर्व से निर्मित प्रखंड परिसर में शौचालय का मरम्मत एवं रखरखाव और आरओ फिल्टर प्लांट के लिए रामगढ़ उपायुक्त के निर्देश पर श्री फाउंडेशन को कार्य करने का आदेश के आलोक में बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार गुप्ता उप प्रमुख बबीता पांडे, पतरातू मुखिया गिरजेश कुमार प्रमुख प्रतिनिधि सीताराम मुंडा, पंसस ज्योति गुप्ता पीवीयुएनएल के संतोष कुमार, झामूमो के प्रखंड सचिव उदय अग्रवाल के द्वारा नारियल फोड़कर शिलान्यास किया गया। बताया गया कि उपायुक्त रामगढ़ के निर्देश पर पतरातू के प्रखंड परिसर में निर्मित शौचालय का मरमती एवं पानी की सुविधा के लिए आरओ फिल्टर प्लांट और रेलवे स्टैंड में निर्मित शौचालय की मरमती कराई जाएगी। नियमित शौचालय का संचालन श्री फाउंडेशन के द्वारा किया जाएगा. यहां के स्थानीय ग्रामीण एवं प्रखंड में आने वाले सभी राहगीरों को निशुल्क शौचालय सुविधा एवं प्रखंड परिसर में आरो जल फिल्टर प्लांट के माध्यम से पानी उपलब्ध कराया जाएगा। इस मौके पर पूर्व उप प्रमुख उमाशंकर पांडे वार्ड सदस्य संगीता देवी, विद्यानंद कुमार, राजन कुमार सिंह ,सुधा देवी विवेक कुमार सरोज मछुआ ललन राम सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

आजसू ने प्रखंड मुख्यालय में दिया धरना, ग्यारह सूत्री मांग पत्र सौंपा

गोला (आजाद सिपाही)। आजसू के द्वारा पूरे राज्य के जिला से लेकर प्रखंड मुख्यालय तक भ्रष्टाचार के खिलाफ हल्ला बोल कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी क्रम में बुधवार को प्रखंड मुख्यालय के समक्ष कार्यकताओं ने हल्ला बोल के तहत प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व शिक्षक चंद्रशेखर महतो की अगुआई में की गयी। जबकि बतौर मुख्य कार्यकारी जिला जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार महतो व प्रखंड प्रभारी धनेश्वर महतो महतो शामिल थे। आजसू के नेताओं ने कार्यक्रम में राज्य सरकार के खिलाफ बोलते हुए कहा कि राज्य में हर विभाग में जनता का कार्य बिना रिश्वत दिए नहीं होता है। अंचल से लेकर बीडीओ कार्यालय के सभी विभागों में भ्रष्टाचार व्याप्त है। आम लोगों का कोई काम बिना रिश्वत के नही होता है। विकास के नाम पर चारो ओर लूट मचा हुआ है। इस दौरान बीडीओ को पंद्रह सूत्री ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रम में प्रखण्ड अध्यक्ष अंगद महतो,गोबिंद मुंडा,ममता सोनी,पुरन महतो आदि थे। इससे पहले डाकबंगला परिसर से जुलूस निकाला गया।

जनता मजदूर संघ सारुबेड़ा परियोजना शाखा अध्यक्ष बने श्रवण करमाली

कुजू (आजाद सिपाही)। जनता मजदूर संघ केंद्रीय कार्यालय धनबाद में बुधवार को सदस्यता ग्रहण समारोह सह मिलन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में मुख्य रूप से संघ के केंद्रीय महामंत्री सह कोल इंडिया जेबीसीसीआई सदस्य सिद्धार्थ गौतम मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मौजूद संघ के सदस्यों ने केंद्रीय महामंत्री सिद्धार्थ गौतम को बुके भेंटकर स्वागत किया। साथ ही, आरसीएमयू के सारुबेडा परियोजना शाखा के पूर्व अध्यक्ष श्रवण करमाली समेत दर्जनों सदस्यों का जनता मजदूर संघ में सदस्यता ग्रहण केंद्रीय महामंत्री के हाथो कराया गया। वही, संघ की सदस्यता ग्रहण के बाद श्रवण करमाली को संघ का सारूबेडा परियोजना शाखा अध्यक्ष के रूप में घोषणा की गयी।

सदर अस्पताल में पार्किंग की व्यवस्था को सुदृढ़ करें : डीसी

चकाचक हो जायेगा रामगढ़ शहर, बाजार होंगे सुंदर, पार्किंग की होगी अलग व्यवस्था

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ शहर जल्द ही चकाचक हो जाएगा। यहां के बाजार को और सुंदर बनाया जाएगा, पार्किंग की अलग व्यवस्था होगी। सड़कों पर घूमने वाले आवारा पशु भी नजर नहीं आएंगे। इन सभी बिंदुओं को लेकर रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने बुधवार को बेहद महत्वपूर्ण बैठक की। उन्होंने नगर परिषद और छावनी परिषद में विकास कार्यों का न सिर्फ जायजा लिया, बल्कि इस शहरी इलाके का कायाकल्प करने की बात कही है। नगर परिषद के कार्यपालक दंडाधिकारी मनीष कुमार ने

पीपीटी के माध्यम से वित्तीय वर्ष 2022-23 में किए गए कार्यों की विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही 2023- 24 में किए जा रहें कार्यों के भी संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दिए।

शनिचरा बाजार का होगा सौंदर्यकरण : बैठक के दौरान उपायुक्त ने पेयजल आपूर्ति को लेकर किया जा रहे कार्यों के संबंध में कार्यपालक दंडाधिकारी व अन्य पदाधिकारियों को जल्द से जल्द ससमय कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने शनिचरा बाजार रामगढ़ का सौंदर्यीकरण, सदर अस्पताल में पार्किंग की व्यवस्था को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिले में प्रचार प्रसार के उद्देश्य से नगर परिषद को जिले में कई और अन्य चौक चौराहो आदि स्थलों का निरीक्षण कर नए होर्डिंग को लगाने का निर्देश दिया।

कांजी हाउस में रखे जायेंगे आवारा मवेशी

बैठक के दौरान रामगढ़ में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने की बात डीसी चंदन कुमार ने कही उन्होंने कहा कि सड़कों पर आवारा मवेशी घूमते रहते हैं जिससे सड़के जाम हो जाती हैं। कार्यपालक पदाधिकारी को कृषि विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए बन रहे कृषि पाठशाला क्षेत्र में कांजी हाउस का निर्माण करने का निर्देश दिया। आवारा मवेशियों को कांजी हाउस में रखने का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी मवेशी पालकों से भी अपील की गयी कि सड़कों पर अपने मवेशियों को ना छोड़ें।

कैंटोनमेंट बोर्ड की मीटिंग में 18 एजेंडे को मिली मंजूरी

छावनी बोर्ड मीटिंग में 14 नक्शे पास, संवेदक को सौंपा जायेगा दामोदर बैडमिंटन हॉल

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। लोकसभा चुनाव खत्म होने के बाद चार महीना के अंतराल पर बुधवार को छावनी परिषद बोर्ड की बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक में ब्रिगेडियर संजय कांडपाल की अध्यक्षता में 18 एजेंडे पास किये गयी। सबसे महत्वपूर्ण यह रहा की 14 नक्शे पास हुए, चार म्यूटेशन हुए और छावनी परिषद के द्वारा शहर में बनाये गये दामोदर बैडमिंटन हॉल को संवेदक को 5500 रुपए प्रति माह की दर से सौंपने का निर्णय लिया गया। इसके अलावा छावनी

अस्पताल परिसर में डीएमएफटी फंड से एक्श-रे मशीन लगने की खुशी भी सार्वजनिक की गयी।

सब्जी मंडी से अवैध दुकानों को हटाने का निर्देश : बैठक में फरवरी से मई माह से अब तक आय-व्यय का ब्योरा, ऑन लाइन 14 मकान नक्शा, मकान म्यूटेशन के 4 आवेदन को पास किया गया। छावनी सार्वजनिक अस्पताल में एक्स-रे मशीन के टेंडर को भी मंजूरी दी गई। वर्ष 2021 से 24 के लिए सभी मकानों का एसेसमेंट कराने का निर्णय लिया गया। पुराने बस स्टैंड कैंपस से अवैध दुकानें हटाने और सब्जी विक्रेताओं को न्यू बस स्टैंड कैंपस के न्यू वेजिटेबल वेंडिंग जोन में शिफ्ट कराने के प्रस्ताव को पारित किया गया। इस कार्य के लिए रोजाना सुबह 6 से 11 बजे तक अवैध दुकानें हटाने और सब्जी दुकानें शिफ्ट करने की कार्रवाई की जाएगी। ताकि, वेंडिंग जोन में सब्जी दुकानें लगाई जा सके। बोर्ड मीटिंग में छावनी सार्वजनिक अस्पताल में दवाईयों की खरीदारी के साथ बेडमिंटन हॉल के मेंटेनेंस के साथ उसे संचालित करने के लिए आवंटित करने का निर्णय लिया गया। विकास कार्य पीसीसी पथ,नाली,वॉल पेंटिंग आदि के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। मीटिंग के दौरान बोर्ड सचिव सीईओ अनंत आकाश ने प्रस्तावों की जानकारी दी। वहीं, रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी ने शहरी क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं को उपलब्ध कराने की बात कही।

21 को वैश्य समाज के नवनिर्वाचित सांसदों को किया जायेगा सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। झारखंड वैश्य समाज के पदाधिकारियों ने बुधवार को शहर के थाना चौक स्थित होटल शिवम इन सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए झारखंड वैश्य समाज संस्थापक राजीव जायसवाल ने कहा कि वैश्य समाज को एक मंच में लाने के लिए आगामी 21 जुलाई को गुरुनानक ऑडिटोरियम में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में झारखंड, बिहार सहित अन्य राज्य के नवनिर्वाचित सांसदों, विधायक और जनप्रतिनिधियों को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि समारोह की तैयारी को लेकर युद्ध स्तर पर तैयारी शुरू कर दी गई है। समारोह में भाग लेने के लिए समाज को अपील की जाएगी। इसे सफल बनाने के लिए झारखंड वैश्य समाज के पदाधिकारियों जुट गए है। उन्होंने कहा कि झारखंड बिहार के अलावा अन्य राज्यों के सांसद,

विधायक और जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में बड़ी संख्या में समाज के जनप्रतिनिधि चुनाव जीतकर जनप्रतिनिधि निर्वाचित हुए हैं। उनके उत्साहवर्धन को लेकर उन्हें सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह में झारखंड-बिहार के अलावा उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और उड़ीसा के निर्वाचित सांसद शामिल होंगे। समारोह की सफलता को लेकर समाज के सभी पदाधिकारी गांव गांव जाकर लोगों से समारोह में शामिल होने की अपील करेंगे।

इन लोगों ने किया प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित

प्रेस कॉन्फ्रेंस को झारखंड वैश्य समाज के अध्यक्ष नंदकिशोर गुप्ता, जिलाध्यक्ष अनिल गुप्ता, महासचिव रविन्द्र साहू, कोषाध्यक्ष रवि साहू, कमल बगड़िया, विजय मेवाड़, अनिल कुमार, मधु गुप्ता ने भी संबोधित किया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये थे उपस्थित

प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय नेता संतोष वर्णवाल, वरिष्ठ नेता दिगम्बर साहू, भीम साहू, बीरबल साहू, लोचन साहू, सुभद्रा अग्रवाल, संजय साह, सूरज कुमार, नरेश प्रसाद साह, लोचन साहू, प्रमोद आदि उपस्थित थे।

35वां सालाना उर्स मनाने को ले भुरकुंडा में बैठक

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। हजरत बीड़ी शाह बाबा का 35वां सालाना उर्स मनाने को ले मंगलवार को मजार शरीफ भुरकुंडा में आयोजन समिति की बैठक हुई। बैठक में हर साल की भांति इस वर्ष भी 35वां सालाना उर्स मनाने का निर्णय लिया गया। कहा गया कि आगामी 8 जुलाई को रात्रि 8 बजे मजार शरीफ का गुसूल एवं खादिम ग्यास खान के द्वारा चादरपोशी और प्रसाद का वितरण किया जाएगा। दूसरे दिन 9 जुलाई को संध्या चार बजे भुरकुंडा थाना द्वारा सरकारी चादरपोशी की जायेगी। इसके बाद आम लोगो द्वारा मजार पर चादरपोशी की जायेगी। इस अवसर पर लंगर का वितरण और देर रात तक उर्स मेला का आयोजन किया जायेगा। बैठक मे सर्वसम्मति से उर्स कमेटी का गठन किया गया।

CCL
Fueling Sustainable Growth
सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड
"एक मिनीरत्न कंपनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड की एक सहायक कंपनी)

सूचना

सामग्री, कार्यों एवं सेवाओं के खरीद हेतु सीआईएल एवं इसकी अनुषंगी कंपनियों द्वारा जारी सभी निविदाएँ कोल इण्डिया लिमिटेड की वेबसाइट www.coalindia.in / संबंधित अनुषंगी कंपनी (सीसीएल, www.centralcoalfields.in), सीआईएल ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://coalindiatenders.nic.in एवं सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://eprocure.gov.in पर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल https://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीद की जाती हैं।

डीडीसी ने अबुआ आवास का कार्य जल्द पूरा करने का दिया निर्देश

हंटरगंज/ चतरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय के सभागार में मंगलवार को उपविकास आयुक्त पवन मंडल ने प्रखंड कर्मियों की साथ बैठक की। बैठक में उप विकास आयुक्त ने उपस्थित सभी कर्मियों को वर्तमान में चल रहे मनरेगा योजना से संबंधित कार्यो को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही डीडीसी ने सभी पंचायत सचिवों को निर्देश देते हुए कहा कि अबुआ आवास योजना के कार्यो में तेजी लायें। उन्होंने पंचायत सचिवों को कार्य निष्पादन के लिए आवश्यक सुझाव देते हुए कहा की सभी पंचायत सचिव अपने-अपने पंचायत के लाभूकों की सूची बनाएं और योजना का कितना काम हुआ है तथा कितना का स्थिति पूर्ण होने को है उसे सूचीबद्ध करें। अन्यथा कार्य में लपरवाही बर्दाश्त नही किया जायेगा। इस मौके पर डीडीसी ने गोसाईडीह पंचायत के कुछ लाभूकों का अबुआ आवास योजना का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण के दौरान बीडीओ,बीपीओ बिनोद कुमार गुप्ता,अबुआ आवास प्रखंड कोडिनेटर मो.फैजान समेत संबंधित पंचायत के पंचायत सचिव मौजूद थे।

अपराधियों ने ग्राहक सेवा केंद्र से ढाई लाख रुपये लूटे

हंटरगंज/ चतरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के कौलेश्वरी डाहा रोड स्थित तरवागड़ा मोड़ के समीप संचालित झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के ग्राहक सेवा केंद्र में हथियारबंद अपराधियों ने लूट की घटना को अंजाम दिया। दो मोटरसाइकिल से कौलेश्वरी रोड की ओर से नकाबपोश चार हथियारबंद अपराधी आए और ग्राहक सेवा केंद्र का संचालन कर रहे अमित कुमार ठाकुर को अपने कब्जे में लेकर ढाई लाख रुपया लूट लिया और वहां मौजूद लैपटॉप काउंटर को तोड़ दिया। इसके बाद सभी लूट की घटना को अंजाम देकर राहरबार गांव की ओर फरार हो गए। ग्राहक सेवा केंद्र के संचालक अमित कुमार ठाकुर ने शोर मचाया। जिसके बाद स्थानीय लोग जूट गए। लुटेरे अमित कुमार के पास से तीन एटीएम कार्ड, दो चेक बुक तथा, मोबाइल छीनकर अपने साथ ले गए। घटना की जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी मनीष कुमार दलबल के साथ घटनास्थल पर घटना की जानकारी लिया । पुलिस के द्वारा लुटेरों के धर पकड़ के लिए क्षेत्र में छापामारी अभियान चलाया जा रहा है। इस घटना से क्षेत्र में दहशत है। मालूम हो कि उक्त ग्राहक सेवा केंद्र का कोड अमित कुमार ठाकुर की मां रिंकू देवी के नाम से है।

तकनीकी युग में खुद को अपडेट रखें शिक्षक : डीसी

चतरा (आजाद सिपाही)। जिला खनिज निधि सह प्रशिक्षण भवन हॉल में तकनीकी युग में भारतीय शिक्षा प्रणाली के भविष्य की खोज पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमे बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त रमेश घोलप शामिल हुए। वहीं मुंबई से आए ग्लोबल टीचर अवार्ड 2020 के विजेता एवं वर्ष 2016 के इनोवेटिव शोधकर्ता रंजीत डिसले भी वक्ता के रूप में शामिल हुए। सेमिनार प्रारंभ होने से पूर्व अतिथियों का पौधा भेंट कर एवं स्वागत गान के साथ स्वागत किया गया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सेमिनार में सबसे पहले जिले के शिक्षक, विद्यालय, छात्र/छात्राओं समेत अन्य शिक्षण से जुड़ी जानकारियां सभी के बीच साझा किया गया। साथ ही वक्ता रंजीत डिसले ने अपने जीवन का अनुभव साझा किया इसके अलावे उन्होने कहा मेरे द्वारा बच्चों को किस तरह से पढ़ाई के प्रति रूची बढ़ाई जाय और विद्यालय तक शत प्रतिशत बच्चों को लाया जाय। इसके लिए एक सरकारी शिक्षक होने के नाते हर संभव प्रयास किया जा रहा है। साथ ही उन्होने अमेरिका के सरकारी विद्यालयों में आधुनिक रूप से छात्र/ छात्राओं को शिक्षा दिया जाता है और बच्चे का रूची पढ़ाई के प्रति बढ़ता है। इस संदर्भ में भी उन्होने जानकारी साझा की। उपस्थित जिले के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षकों को कहा हमे पुरा उम्मीद है कि आप लोग यहां से जाने के बाद अपने-विद्यालयों में बच्चों के पठन-पाठन में रूची पैदा करने एवं शत प्रतिशत बच्चों को शिक्षित करने व विद्यालय तक लाने में विभिन्न आयामों को अपनायेंगे।

ढलान के कारण नदी में गिरा ट्रक

गोला (आजाद सिपाही)। रामगढ़ बोकारो एन एच 23 भेड़ा नदी में बुधवार दोपहर को एक आयरन ओर लदा एलपी ट्रक गिर गया। जिससे ट्रक के परखच्चे उड़ गये। ट्रक कई भागों में बंट गया। वहीं आयरन ओर पूरी तरह से नदी में बिखर गया। इस संबंध में बताया गया कि एलपी ट्रक संख्या भेड़ा नदी के समीप एक होटल में रुक कर खाना खा रहा था। इसी दौरान ढलान होने के वजह से वाहन गुडकते हुए नदी में गिर गया।

रोटरी रामगढ़ सेंट्रल का 15वां पदभार ग्रहण सह स्थापना दिवस मनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। रोटरी रामगढ़ सेंट्रल का 15 वां पदभार ग्रहण सह स्थापना दिवस मंगलवार की देर शाम रांची रोड स्थित सिद्धि विनायक परिसर में धूमधाम से मनाया गया। सत्र 2024-25 के लिए नवनिर्वाचित अध्यक्ष पवन अग्रवाल और सचिव पीयूष बेरलिया ने पदभार ग्रहण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक 3250 की भावी जिलापाल नम्रता ने दीप प्रज्वलित कर किया। साथ ही गणेश वंदना कर गणेश जी की स्तुति की गई। उसके उपरांत समारोह के मुख्य संयोजक मुकेश अग्रवाल ने मुख्य अतिथि नम्रता सहित उपस्थित विभिन्न संगठनों

से आए सभी अतिथियों का स्वागत फूलों का गुलदस्ता देकर किया।

निवर्तमान अध्यक्ष ने अपने कार्यकाल में किये गए कार्यों की दी जानकारी : समारोह के दौरान निवर्तमान अध्यक्ष विकास बंसल ने अपने कार्यकाल में किए गए कार्यों का विस्तार पूर्वक उल्लेख किया और अपने कार्यकाल में अनेक संगठनों व्यक्ति और क्लब के सदस्यों से मिले सहयोग के लिए सभी को प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया।

समाज सेवा के क्षेत्र में सभी संगठनों के साथ मिलाकर लिखेगा नया आयाम : पवन समारोह के दौरान मुख्य अतिथि नम्रता, क्षेत्रीय निदेशक मुकेश अग्रवाल, क्लब के सहायक जिलापाल विनय अग्रवाल की उपस्थिति में वर्तमान अध्यक्ष और सचिव को पदभार सौंपा गया। साथ ही सत्र 2024-25 के कार्यकारिणी सदस्यों को उनके पद की गरिमा को बनाए रखने के लिए शपथ दिलाई गयी। मौके पर अध्यक्ष पवन अग्रवाल ने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि क्लब ने मुझे जो दायित्व सौंपा है, मैं उस पर पूरा खरा उतरने का प्रयास करूंगा।

क्लब की पुस्तक 'लक्ष्य' का हुआ विमोचन : डॉ अनूप के द्वारा क्लब की पुस्तक 'लक्ष्य' का विमोचन किया। सहायक जिलापाल विनय अग्रवाल, क्षेत्रीय निदेशक मुकेश अग्रवाल ने अपने-अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि नम्रता ने अपने संबोधन में रोटरी संस्था के महत्व को बताया कि कैसे रोटरी अपने कार्यों से समाज के हर वर्ग की उन्नति के लिए कार्य करता है। समारोह के समापन पर स्वेता जैन ने धन्यवाद ज्ञापन दी।

समारोह को सफल बनाने में मुख्य रूप से गौतम जालान, पंकज बगड़िया, विवेक अग्रवाल, विवेक अजमेरा, उमेश अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल, रमा अग्रवाल, अरुण अग्रवाल, मोहन मुरारी अग्रवाल, विशाल बासुदेव, मोनिका बासुदेव, पूनम जालान, खुशबू बंसल, मेघा बगड़िया आदि उपस्थित थे।

डीएवी स्कूल ने किया वन महोत्सव का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

बरकाकाना। डीएवी पब्लिक स्कूल बरकाकाना द्वारा साप्ताहिक वन महोत्सव का आयोजन किया गया,जिसमे नर्सरी से द्वादश तक के छात्रों और शिक्षकों ने हरित परिधान धारण किया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने मानव श्रृंखला बनाकर 'डीएवी' और 'वन महोत्सव' लिखा। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की शिक्षिका श्वेता यादव ने किया। कार्यक्रम के दौरान वर्ग दशम की सगुण ने वन महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डाला क्षेत्र के प्रसिद्ध पर्यावरणविद् उपेन्द्र पांडे ने प्लास्टिक के प्रयोग से होने वाली हानियों और उनसे बचने के उपायों पर चर्चा की। प्राचार्य मोहम्मद मुस्तफा माजिद ने बच्चों को पर्यावरण सुरक्षा और प्लास्टिक परित्याग की शपथ दिलायी। सभा को संबोधित करते हुए प्राचार्य मोहम्मद मुस्तफा माजिद ने कहा पर्यावरण संरक्षण में हर किसी का योगदान आवश्यक है।

कोर्ट नोटिस

ब अदालत,
श्री गौतम गोविन्दा,
सी० जे० जे० डी० द्वितीय सह एल० ए० वाद सं० विशेष न्यायधीश एल० ए०, राँची
एल. ए. वाद सं. 03 / 2022
राज्य .... प्रार्थी
मंगला देवी एवं अन्य .... विपक्षी
विपक्षी

नोटिस बनाम उत्तरवादी :-
1. किशोरी लाल स्वांसी पिता स्व० गोतिन्द चन्द्र स्वांस. 2. इन्द्रजीत स्वांसी पिता स्व० महेस्वर स्वांसी . 3. पूर्ण चन्द्र स्वांसी पिता स्व० महेस्वर स्वांसी सभी निवासी ग्राम एदलहातु, थाना बुण्डू, जिला राँची वजरिये इस नोटिस के द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी ने आप लोगो के विरूद्ध उपरोक्त एल० ए० वाद इस न्यायालय में रेफर कि है, जिसकी सुनवाई की तिथि दिनांक 25.07.2024 दिन के 10:30 बजे को निश्चित की गई है। अतः आप उक्त तिथि को स्वयं या अपने अधिवक्त्र के माध्यम से उपस्थित होकर उक्त वाद की समुचित पैरवी करें। अन्यथा आपकी अनुपस्थिति में उक्त वाद की कार्यवाही एक पक्षीय कर दी जायेगी। इसे ताकिद जाने। मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से आज दिनांक 25.06.2024 को जारी किया गया।

नये आपराधिक कानून, व्यवहार में होगी परख

तमाम उम्मीदों और आशंकाओं के बीच देश में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता ((बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) लागू हो चुकी हैं। ये तीनों कानून मौजूदा भारतीय दंड संहिता (आइपीसी), दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) और भारतीय साक्ष्य कानून की जगह लेने वाले हैं। लेकिन इसमें दशकों लग सकते हैं। जाहिर है, तब तक देश में नये और पुराने दोनों कानून साथ-साथ चलेंगे। इसकी अपनी चुनौतियां होंगी।

सरकार आश्वस्त: विपक्षी दलों से जुड़े नेता ही नहीं, कई विशेषज्ञ भी इन कानूनों के लागू किये जाने को लेकर कुछ सवाल और संदेह जताते रहे हैं। लेकिन सरकार इन्हें लेकर पूरी तरह आश्वस्त नजर आती है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जहां विपक्षी दलों के सुझाव सुनने की तैयारी दिखायी है, वहीं यह भरोसा भी जताया है कि नये कानूनों से मुकदमे निपटाने की प्रक्रिया में तेजी आयेगी। यही नहीं, उनके मुताबिक इन कानूनों से दोष साबित होने की दर 90% तक बढ़ायी जा सकेगी।

इंसाफ की कसौटी: ये दोनों ही लक्ष्य अच्छे कहे जायेंगे बशर्ते इस क्रम में इंसाफ की संभावना को कोई नुकसान न हो। विलंब से न्याय को अन्याय के बराबर माना गया है, लेकिन जल्दी आया फैसला भी अच्छा नहीं कहा जायेगा अगर वह सभी पक्षों को आश्वस्त नहीं कर सके कि इंसाफ हुआ है। उम्मीद की जानी चाहिए कि नये कानूनों के तहत बनने वाली व्यवस्था भी 'इंसाफ न सिर्फ होना चाहिए, बल्कि होते हुए दिखना भी चाहिए' की कसौटी पर सौ फीसदी खरी उतरेगी।

अनुसंधान में तकनीक की भूमिका बढ़ाने का विचार अच्छा है, लेकिन जांच प्रक्रिया का मसला काम के बोझ से जुड़ा है। फोरेंसिक टीम वैसे भी कई मामलों की जांच से जुड़ी काम के बोझ से दबी रहती है।

पुराने की जगह नया: इस बात से किसी को इनकार नहीं हो सकता कि पुराने पड़ चुके कानून हटाये जाने चाहिए। लेकिन अंग्रेजों के जमाने के औपनिवेशिक कानूनों में पूरे रद्दोबदल के तर्क से लाये गये इन नये कानूनों में भी यह शिकायत दूर नहीं हुई। चाहे मानहानि हो या राजद्रोह, इनसे जुड़े प्रावधान अभी भी किसी न किसी रूप में कानून में शामिल हैं। वैवाहिक बलात्कार को अपराध के दायरे में लाने की जरूरत भी पूरी नहीं हुई है।

काम का बोझ: अनुसंधान में तकनीक की भूमिका बढ़ाने का विचार अच्छा है, लेकिन जांच प्रक्रिया का मसला काम के बोझ से जुड़ा है। फोरेंसिक टीम वैसे भी कई मामलों की जांच से जुड़े काम के बोझ से दबी रहती है। जाहिर है, इसकी कार्यक्षमता बढ़ाने में पर्याप्त ऊर्जा लगाने की जरूरत होगी। उसके बगैर उचित प्रक्रिया में सुधार कागजों से आगे बढ़ना मुश्किल होगा।

नागरिक अधिकारों की गारंटी: बहरहाल, तीनों नये आपराधिक कानूनों का लागू होना एक बड़ा कदम है। इसे लेकर अभी से संदेह और निराशा का माहौल बनाने की जरूरत नहीं है। मगर याद रखना होगा कि व्यवहार में इन बदलावों के लिए भी सबसे बड़ी कसौटी यही होगी कि संविधान द्वारा प्रदत्त व्यक्तिगत स्वतंत्रता और नागरिक अधिकार सुनिश्चित करने के लिहाज से ये कितने प्रभावी साबित होते हैं।

अभिमत
आजाद सिपाही

भविष्य के भारत को लेकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश की 60 प्रतिशत आबादी अगर शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं रहे, तो आने वाले वक्त में यहां की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक रूप से कैसी तस्वीर बनेगी। यह बेहद चिंताजनक है कि शारीरिक निष्क्रियता का लगातार बढ़ना अब तक देश में बड़ा मुद्दा नहीं बन सका है, जबकि यह स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से ही नहीं, सामाजिक दृष्टिकोण से भी खतरनाक है।

चिंताजनक है भारत में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना

ललित सिंह

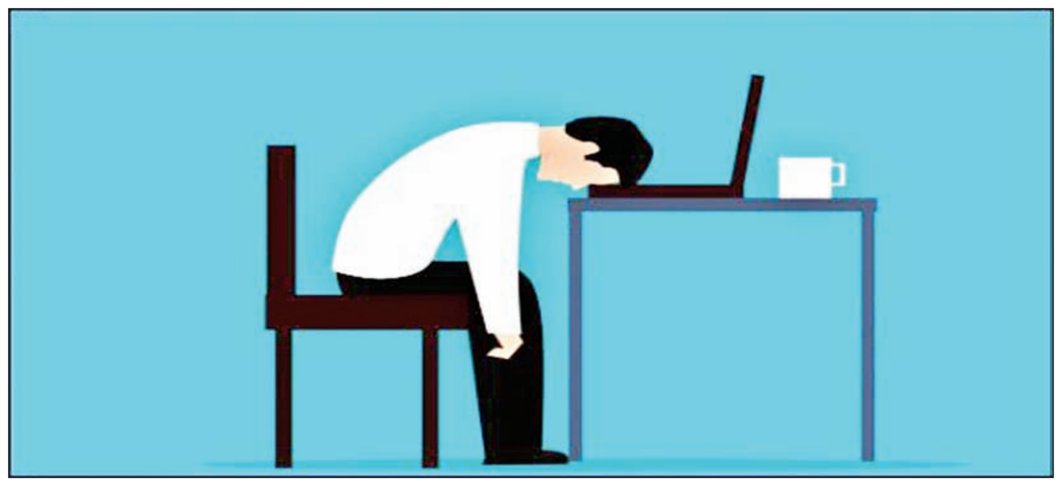

भारत में बढ़ती शारीरिक अकर्मण्यता एवं आलसीपन एक समस्या के रूप में सामने आ रहा है। लोगों की सक्रियता एवं क्रियाशीलता में कमी आना एवं वयस्कों में शारीरिक निष्क्रियता का बढ़ना चिंता का सबब है। इस दृष्टि से प्रतिष्ठित लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की वह हालिया रिपोर्ट आइना दिखाने वाली है, जिसमें पचास फीसदी भारतीयों के शारीरिक श्रम न करने का उल्लेख है। महिलाओं की स्थिति ज्यादा चिंता बढ़ाने वाली है। उनकी निष्क्रियता का प्रतिशत 57 है। वैसे अकेले पुरुषों की निष्क्रियता का प्रतिशत 42 है। इस अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है कि अगर वर्तमान में तेजी से पसर रहा आलसीपन एवं शारीरिक निष्क्रियता इसी तरह जारी रहा, तो 2030 तक भारत में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता वाले वयस्कों की संख्या बढ़कर 60 प्रतिशत तक पहुंच जायेगी, जो चिंताजनक है।

लैंसेट ग्लोबल हेल्थ रिपोर्ट के अनुसार भारत की आधी वयस्क आबादी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के शारीरिक गतिविधि संबंधी मानदंडों को पूरा नहीं कर रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के वयस्कों में अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता का पैमाना 2000 में 22.3 फीसदी से बढ़कर 2022 में 49.4 फीसदी हो गया है। साथ ही इसमें बताया गया है कि देश में महिलाएं पुरुषों की तुलना में शारीरिक रूप से ज्यादा निष्क्रिय हुई हैं। इस निष्क्रियता, आलसीपन एवं उदासीनता का कारण बढ़ते उपभोक्तावाद एवं शहरीकरण से उपजी सुविधावादी एवं आरामदायक जीवनशैली है। इसके कारण बीमारियां भी बढ़ रही हैं, क्योंकि जब व्यक्ति को सुस्त, निढाल एवं निस्तेज देखा जाता है, तो इसका सीधा अर्थ यही लगाया जाता है कि शायद उसकी तबीयत ठीक नहीं है। विडंबना यह भी है कि समय के साथ विस्तृत होते दायरे के बीच ज्यादातर लोगों की व्यस्तता तो बढ़ी है, मगर उनकी शारीरिक सक्रियता, उत्साह एवं जोश में तेजी से कमी आयी है, जो नये बनते भारत एवं सशक्त भारत के निर्माण के संकल्प के सामने एक बड़ी चुनौती है।

इस जटिल से जटिलतर होती समस्या से मुक्ति के लिए हर व्यक्ति को जागरूक होना होगा।

भविष्य के भारत को लेकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश की 60 प्रतिशत आबादी अगर शारीरिक रूप से पर्याप्त सक्रिय नहीं रहे, तो आने वाले वक्त में यहां की आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक रूप से कैसी तस्वीर बनेगी। जिस देश की अधिकांश आबादी के सामने रोजी-रोटी की समस्या जटिल एवं अहम है, वहां के लोगों को जीवन चलाने के लिए शारीरिक रूप से जरूरत से ज्यादा सक्रिय रहते हुए श्रम करना पड़ता है। इन स्थितियों में बड़ा सवाल खड़ा हो गया है कि भारत में ऐसे हालात कैसे पैदा हो रहे हैं कि यहां इतनी बड़ी आबादी सुस्त एवं आलसी होती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित शोधकर्ताओं का मानना है कि भारत एशिया प्रशांत में उच्च आय वर्ग वाले देशों में निष्क्रियता के क्रम में दूसरे स्थान पर है।

निस्संदेह, लैंसेट ग्लोबल हेल्थ जर्नल की हालिया रिपोर्ट आंख खोलने वाली है। रिपोर्ट गंभीर चिंतन-मंथन की आवश्यकता को भी उजागर कर रही है। यह जानते हुए भी कि भारत लगातार मधुमेह और हृदय रोग जैसी बीमारियों में जकड़ता हुआ बीमार राष्ट्र बनता जा रहा है। इन असाध्य बीमारियों का कारण कहीं-न-कहीं श्रम की कमी एवं सुविधावादी जीवनशैली ही है। दरअसल, आजादी के बाद देश में आर्थिक विकास को गति मिली है। अब हम दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं। औसत भारतीय के जीवन स्तर में सुधार जरूर आया है, तो आम नागरिक का जीवन सुविधावादी भी बना है। इस संकट की वजह शहरीकरण और जीवन के लिए जरूरी सुविधाओं का घर के आसपास उपलब्ध हो जाना भी है, ऑनलाइन प्रचलन भी बड़ा कारण बन रहा है। पहले देश की 60 फीसदी से अधिक आबादी कृषि और उससे जुड़े श्रमसाध्य कार्यों में सक्रिय थी। लेकिन अब मेहनतकश किसान को कोई शारीरिक श्रम करने की जरूरत नहीं पड़ती है। कृषि की ही तरह अन्य श्रम से जुड़े कार्यों में भी मेहनत एवं श्रम पहले ही तुलना में कम करना पड़ता है, क्योंकि धीरे-धीरे कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में आधुनिक यंत्रों और तकनीकों ने शारीरिक श्रम की महत्ता को कम किया है। कृषि क्रांति से बड़ी संख्या में निकले लोगों ने शहरों को अपना ठिकाना बनाया, लेकिन वे शारीरिक सक्रियता को बरकरार नहीं रख पाये। इन स्थितियों ने भी व्यक्ति को आलसी, अकर्मण्य एवं सुस्त बनाया है। इस शारीरिक निष्क्रियता के मूल में भारतीय पारिवारिक संरचना और सांस्कृतिक कारण भी हैं। घर-परिवार संभालने वाली महिलाओं में भी बढ़ते सुविधा के साधनों के कारण श्रमशीलता कम हुई है। कुछ दूर पर सब्जी-फल लेने जाने पर भी हम वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। ऐसा भी नहीं है कि शहरों में स्वास्थ्य चेतना का विकास नहीं हुआ, लेकिन इसके बावजूद शहरों के पार्कों में सुबह गिने-चुने लोग ही नजर आते हैं। व्यक्तियों में प्रातः भ्रमण, योग, ध्यान, व्यायाम की गतिविधियों में भी कमी देखने को मिल रही है।

इस जटिल से जटिलतर होती समस्या से मुक्ति के लिए हर व्यक्ति को जागरूक होना होगा। खुद को छोटी-मोटी असुविधाओं के लिए तैयार करना होगा। कभी-कभार थोड़ा कम नींद लेने, कम खाने या फिर ज्यादा देर काम कर लेने की मानसिकता को बल देना होगा। जरा सी चुनौती सामने आने पर बेचैन न हों, उसे नया सीखने के मौके और नये अनुभव के रूप में देखना होगा। अक्सर जब कुछ नया करने के लिए कदम बढ़ाते हैं, तो पुरानी आदतें एवं आराम की मानसिकता तुरंत परीक्षा लेने आ जाती हैं। हमें ललचाती हैं या फिर खुद को थोड़ा ढील देने के लिए कहती हैं। मन भी खुद को बड़ी आसानी से समझाने लगता है कि कुछ देर और सो जाने और मीठा खा लेने, फोन पर बात करने या काम को कल पर टालने से कुछ गड़बड नहीं होगा। कुल मिलाकर हम मन के बहकावे में आने लगते हैं और खुद को छूट देने लगते हैं, जो हमें सुस्त, आलसी एवं निस्तेज बनाता है।

विचित्र स्थिति यह भी है कि लोगों की व्यस्तता में एक अजीब किस्म की बढ़ोतरी हुई। जीवन व्यस्त से ज्यादा अस्त-व्यस्त हुआ है। जरूरी कामों को छोड़ कर तमाम लोग रोजाना पांच से सात घंटे या इससे भी ज्यादा समय अपने स्मार्टफोन या अन्य तकनीकी संसाधनों, सोशल मीडिया एवं अन्य आभासी मंचों पर समय बर्बाद करते हैं। कोरोना महामारी के दौरान घर से काम करने का प्रचलन बढ़ा। उसने भी लोगों को ज्यादा शिथिल होने में भूमिका निभायी है। देर रात तक जगना एवं सुबह देर तक सोना, इस तरह बिगड़ती दिनचर्या एवं शरीर की प्राकृतिक घड़ी का चक्र बिगड़ने से दिन भर आलस्य बना रहता है। ताजा अध्ययन में पता चला कि 195 देशों में भारत अपर्याप्त शारीरिक सक्रियता के मामले में 12वें स्थान पर है। इसके अलावा लैंसेट की रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर एक तिहाई वयस्क, यानी लगभग 1.8 बिलियन लोग 2022 में अनुशंसित शारीरिक सक्रियता को पूरा करने में विफल रहे, जिसके कारण मधुमेह एवं हृदय रोग का खतरा मंडरा रहा है। भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे देशों में महिलाओं में अपर्याप्त शारीरिक गतिविधि चिंता का विषय बनी हुई है, क्योंकि वे पुरुषों की तुलना में 14-20 फीसदी से अधिक पीछे हैं। अध्ययन के अनुसार, बांग्लादेश, भूटान और नेपाल जैसे पड़ोसी देशों में महिलाएं अधिक सक्रिय हैं। भारत में बढ़ती शारीरिक निष्क्रियता, आलसीपन एवं सुस्ती को दूर करने के लिए समग्र जन-चेतना को जगाना होगा। सरकार को भी शारीरिक श्रम की योजनाओं को बल देना होगा। शारीरिक सक्रियता में कमी की वजहों और नतीजों पर अगर गौर नहीं किया गया, तो इन सबका समुच्चय आखिर व्यक्ति को विचार, कर्म, शरीर से कमजोर ही नहीं, बल्कि बीमार बनायेगा, जो आजादी के अमृतकाल को धुंधलाने का बड़ा कारण बन सकता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं।)

जमशेदपुर की खबरें

चार पदों के लिए सात उम्मीदवार मैदान में, 1800 सदस्य करेंगे भाग्य का फैसला

गृहरक्षा वाहिनी लोक सेवा संघ पूर्वी सिंहभूम का चुनाव 7 जुलाई को

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। गृहरक्षा वाहिनी लोक सेवा संघ केंद्रीय कमिटि के निर्देश पर देश की आजादी के बाद पहली वार पूर्वी सिंहभूम जिले में 7 जुलाई को संगठन का चुनाव प्रक्रिया संपन्न होना है। जिसको लेकर कर गृहरक्षको में काफी उत्साह देखा गया। बुधवार को प्रदेश प्रवक्ता कमल शर्मा के नेतृत में एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव के लिए जगह चिन्हित करने के लिए डीसी कार्यालय पहुंचे। प्रदेश प्रवक्ता कमल शर्मा ने बताया जिला अध्यक्ष, जिला सचिव, कोषा अध्यक्ष और महिला अध्यक्ष के लिए चुनाव कराया जा जरा है, जिसमे एक महिला समेत 7 उमीदवार के द्वारा शपथ पत्र भरा गया है। साकची जेल चौक सामुदायिक भवन में 7 जुलाई को सुबह 10 बजे से 4 बजे तक 4 पद के लिए 7 प्रतिनिधि का चयन किया जाएगा। आजादी के बाद पहली वार पूर्वी सिंहभूम जिले में 1800 सदस्य वोटिंग के माध्यम से अपना प्रतिनिधि का चयन करेंगे। इस अवसर पर राजू ओझा समेत अन्य शामिल रहे।

वित्त रहित शिक्षा संयुक्त संघर्ष मोर्चा की बैठक 5 को रांची में

मुसाबनी (आजाद सिपाही)। वित्त रहित शिक्षा संयुक्त संघर्ष मोर्चा से संबंधित राज्य के सभी इंटरमीडिएट कॉलेज, उच्च विद्यालय , संस्कृत विद्यालय एवं मदरसा विद्यालय के प्राचार्य व प्रधानाचार्यों, शिक्षक प्रतिनिधियों की आवश्यक बैठक आगामी 5 जुलाई को पूर्वाहन 11:30 से सर्वोदय निकेतन उच्च विद्यालय धुर्वा में आयोजित की गई है। इस बैठक में पूरे राज्य से प्रिंसिपल एवं प्रधानाध्यापकों को भाग लेने की अपील की गई है ।इस बैठक में मोर्चा अध्यक्ष मंडल के नेता रघुनाथ सिंह द्वारा आगामी आंदोलन एवं मोर्चा के सटीक रणनीति पर चर्चा की जायेगी।बैठक 80 प्रतिशत अनुदान वृद्धि के प्रस्ताव को मंत्री परिषद में भेजवाने पर विचार, वित्त रहित शिक्षकों और कर्मियों को राज्य कर्मी का दर्जा एवं वेतन देने के विभागीय प्रस्ताव जो कार्मिक प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग में लंबित है उसपर निर्णय करने पर विचार, अनुदान की राशि जो 27 प्रतिशत बांकी है उसे संस्थानों में जल्द भेजवाने पर विचार, कई उच्च विद्यालयों के 2020-21 के अनुदान राशि भेजने पर विचार ,इंटरमीडिएट कॉलेज में सीट वृद्धि की संचिका जो मुख्यमंत्री के पास है,उसपर यथा शीघ्र मुख्यमंत्री के अनुमोदन करने पर विचार किया जायेगा।

डीएसपी कार्यालय में हुई थाना प्रभारियों की समीक्षा बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

मुसाबनी। मुसाबनी डीएसपी कार्यालय में बुधवार को इंस्पेक्टर और थाना प्रभारियों के साथ डीएसपी संदीप भगत ने अपराध नियंत्रण और पुराने मामलों के निष्पादन को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन किया। इसमें डीएसपी संदीप भगत ने क्षेत्र की कानून व्यवस्था की समीक्षा किया। उपस्थित इंस्पेक्टर और सभी थाना प्रभारियों को डीएसपी ने निर्देश दिया कि अपने- अपने थाना क्षेत्रों में अवैध शराब भट्ठी ,जुआ, सट्टा, छिनतई और अन्य अपराधों पर अंकुश लगाये। इसके साथ ही विशेषकर ग्रहभेदन,वाहन चोरी, पोक्सो एक्ट,एन डी पी एस एक्ट के साथ ही शातिर अपराधी का भौतिक सत्यापन करने की समीक्षा की गयी। इन सभी मामलों पर त्वरित कार्यवाही करने का निर्देश दिया गया। साथ ही आने वाले त्यौहार प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा के साथ ही मुस्लिम समुदाय के पर्व मुहर्रम को शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराने पर भी विचार विर्मश किया गया। बैठक में जादूगोड़ा और मुसाबनी सर्किल इंस्पेक्टर हरमन तिग्गा, मुसाबनी थाना प्रभारी रजनीश आनंद, जादूगोड़ा थाना प्रभारी अनंत मार्डी, डुमरिया थाना प्रभारी सुगना मुंडा, गुड़ाबन्दा थाना प्रभारी पवन कुमार, पोटका थाना प्रभारी सहदेव सिंह, एवं कवाली के थाना प्रभारी धनंजय कुमार पासवान, सहित डीएसपी कार्यालय के रीडर रवि कुमार, मदन कुमार, संतोष कुमार उपस्थित थे।

जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं में शिक्षकों की बहाली की मांग को लेकर प्रदर्शन

कोल्हान विवि में संथाली भाषा का एक भी शिक्षक नहीं होना दुर्भाग्यपूर्ण : सरस्वती मुर्मू

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड में जनजातीय और क्षेत्रिय भाषाओं में शिक्षकों की नियुक्ति के लिए संथाल स्टूडेंट यूनियन के द्वारा एक दिवसीय धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया। बुधवार को डीसी कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन के दौरान डीसी के माध्यम से राज्य के सीएम और शिक्षा मंत्री के नाम मांग पत्र सौंपा गया। संथाल स्टूडेंट यूनियन के सरस्वती मुर्मू ने बताया कि झारखण्ड बने 24 साल बीत गये, लेकिन जनजातीय और क्षेत्रिय भाषाओं को कोई महत्व नहीं दिया जा रहा है। प्रत्येक वर्ष शिक्षक बहाली निकली जा रही है, लेकिन जनजातीय और क्षेत्रिय भाषाओं में शिक्षक बहाली नहीं हो रही है। कहीं ना कहीं इन भाषाओं को लेकर सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। समाज के साथ हो रही अन्याय का सभी शिक्षक गण विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरे कोल्हान में संथाली भाषा के लिए एक भी शिक्षक नहीं है। बहुत ही दुखद की बात है। राज्य सरकार से मांग करते हैं विधानसभा चुनाव के पहले शिक्षक बहाली किया जाये, अन्यथा आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। मौके पर समाज के सैकड़ों शिक्षक और शिक्षिका सहित अन्य शामिल रहे।

होटल सोहराय गार्डन का स्टाफ बना रहा था ग्राहकों का अंतरंग वीडियो, पुलिस पहुंची

आजाद सिपाही संवाददाता

चांडिल। टाटा- रांची नेशनल हाईवे 33 पर जयदा स्थित होटल सोहराय गार्डन के स्टाफ के द्वारा अश्लील वीडियो बनाने का मामला प्रकाश में आया है। स्टाफ की करतूत से इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जारहा स्टाफ के द्वारा लेडिज टॉयलेट में कपड़ा बदल रही एक युवती का अश्लील वीडियो बना लिया गया। उसके बाद होटल में देर रात तक हो- हंगामा होता रहा। हंगामा के बीच मौका मिलते ही अश्लील वीडियो बनाने वाला स्टाफ मौके से फरार हो गया।घटना बीते देर शाम की बताई जा रही है। सूचना के बाद चांडिल थाना प्रभारी वरुण यादव दलबल के साथ होटल पहुंचे। उन्होंने मामले की जानकारी लेने के बाद उचित कार्रवाई का भरोसा दिया। इस दौरान पीड़ित युवती आरोपी युवक को पकड़कर वीडियो डिलीट कराने और उसके खिलाफ उचित कार्रवाई करने की मांग पर अड़ी रही। होटल संचालक बिनय यादव ने लड़की को लिखित रूप से होटल के स्टाफ को पकड़ने और उचित कार्रवाई करने में सहयोग करने का भरोसा दिया। इसके बाद युवती अपने साथियों के साथ घर लौट गयी । मिली जानकारी के अनुसार झारखंड में यह पहला मामला सामने आया है। जहां मंगलवार को कुछ युवक व युवती चांडिल घुमने पहुंचे थे। इस दौरान सभी ने चांडिल डैम,जयदा मंदिर समेत अन्य स्थानों का भ्रमण कर शाम को होटल सोहराय गार्डन में नाश्ता करने पहुंचे थे। एक युवती बाथरूम के अंदर थी। उसी समय होटल का कमचारी बाथरूम के वेंटिलेटर से अश्लील वीडियो बनाने लगा था। इतने में वेंटिलेटर पर मोबाइल फोन देखते ही युवती ने शोर मचा दी। जिसपर होटल के अन्य कर्मचारी और युवती के साथी बाथरूम के पास पहुंच गए। इस दौरान सभी ने वीडियो बनाने वाले कर्मचारी को देख लिया था। चांडिल प्रभारी वरुण यादव ने बताया मामले की जाँच की जा रही हैं। फरार अपराधी को जल्द ही पकड़ लिया जायेगा।

सघन एंटी क्राइम चेकिंग अभियान में ब्रीद एनालाइजर का उपयोग किया पुलिस ने

रंका (आजाद सिपाही)। रंका पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में बुधवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 343 पर नशापान कर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध चेकनाका के पास ब्रिद एनालाइजर का उपयोग करते हुए औचक रूप से आने जाने वाले सभी मालवाहक वाहनों, सवारी गाड़ियों (बस) और मोटरसाइकिल चालकों को चेक किया गया। ज्ञात हो कि जब से पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी प्रवीण कुमार पदभार ग्रहण किया है, तब से इसके द्वारा सघन रूप से एंटी क्राईम चेकिंग नियमित रूप से अलग अलग स्थानों एवं समय पर चलाया जा रहा है। इन्होंने रंका के भारतीय स्टेट बैंक, झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक रंका और गोदरमाना शाखा का भी सुरक्षा की दृष्टिकोण से निरीक्षण किया था। जिसमें एटीएम के पास और बैंक में अनावश्यक भीड़ भाड़ नहीं लगाने का हिदायत किया है क्योंकि पूर्व में चोर उचक्को के द्वारा दो महिलाओं से पैसा लूट कर फरार होने की घटना घट चूकी है। इसके मद्देनजर पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी प्रवीण कुमार की कार्रवाई सराहनीय है।

बिजली तार की अर्थिंग की चपेट में आने से पशु की मौत

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के पंडरिया पंचायत के राकेश यादव का एक पालतू पशु बिजली तार के अर्थिंग के चपेट में आने से घटना स्थल पर ही बुधवार तीन बजे के आसपास मृत्यु हो गयी। घटना के बारे में पीड़ित राकेश यादव ने बताया कि गांव के पांडे बांध के पास बिजली विभाग के द्वारा ट्रांसफार्मर लगाया गया है। जिसमें वर्षा के दिनों में उसमें लगे अर्थिंग में करेंट प्रवाह हो जाता है। जिसके कारण कुछ दिन पूर्व एक बकरी की मृत्यु हो गयी थी। कई बार ग्रामीण भी इसके चपेट में आ चुके है। इस तरह करंट प्रवाह होने को लेकर बिजली विभाग को सूचना देने के पश्चात आज तक ठीक नही किया गया। जिसके लापरवाही के कारण दो पशुओं की मौत हो चुकी है। इस घटना को लेकर ग्रामीणों में बिजली विभाग के प्रति खाशा आक्रोश है।

सड़क दुर्घटना में एक महिला समेत तीन लोग घायल

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। भवनाथपुर श्रीबंशीधर नजर मुख्य पथ पर शिवपूजन पेट्रोल पंप के समीप बुधवार की शाम बोलेरो गाड़ी के धक्के से बाईक सवार एक महिला समेत तीन लोग घायल हो गये। घायलों में थाना क्षेत्र अंतर्गत बुका के लंगड़ी टोला निवासी सह प्राथमिक विद्यालय के सहयोगी शिक्षक बनवारी राम, पत्नी लालती देवी तथा उनके दामाद ब्रजेश राम का नाम शामिल है। उक्त सभी घायलों को ईलाज हेतु स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार ब्रजेश राम अपने ससुर बनवारी राम और सास लालती देवी को बाईक पर बैठाकर भवनाथपुर बाजार से लंगड़ी स्थित अपने ससुराल जा रहा था, तभी मुख्य पथ पर पेट्रोल पंप के समीप बोलरो चालक ने पीछे से उनके बाईक में टक्कर मार दी। जिससे बाईक सवार उक्त तीनों लोग घायल हो गये। उधर दुर्घटना की जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी कृष्ण कुमार पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचकर घायलों का घटना की जानकारी ली।

भारतीय जनता पार्टी सगमा मंडल की बैठक

सगमा (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी सगमा मंडल के द्वारा बैठक आयोजित कर आठ जुलाई को श्री बंसीधर नगर में होने वाले बूथ कार्यकर्ता सम्मान समारोह को सफल बनाने को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे मंडल अध्यक्ष दिलीप कुमार यादव ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उक्त आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि अगले छह जुलाई को श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म दिन के अवसर पोधा रोपण पखवारा का शुभारंभ पार्टी के द्वारा किया जायेगा। जिसमे एक पौधा मां के नाम से लगाया जायेगा। इसमें सभी लोगों को जोड़ते हुए वृहत रूप से पौधा रोपण किया जाना है, इसके लिए सभी कार्यकर्ता एक एक पौधा अपने मां को खड़ा कर इसकी रोपाई करेंगे। जिनकी मां नहीं है, वैसे लोग अपनी अपनी मां का फोटो के साथ पौधा रोपण कर फोटो लेकर पार्टी ग्रुप में शेयर करेंगे। साथ ही आठ जुलाई को श्री बंसीधर नगर स्थित डाक बंगला परिसर में लोक सभा सांसद विष्णु दयाल राम और विधायक भानु प्रताप शाही के हाथों से सबसे अधिक मत भाजपा को जीतने वाले प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान वाले सभी बूथ पदाधिकारियों को सम्मानित किया जायेगा। जिसमे सभी बूथ से दस कार्यकर्ताओं को उक्त सम्मान समारोह में शामिल करवाने की जिम्मेवारी निर्धारित किया गया है। इस अवसर पर अन्य करकर्ताओं के साथ मुख्य रूप से सगमा मंडल प्रभारी ओम प्रकाश गुप्ता विधायक प्रतिनिधि राजेश बैठा, धर्मजीत यादव, बबलू ठाकुर, युवा मोर्चा के मंडल अध्यक्ष धनंजय यादव सहित मंडल के सभी बूथ अध्यक्ष संयोजक उपस्थित थे।

सुनील इलेक्ट्रॉनिक का हुआ शुभारंभ

केतार (आजाद सिपाही)। केतार कांडी कोल रोड स्थित सुप्रसिद्ध श्री सूर्य मंदिर मोड़ मुकुंदपुर में बुधवार को विधिवत पूजा अर्चना कर न्यू सुनील इलेक्ट्रानिक का शुरूआत हुआ। लोगों को इलेक्ट्रानिक उपकरण मोटर, पंखा, समरसेबल, वाशिंग मशीन, इनभतर, कूलर, फ्रीज बनवाने के लिए प्रखंड मुख्यालय जाना पड़ता था। अब न्यू सुनील इलेक्ट्रोनिक खुल जाने से लोगों को उचित किम्मत परमें इलेक्ट्रॉनिक सामानो मरम्मती और नये इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खरीद सकते है। प्रोपराइटर सुनील ने बताया कि हमारे यहां सस्ती दामों में नेय इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और उसकी मरम्मती की जाती है। इस मौके पर पूर्व मुखिया प्रतिनिधि सह समाज सेवी योगेंद्र कुमार सिंह, अनिल मेहता, मिथलेश पंडित, उदय शंकर वैद्य सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है : एसडीपीओ

जांच के दौरान प्रेमी जोड़े के साथ मारपीट करने, वीडियो बनाने और वीडियो वायरल करने के मामले में चार गिरफ्तार

नगर उंटारी के बिलासपुर में प्रेमी प्रेमिका की पिटाई करते लोग और गिरफ्तार चारों आरोपी।

आजाद सिपाही संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। नगर ऊंटारी पुलिस ने थाना क्षेत्र के बिलासपुर में मंगलवार को प्रेमी प्रेमिका जोड़े की बेरहमी से पिटाई किये जाने के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। साथ ही घटना में प्रयुक्त रस्सा और घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग करने में प्रयुक्त मोबाईल को जब्त कर लिया है। यह जानकारी एसडीपीओ सत्येंद्र नारायण सिंह ने बुधवार को नगर ऊंटारी थाना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। उन्होंने कहा कि थाना क्षेत्र के बिलासपुर में मंगलवार को एक प्रेमी जोड़े को बिलासपुर के ग्रामीणों के द्वारा रस्सा से बांध कर पिटाई किये जाने और पिटाई से संबंधित वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस इंस्पेक्टर रतन कुमार सिंह के नेतृत्व में गठित टीम में शामिल थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक, पुअनि जितेंद्र कुमार, सअनि प्रेमदान लकड़ा और पुलिस बल ने बिलासपुर पहुंचकर मामले की जांच की। जांच के दौरान प्रेमी जोड़े के साथ मारपीट करने, वीडियो बनाने और वीडियो वायरल करने के मामले में चार लोगों दिलीप कुमार, धर्मेंद्र विश्वकर्मा, चंदन विश्वकर्मा और सुखदेव विश्वकर्मा को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार चारों लोगों ने अपनी संलिप्तता स्वीकार की। पुलिस ने चार लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कर न्याय हिरासत में भेज दिया।

उन्होंने कहा कि बिलासपुर की घटना काफी दुर्भाग्यपूर्ण है। किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। अगर इस तरह के मामले सामने आते हैं, तो लोग सबसे पहले गांव के मुखिया, बीडीसी और पुलिस को तत्काल सूचना दें।

एसडीपीओ ने श्री बंशीधर नगर अनुमंडल वासियों से अपील करते हुये कहा कि अनुमंडल क्षेत्र में इस तरह की घटना होने पर वे पुलिस को तत्काल सूचना दें, पुलिस विधिसम्मत कार्रवाई करेगी। प्रेसवार्ता में पुलिस इंस्पेक्टर रतन कुमार सिंह और थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में नाबालिग की मौत और एक गंभीर

आजाद सिपाही संवाददाता

केतार। थाना क्षेत्र के ताली गांव के चांदनी चौक के समीप केतार - कांडी कोल रोड पर बाइक से गिरने से 17 वर्षीय अनुज गुप्ता पिता धर्मेंद्र साह की मृत्यु घटनास्थल पर ही हो गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि परसोडीह निवासी बुलाकी साह उम्र करीब 50 वर्ष अपने घर से केतार की ओर जा रहा था। तभी विपरीत दिशा से आ रहे अनुज गुप्ता बुलाकी साह को चपेट में लेते हुए गिर गये। जिससे अनुज गुप्ता को घटनास्थल पर ही मौत हो गया। बुलाकी साह गंभीर रूप से घायल हो गये। समाजसेवी नागेंद्र ठाकुर सहित स्थानीय लोगों ने तत्काल गंभीर रूप से घायल बुलाकी साह को प्राथमिक उपचार के लिए भवनाथपुर भेज दिया। मौत की सूचना शीघ्र थाना प्रभारी को दिया गया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अरुण कुमार रवानी दलबल के साथ पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजना चाहा, परंतु परिजन और स्थानीय लोगों ने विरोध किया। थाना प्रभारी ने इस घटना की सूचना इंस्पेक्टर केके साहू को दिया। सूचना पाते ही इंस्पेक्टर के-के साहू घटनास्थल पर पहुंचकर लोगों को समझा बुझाकर शव को हिरासत में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेज दिया। इस मौके पर समाजसेवी नागेंद्र ठाकुर, अनीश गुप्ता सहित काफी लोग उपस्थित थे।

Jharkhand Urja Utpadan Nigam Limited.
(CIN: U40108JH2013SGC001703)
OFFICE OF THE PROJECT MANAGER
Subarnarekha Hydel Project, Sikidiri (Ranchi)
e-mail – srhp.sikidri@gmail.com, Mobile – 9431707312

CORRIGENDUM

In Tender Notice 03/PR/JUUNL/2024-25, 04/PR/JUUNL/2024-25 & 05/PR/JUUNL/2024-25 published on 03.07.2024, the cost of tender document (non-refundable) should be read as **Rs. 500 /- + GST@18%** instead of Rs. 500 /-.

Other terms and condition will remain unchanged.

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचावें। कृपया अपनी शिकायतों को 18003456570 (कॉल सेन्टर) पर दर्ज करायें।

Sd/-
Project Manager
SRHP, Sikidiri

PR No. 328431
PR 328535 Jharkhand Urja Utpadan Nigam Ltd(24-25)D

सभी लोग मिलकर परिवर्तन यात्रा को सफल बनायें : गिरिनाथ

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। पूर्व मंत्री गिरिनाथ सिंह का परिवर्तन यात्रा जारी है। इसी क्रम में बुधवार को कार्यक्रम का प्रारम्भ रंका आखाड़ा में पूजा अर्चना और स्व. जेठन सिंह, स्व. फेतल सिंह और जननायक कपूर्री ठाकुर के प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ किया गया। यात्रा के माध्यम से वे आमजनों के साथ सीधा संवाद स्थापित कर समाधान का प्रयास कर रहे है। विभिन्न प्रखंडों का दौरा करते हुए यह यात्रा रंका पहुंचा। मौके पर बोलते हुए गिरिनाथ सिंह ने कहा कि 10 वर्ष पूर्व और आज की स्थिति के तुलना में रंका का बेहतर विकास नहीं हो सका है। पूर्व की योजनाएं ही आज भी धरातल पर विद्यमान है। आजकल के जनप्रतिनिधि अपने स्वजनों के ठेका और रोड के अलकतरा को ही बेचने में पूरी तरह संलग्न है। कुछ चंद लोगों का विकास ही वे संपूर्ण गढ़वा का विकास मानते है। बदलते समय के साथ जनता यह जान चुकी है की हमारे दुःख सुख में सदैव सहयोगी कौन है। निश्चित तौर पर जनता तन-मन-धन के साथ बदलाव के लिए बेहतर विकल्प अवश्य चुनेगी।

आज की यात्रा दूधवल, बाराडीह, मखातु , आमाटांड, जून सहित विभिन्न क्षेत्रो का दौरा के साथ मूलभूत सुविधाओं के विकास पर चर्चा के साथ सम्पन्न हुआ। मौके पर मुख्यरूप से रामलखन यादव, अकबर अल्ली, सुनील माली, शिवशंकर सोनी, सुलपानी सिंह, सेठा सिंह, भागवत सिंह, बिनोद सिंह, ऋषि ठाकुर, कर्मचारी भूइहर, पतीया देवी पूर्व मुखिया, सुमित्रा देवी जलशिया, सुदेश मांझी वार्ड, लखन भूइहर, पवन पांडेय सहित हजारो की संख्या में ग्रामीण जनता उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
(एन॰आर॰ई॰पी॰), चतरा
Email Add: nrepchatra@gmail.com

शुद्धि-पत्र

एन॰ आर॰ ई॰ पी॰, चतरा के अन्तर्गत जिला खनिज फाउण्डेशन ट्रस्ट DMFT मद योजना अन्तर्गत् ई–निविदा सूचना संख्या– EE/NREP/CHATRA/21/2023-24, दिनांक– 09.03.2024, जिसकी प्राप्ति की अंतिम तिथि 28.03.2024 है, जिसका P.R. No. 322023 NREP (23-24)D है, उसमें निम्नलिखित संशोधन किया जाता है :–

1. वेबसाइट में ई–निविदा प्रकाशन की तिथि 10.07.2024
2. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः– 19.07.2024 अपराह्न 5.00 बजे तक।
3. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 22.07.2024 पूर्वाह्न 2.00 बजे।
4. अन्य शर्त्तें यथावत् रहेंगी।

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

PR 328538 NREP (24-25)_D

कार्यपालक अभियंता,
एन॰आर॰ई॰पी॰, चतरा

डंडई पुलिस ने 25 मवेशियों को पकड़ा

डंडई (आजाद सिपाही)। डंडई पुलिस ने पशु तस्करों पर बड़ी कार्रवाई की है। जिसमें पुलिस ने डंडई हनीफ पेट्रोल पंप के समीप से तस्करी के लिए ले जाये जा रहे 25 मवेशियों को मध्य रात्रि को पकड़ लिया है और सभी मवेशियों को जब्त कर थाना भवन लाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार बताया गया कि पशुओं की तस्करी के लिए लोग डंडई नाहर रोड की रास्ता गढ़वा की ओर ले जा रहे थे। इसी बीच गुप्त सूचना पर पुलिस ने सभी गाय बैल को पकड़ कर थाना ले आयी। वहीं इस संबंध में थाना प्रभारी जनार्दन राउत ने बताया कि सूचना मिली थी की तस्करी के लिए बड़ी संख्या में गाय बैल को तस्कर डंडई नाहर रोड की रास्ता से ले जा रहे है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तस्करी के लिए ले जा रहे मवेशियों को जब्त कर लिया। जब्त मवेशियों को जरूरत मंद किसानों के बीच रख रखाव के लिए वितरित किया जायेगा। वहीं पशु तस्कर मवेशी छोड़कर भाग निकले है। इस संबंध मे अज्ञात पशु तस्करों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

उपायुक्त ने बरडीहा प्रखंड सह अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया, दिया निर्देश

कई कमी पायी गयी, जिसे एक सप्ताह के अंदर सुधार कर प्रतिवेदित करने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त शेखर जमुआर ने प्रखंड सह अंचल कार्यालय बरडीहा का निरीक्षण किया। सर्वप्रथम प्रखंड कार्यालय बरडीहा का निरीक्षण किया गया, जिसके दौरान आगत पंजी निर्गत पंजी, कार्यालय में कर्मचारियों की कुल पद उपलब्धता और रिक्ति के साथ-साथ सभी प्रकार के रोकड़ पंजी का जांच किया।

प्रखंड कार्यालय द्वारा संचालित सभी प्रकार की योजनाएं तथा मनरेगा के तहत बिरसा सिंचाई कूप, टीसीबी, डोभा, आम बागवानी, दीदी बाड़ी योजना से संबंधित योजना पंजी, रिकॉर्ड, अभिश्रव आदि का गहनता से जांच किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना, अबूआ आवास योजना, 15वें वित्त द्वारा संचालित योजना, खाद्यान्न वितरण, साइकिल वितरण, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के अभिलेख का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विजय कुमार अनुमंडल पदाधिकारी गढ़वा, रवीश राज सिंह भूमि सुधार उप समाहर्ता गढ़वा और प्रखंड विकास अधिकारी प्रखंड कार्यालय बरडीहा, अन्य पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थें। निरीक्षण के दौरान कुछ पंजियों आदि में कुछ कमी पायी गई, जिसे एक सप्ताह के अंदर अद्यतन करते हुए सुधार कर प्रतिवेदित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त द्वारा बताया गया कि बारी-बारी से इसी प्रकार गढ़वा जिला के सभी प्रखंड और अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया जायेगा। प्रखंड कार्यालय के निरीक्षण के बाद अंचल कार्यालय बरडीहा का निरीक्षण किया गया। जिसमे अंचल कार्यालय में उपलब्ध कर्मियों की संख्या राजस्व कर्मचारियों की संख्या, हल्कावार लंबित म्यूटेशन, जाति, आवासीय प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र सहित अन्य प्रकार के प्रमाण पत्रों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गयी, जिसमें निष्पादित किये गये और लंबित मामलों पर जानकारी लिया गया।

Jharkhand Exploration and Mining Corporation Limited
झारखण्ड अन्वेषण एवं खनन निगम लि0
(A Government of Jharkhand Undertaking)
(झारखण्ड सरकार का एक उपक्रम)
JSFC Building, 4th Floor, Kadru, Ranchi, Jharkhand-834002
(CIN: U14200JH2022SGC017995)

अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

झारखण्ड अन्वेषण एवं खनन निगम लिमिटेड (JEMCL), जो झारखण्ड सरकार का एक उपक्रम है, के कार्यालय एवं भूतात्विक अन्वेषण कार्य (Geological investigation/field work) हेतु विभिन्न वाहनों के मासिक/दैनिक किराया पर चालक एवं ईंधन सहित परिचालन हेतु इच्छुक स्थानीय निबंधित ट्रैवल एजेंसियों से निविदा आमंत्रित की जाती है। अतः, सभी सेवाप्रदाता वाहन एजेंसियों को सूचित किया जाता है कि उक्त वाहनों को किराये पर लिए जाने हेतु मासिक तथा दैनिक किराया संबंधी दर JEMCL मुख्यालय, राँची में अर्पित करेंगे। निविदा समर्पित करने की अंतिम तिथि 10.07.2024 को अपराहन 03 बजे तक होगी। निविदा के विस्तृत Terms & Conditions को झारखण्ड अण्वेषण एवं खनन निगम लिमिटेड, झारखण्ड, राँची के वेबसाइट https://jemcl.jharkhand.gov.in एवं www.prdjharkhand.com पर देखा जा सकता है।

ह0/
(मुख्य वित्तीय पदाधिकारी)
झारखण्ड अन्वेषण एवं खनन निगम लिमिटेड,राँची

PR 328448 Jharkhand Exploration And Mining Co Ltd(24-25).D

Contact No: 0651-3501912 E-mail: jemcl2021@gmail.com
https://jemcl.jharkhand.gov.in

दीपक ने मृतक के परिजनों से मिलकर दुख की घड़ी में बंधाया ढांढ़स

आजाद सिपाही संवाददाता

धुरकी। झारखंड मुक्ति मोर्चा के युवा नेता दीपक प्रताप देव धुरकी प्रखंड क्षेत्र के टाटीदीरी गांव मे मृतक महेश साव उर्फ चटपटी साव के घर मंगलवार को पहुंचकर मृतक के परिजनों से मिलकर गहरा दुख और संवेदना व्यक्त करते हुए दस हजार रुपये नकद राशी प्रदान कर आर्थिक सहायता किया है। मृतक महेश साव उर्फ चटपटी साव का गत सोमवार को धुरकी में सड़क निर्माण का कार्य कर रहे ग्रेडर मशीन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हुआ था। वहीं सड़क निर्माण का कार्य करा रहे ठेकेदार से मृतक के परिजनों को जेएमएम नेता सह पुर्व विधायक अनंत प्रताप देव उर्फ छोटे राजा और युवा नेता दीपक प्रताप देव ने परिजनो को पांच लाख रुपये की मांग की, इसके बाद ठेकेदार ने तत्काल एक लाख पचास हजार रुपए नकद व तीन लाख पचास हजार रुपये का चेक पुलिस और मौजुद भीड़ के समक्ष लिखित बांड के साथ मृतक के तीनों बेटों के हाथ में सौंपा गया था। वहीं टाटीदीरी गांव में मृतक के घर दीपक प्रताप देव कुछ देर तक ठहरे और मृतक के तीनों बेटों और परिजनों के समक्ष इस हृदय विदारक घटना और महेश साव की मौत से काफी मर्माहत हुए। देव ने कहा कि इस दुःख की घड़ी में पुर्व विधायक अनंत प्रताप देव और झारखंड मुक्ति मोर्चा सदैव खड़ा है, उन्होंने कहा कि हादसे में घर के पिता की मौत की भरपाई तो कदापि नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि मृतक महेश साव की मौत सड़क हादसे के कारण हुई है, और इनके परिजन अत्यंत ही गरीब हैं। देव ने कहा कि सड़क हादसे मे हुई मौत के कारण वह आपदा प्रबंधन झारखंड सरकार के द्वारा जो निर्धारित और उचित मुआवजा होगा वह परिजनो को दिलायेंगे। इसके अलावा प्रखंड स्तरीय पारिवारिक लाभ भी इनके परिजनो को दिलाने का प्रयास उनके द्वारा जारी है। वहीं दीपक प्रताप देव ने स्वयं मृतक के परिजनो को अपना मोबाइल नंबर दिया और कहा की कभी भी उन्हें अगर उनकी आवश्यकता पड़े तो वह तुरंत उनसे संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा की क्षेत्र की जनता के दुख दर्द में शामिल होना उनकी समस्याओं से अवगत होना और उनका निराकरण करना उनका दायित्व है और वह हमेशा इसे निभायेंगे। इस दौरान सलीम अंसारी, शंभु साव, लियाकत अंसारी, विनोद कुमार साव, विजय साव सहित अन्य उपस्थित थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
एन०आर०ई०पी०, चतरा।

ई–पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना

पुनर्निविदा सूचना संख्या– Ref No: EE/NREP/CHATRA/16/2023-RE-2
दिनांक– 03.07.2024

1. मद का नाम :– DMFT योजना अन्तर्गतः–

क्र॰ सं॰	ग्रुप संख्या	प्रखंड	पंचायत	ग्राम	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
01	04	टण्डवा	टण्डवा	टण्डवा	झरी साव के घर से नदी तक नाली ढक्कन सहित पी0सी0सी0 पथ पुलिया व गार्डवाल निर्माण।	4135525	82800	5000	3 माह

2. वेबसाइट में ई–निविदा प्रकाशन की तिथि – 10.07.2024
3. ई – पुनर्निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय – 19.07.2024 के अपराह्न 5:00 बजे तक
4. ई– पुनर्निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 22.07.2024. पूर्वाह्न 3.30 बजे।
5. ई– पुनर्निविदा आमंत्रित करनेवाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– कार्यपालक अभियंता एन॰आर॰ई॰पी॰ चतरा।
6. ई– पुनर्निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं॰ – 9572666229 (संबंधित कनीय अभियंता का दूरभाष नम्बर)
9. विस्तृत जानकारी के लिये बेवसाईट www.jharkhandtenders.gov.in देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
एन॰आर॰ई॰पी॰, चतरा।

PR.NO.328537 NREP(24-25):D

किसानों के बीच मक्का बीज का वितरण

बारियातू (आजाद सिपाही)। प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर से प्रखंड प्रमुख उर्मिला देवी, बीस सुत्री अध्यक्ष राजेंद्र गंझू टोंटी पंसस मो होजैफा प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी चंदन कुमार ने संयुक्त रूप से बुधवार को किसानों के बीच निशुल्क चार - चार किलोग्राम मक्का बीज का वितरण किया।मौके पर आपूर्ति पदाधिकारी कुमार ने कहा की बीते तीन चार वर्षों से मौसम के बेरुखी, व जंगली हाथियों ने क्षेत्र के किसानों को पूरी तरह कमर तोड दिया है।यहां के किसान काफी नुकसान मे है। सरकार के द्वारा दिया गया बीज से काफी लाभ मिलेगा।उन्होंने कहा कि कृषि विभाग के जन कल्याणकारी योजना के तहत लगभग दस क्विंटल बीज प्राप्त हुआ है।जो प्रखंड के प्रतियेक किसान को निशुल्क चार -चार किलोग्राम मक्का का बीज वितरण किया गया। इससे किसानों को मक्का की खेती करने मे काफी मदद मिलेगी।

सड़क सुरक्षा नियमों का पालन अनिवार्य रूप से करें : एसपी

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। लातेहार एसपी अंजनी अंजन ने जिले में सड़क दुर्घटना के मामलों में कमी लाने के उद्देश्य से जिलेभर में एक बार फिर सघन वाहन चेकिंग अभियान आरंभ करवा दी है। गुरुवार से जिले के सभी थाना क्षेत्र में पुलिस की टीम और परिवहन विभाग के द्वारा वाहन चेकिंग अभियान चलाया जायेगा। इसकी तैयारी को लेकर लातेहार एसपी ने बुधवार को जिले के पुलिस अधिकारियों और परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ मीटिंग भी की। मीटिंग के बाद एसपी ने बताया कि पुलिस के द्वारा गत जनवरी माह में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया था। उस दौरान जिले में काफी हद तक सड़क दुर्घटना के मामले में कमी आ गयी थी। परंतु चेकिंग अभियान में कमी आने के बाद दुर्घटना के मामलों में अचानक बढ़ोतरी होने लगी। इसीलिए लोगों के जीवन रक्षा और दुर्घटना से बचने के उद्देश्य से पुलिस के द्वारा 3 जुलाई गुरुवार से पूरे जिले में वाहन चेकिंग अभियान प्रारंभ रंभ किया जा रहा है। उन्होंने आम लोगों से भी अपील किया कि सड़क सुरक्षा के नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। दोपहिया वाहन चालक हेलमेट जरूर लगाए। ट्रिपल लोडिंग ना करें। मौके पर लातेहार डीएसपी संजीव कुमार मिश्रा, लातेहार पुलिस इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार सिन्हा समेत पुलिस विभाग के अधिकारी और परिवहन विभाग के अधिकारी और कर्मी उपस्थित थे।

कोपे और जगतु में अवैध रूप से किया जा रहा है बालू का भंडारण

आजाद सिपाही संवाददाता

मनिका/ लातेहार। मनिका थाना क्षेत्र के कोपे एवं जगतु गांव में बालू माफियाओं के द्वारा सैकड़ो ट्रैक्टर बालू का भंडारण करके रखा गया है। प्रखंड मुख्यालय से लगभग 6 किलोमीटर की दूरी पर औरंगा नदी गुजरी है जहां से बालू व्यवसाय करने वाले बालू माफियाओं ने बालू का भंडारण अवैध तरीके से करके रखे हैं। एनजीटी लागू होने के बावजूद भी बालू माफिया धड़ल्ले से बालू का उठाओ कर रहे है। कोपे पंचायत के जगतु गांव में जगतु खेल मैदान में अरुण सिंह के द्वारा लगभग 50 गाड़ी बालू का भंडारण किया गया है। वहीं कोपे नदी के किनारे कल्लू तिवारी के द्वारा लगभग 40 गाड़ी बालू का भंडारण किया गया है। कल्लू तिवारी ने बताया कि अबुआ आवास बनाने के लिए बालू नदी से निकाल कर रखे हैं। वही जगतु ग्राम के ग्रामीणों ने बताया कि अरुण सिंह के द्वारा सड़क निर्माण के लिए बालू का भंडारण कराया गया है।

रथ मेला को लेकर शांति समिति की बैठक

भंडरा (आजाद सिपाही)। आगामी 7 जुलाई को भंडरा मे लगने वाले ऐतिहासिक रंथ यात्रा मेला को लेकर भंडरा थाना परिसर मे बुधवार को थाना प्रभारी अरबिंद कुमार सिंह की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में रथयात्रा धूमधाम एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने का निर्णय लिया गया। साथ ही थाना प्रभारी ने मेला कमेटी को मेला स्थल में वॉलिंटियर्स रखने का निर्देश दिया। बैठक में गर्मी को देखते हुए पानी उपलब्ध कराने की बात कही गई। ऐतिहासिक भंडरा रथयात्रा मेला मे लोहरदगा बंगाल आदि जगहों से लाखों की संख्या में श्रद्धालु मेला देखने पहुंचते है। बैठक में नौ दिवसीय ऐतिहासिक मेला मे शांति व्यवस्था को लेकर प्रशासनिक तैयारियो पर विचार विमर्श किया गया। मेले मे असमाजिक तत्वों पर नजर रखने की योजना बनीं। इसमें समिति के सभी सदस्य अपने-अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे और पुलिस प्रशासन आम श्रद्धालुओं की सुरक्षा में तैनात रहेंगे। मेले मे ड्रोन कैमरे से निगरानी पुलिस द्वारा की जायेगी। वहीं, मेला परिसर की साफ-सफाई, पेयजल व प्रकाश व्यवस्था के लिए मेले कमेटी को निर्देश दिया गया। इस मौके पर थाना प्रभारी अरबिंद सिंह, एसआइ पप्पू गुप्ता, किशोरी मोहन शर्मा, ईश्वरी मोहन शर्मा, मुखिया परमेश्वरी महली, रामजी प्रसाद, उमेश्वर नाथ तिवारी, राधा मोहन शर्मा, प्रकाश प्रजापति सहित काफी संख्या में बुद्धिजीवी वर्ग के लोग मौजूद थे।

विहिप ने मंदिर में किया महाआरती का आयोजन

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। विश्व हिन्दू परिषद तथा बजरंग दल के कार्यकताओं की अगुवाई में एकादशी के पावन अवसर पर मंगलवार शाम अरु स्थित बजरंबली मंदिर प्रांगण में महाआरती का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विहिप प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार साहु के नेतृत्व में हुआ। विधिवत वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ पुरोहित बृजमोहन पंडित के द्वारा आरती कराया गया। मौके पर रंजीत कुमार कुमार साहु ने कहा की सेन्हा प्रखंड के सभी पंचायतों में विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल संगठन का विस्तार किया जायेगा। पंचायतवार टीम बनाकर धार्मिक एवं सामाजिक कार्य आयोजन किया जायेगा। प्रत्येक सोमवार को शिव मंदिर में और प्रत्येक मंगलवार को महावीर मंदिर में भव्य आरती और कीर्तन करने हेतु टीम गठन किया जायेगा। जिसमें समाजसेवी गौतम प्रसाद साहु, संतोष राम, दिनेश प्रसाद साहु, पुजारी वृजमोहन पंडित, अनुज कुमार गिरी, अजय कुमार गिरी, अभिनव कुमार गिरी, महिला संरक्षक अनुराधा प्रसाद, प्रमिला देवी, राजु साहु तथा छोटे-छोटे नन्हे मुन्ने बाल गोपाल उपस्थित हुए और महाआरती के पश्चात उपस्थित सभी भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

बीडीओ की कार्यशैली से नाराज पंचायत समिति के सदस्यों ने समीक्षा बैठक का किया बहिष्कार

आजाद सिपाही संवाददाता

मनिका/ लातेहार। बीडीओ की कार्यशैली पंचायत समिति सदस्यों ने समीक्षा बैठक का बहिष्कार किया है। पंचायत समिति सदस्यों के आरोप है कि बुधवार को 12:30 बजे पंचायत समिति सदस्यों का समीक्षा बैठक होना निश्चित हुआ था। इस समीक्षा बैठक में बीडीओ नदारत है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख प्रतिमा देवी के नेतृत्व किया गया। वही प्रखंड के प्रखंड प्रमुख प्रतिमा देवी ने पंचायत समिति की समीक्षा बैठक मे पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि यह बैठक 8 महीने के बाद की जा रही थी। आज से पूर्व 23.11.2023 को पंचायत समिति का समीक्षा बैठक की गयी थी। उन्होंने बताया कि इसमें टोटल 29 विभाग है जिसमें 10 विभाग के लोग ही उपस्थित हुए हैं। बाकी विभाग नगण्य रहे। सबसे अहम बात तो यह है कि मनिका प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार तिवारी भी पंचायत समिति की समीक्षा बैठक में उपस्थित नहीं हुए। सबसे दुख की बात है। प्रखंड विकास पदाधिकारी इस बैठक का सचिन होते हैं। आज जिला के बैठक कर गायब है। सभी हमारे सदस्य इस बैठक पर नाराजगी जताते हुए बहिष्कार किया है और दुख प्रकट करते हुए कहा कि बीडीओ साहब मनिका ब्लॉक के बारे में नहीं सोचते हैं। पंचायत समिति सदस्यों ने कहा बीडीओ साहब का समीक्षा बैठक में समय नहीं देना अपमानित है। जनप्रतिनिधियों को इस तरह से पड़ताड़ित लोकतंत्र पर प्रहार है। मौके पर पंचायत समिति सदस्य सुषमा देवी, देवधारी उरांव, नंददेव सिंह, विकास तिवारी, महेंद्र सिंह, सुमन देवी, धर्मेंद्र राम, भिखारी सिंह, प्रमोद राम, सरस्वती देवी, रूबी देवी, निर्मला देवी, उषा देवी, बाबूलाल कुमार रवि समेत सभी पंचायत के समिति सदस्य उपस्थित थे।

सदर अस्पताल में आंख के ऑपरेशन थिएटर का शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। सदर अस्पताल लोहरदगा परिसर में आयुष्मान भारत फण्ड से निर्मित आंख के ऑपरेशन हेतु ऑपरेशन थिएटर का शुभारंभ उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने फीता काटकर किया गया। अब सदर अस्पताल परिसर में मोतियाबिंद व आंखों की बीमारी से संबंधित ऑपरेशन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। डॉ प्रिया द्वारा आंखों के ऑपरेशन की सेवा मरीजों को दी जाएगी। मौके पर उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा कि सदर अस्पताल में आंख के ऑपरेशन हेतु ऑपरेशन थियेटर स्थापित होने से यहाँ आनेवाले मरीजो को सहुलियत होगी। अब लोहरदगा के लोग आंखों के ऑपरेशन के लिए लोहरदगा छोड़कर बाहर बड़े शहरों में जाने के लिए विवश नहीं होंगे। डीसी ने लोगों से अपील किया है कि आंखों में किसी भी तरह के परेशानी होने पर तुरंत चिकित्सक के पास सलाह लेने जाए। किसी भी छोटी सी समस्या आने पर डॉक्टर से सलाह लेने से बड़ी परेशानी नहीं होता है। मौके पर सिविल सर्जन डॉ राजमोहन खलखो, उपाधीक्षक डॉ शंभूनाथ चौधरी, डीपीएम नाजिश अख्तर, अस्पताल प्रबंधक समेत अन्य उपस्थित थे।

डीसी ने जिला नियोजन कार्यालय के कार्यों की समीक्षा की

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में जिला नियोजन कार्यालय के कार्यों की समीक्षा की गयी। बैठक में उपायुक्त द्वारा निजी प्रतिष्ठानों में 75 प्रतिशत स्थानीय मानव बल का आरक्षण, पोर्टल में कार्यरत युवक-युवतियों के स्थानीयता से संबंधित दस्तावेज अपलोड करने, नियमित रूप से रिक्तियों की जानकारी लोगों को दिये जाने संबंधित बिंदुओं पर चर्चा की गयी व आवश्यक निर्देश जिला नियोजन पदाधिकारी को दिये गये। बैठक में जिला नियोजन पदाधिकारी अश्विनी कुमार सिंह, आईटीआइ कुजरा, महिला आईटीआइ लोहरदगा और कुडू आईटीआइ के प्रभारी प्राचार्य उपस्थित थे।

लापता महिला की खोज में निकला पति, नहीं मिला सुराग

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। तुईमु पंचायत के हेन्हे ग्राम से 21 वर्षीय महिला 15 दिन पूर्व बुधवार को लापता हो गयी नही मिला आज तक कोई सुराग। विदित हो कि लोहरदगा जिला अंतर्गत सेरेंगदाग थाना क्षेत्र के अति सुदूरवर्ती इलाके हेन्हे निवासी बुधु खेरवार का 24 वर्षीय पुत्र मुन्ना खेरवार की पत्नी सुनीता कुमारी बुधवार को घर में सूट सिलवाने की बात बोल कर घर से निकली जो देर शाम तक घर लौट कर नही आयी तो परिजनों ने अपने स्तर से रिश्तेदार के यहां छानबीन करने लगे लेकिन आज तक कोई सुराग नही मिला। जिसे मुन्ना खेरवार अपनी पत्नी का फोटो लेकर सेन्हा क्षेत्र में खोजबीन करते हुए थाना पहुंचा उसी दौरान पत्रकार से बातचीत के दौरान सारी बातों को बताते हुए आमजनों से सहयोग की बात कही वहीं स्थानीय थाना में अभीतक गुमशुदा होने का मामला दर्ज नही कराया गया है।

केंद्र की तर्ज पर झारखंड में भी अलग हो सहकारिता विभाग : विभा सिंह

अब को-ऑपरेटिव बैंक सुदूरवर्ती गांवों में प्रदान करेंगी बैंकिंग सुविधा

बैक सेवियों को 20 माइक्रो एटीएम उपलब्ध कराया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। झारखंड राज्य सहकारी बैंक लि, लोहरदगा परिसर में बिभा सिंह, अध्यक्ष झारखंड राज्य सहकारी बैंक लि, जयदेव प्रसाद सिंह, सेवानिवृत संयुक्त निबंधक, सहयोग समितियां, रांची और विजय प्रताप तिर्की, जिला सहकारिता पदाधिकारी, लोहरदगा, कौशलेन्द्र कुमार सिंह, निदेशक रमोद प्रसाद, निदेशक, संगीता महली, सरोज सिंह, निदेशक एवं परिशेष पाठक, मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी की उपस्थिति में लोहरदगा जिला अंतर्गत बैक सेवियों को 20 माइक्रो एटीएम उपलब्ध कराया गया। जिससे सूदूरवर्ती ग्रामीणों क्षेत्रों में बैंकिंग सेवायें उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। अध्यक्ष बिभा सिंह ने बताया कि सहकारिता को अलग विभाग करने का आग्रह सरकार से किया गया। उनके द्वारा बताया गया कि सहकारिता पूर्व में एक स्वतंत्र विभाग था, परंतु वर्ष 2015 में इसे कृषि एवं पशुपालन विभाग के साथ मिलाकर कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग बनाया गया। चूंकि सहकारिता विभाग से व्यापक कार्यो का निष्पादन होता है। अतः इसे स्वतंत्र विभाग के रूप में पुनः कार्य करने का अवसर प्रदान किया जाना चाहिए। कहा कि बैंक द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-2024 में 66.68 करोड़ रूपये शुद्ध लाभ अर्जित की गयी है, जो सहकारी बैंक के इतिहास में अभूतपूर्व परिणाम एवं प्रगति है।

संपूर्णता अभियान में छह इंडिकेटर में आच्छादन प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित

संपूर्णता अभियान प्रखंड स्तर पर 5 और जिला स्तर पर 6 जुलाई को

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। आकांक्षी जिला कार्यक्रम और आकांक्षी प्रखण्ड कार्यक्रम के तहत अगले तीन माह में संपूर्णता अभियान के तहत 06 इंडिकेटर में अच्छादन प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह छह इंडिकेटर स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, सामाजिक विकास और शिक्षा जैसे विषयों से संबंधित है। संपूर्णता अभियान का 05 जुलाई 2024 को प्रखंड स्तर पर प्रखण्ड मुख्यालय किस्को और जिला स्तर पर 06 जुलाई को नगर भवन, लोहरदगा में शुभारंभ कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। यह अभियान अगले तीन माह तक चलेगा जिसमें निर्धारित इंडिकेटर के अच्छादन के लिए जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाएगा और हितधारकों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। प्रखंड व जिला स्तर पर आयोजित होनेवाले संपूर्णता अभियान में नीति आयोग के प्रतिनिधि के रूप में सीनियर स्पेशलिस्ट डॉ बनुश्री वेल्पांडियन उपस्थित रहेंगे। इस अभियान के तहत जिला स्तर के अभियान के लिए निर्धारित इंडिकेटर में से स्वास्थ्य विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं का एएनसी रजिस्ट्रेशन, समाज कल्याण विभाग द्वारा आइसीडीएस कार्यक्रम अंतर्गत गर्भवती महिलाओं को पोषक आहार नियमित रूप से उपलब्ध कराने, कृषि विभाग और कृषि विज्ञान केंद्र किस्को के द्वारा किसानों के बीच मृदा स्वास्थ्य कार्ड के वितरण किये जाने, स्वास्थ्य विभाग, लोहरदगा की ओर से बच्चों के टीकाकरण का कार्य, सेकेंडरी स्कूलों के स्तर पर विद्युतीय कार्य और स्कूलों में शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के एक माह के उपरांत पाठ्य पुस्तकों के वितरण में 100 प्रतिशत अच्छादन के लिए संबंधित विभाग के पदाधिकारियों द्वारा कार्ययोजना तैयार की जायेगी।

प्रखंड स्तर पर निर्धारित इंडिकेटर्स में से स्वास्थ्य विभाग द्वारा किस्को प्रखण्ड में गर्भवती महिलाओं के प्रथम तिमाही में एएनसी रजिस्ट्रेशन, बाल विकास परियोजना पदाधिकारी द्वारा गर्भवती महिलाओं को दिये जानेवाले पोषाहार, प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी व कृषि विज्ञान केंद्र किस्को द्वारा किसानों के बीच मृदा कार्ड का वितरण किया जायेगा।

सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के लक्ष्य को शत-प्रतिशत पूर्ण करना है : परमुनी

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। प्रखंड कार्यालय स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय में प्रखंड महिला पर्यवेक्षिका द्वारा प्रखंड क्षेत्र के सभी आंगनबाड़ी सेविकाओं के साथ बैठक कर सावित्री बाई फुले कुशोरी समृद्ध योजना का लाभ छात्राओं को दिलाने के लिये दिशा निर्देश दिया गया। वही महिला पर्यवेक्षिका परमुनी देवी ने जानकारी देते हुए बताया कि छात्राओं को समृद्ध करने के उद्देश्य से झारखंड सरकार द्वारा सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्ध योजना संचालित किया गया है। जिसके तहत 8 वीं कक्षा से 12 वीं कक्षा की छात्रओं को तथा 18 से 19 वर्ष की किशोरियों को लाभ दिया जायेगा। इस निमित पूरे प्रखंड क्षेत्र से 4550 छात्राओं को लाभ दिलाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिसके लिये प्रखंड क्षेत्र के सभी विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं को सूचनार्थ किया जा चुका है कि सभी अपने अपने विद्यालय से योग्य छात्राओं का प्रपत्र भर कर बाल विकास परियोजना कार्यालय में एक जुलाई से 31 अगस्त के बीच फॉर्म जमा करने का निर्देश दिया गया है। मौके पर अंगनी बेक के अलावे टिंकी देवी, शांता मिंज, किरण कुमारी, रजनी देवी, लक्ष्मी कुमारी, शहनाज बेगम, अनिता उरांव सहित सभी सेविकायें उपस्थित थे।

वनों की सुरक्षा और संरक्षण की दिशा में कार्य करेंगे : डीएफओ

लोहरदगा डीएफओ के रूप में अभिषेक कुमार ने पदभार ग्रहण किया

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा वन प्रमंडल पदाधिकारी के रूप में बुधवार को भारतीय वन सेवा अधिकारी (2011) अभिषेक कुमार ने निवर्तमान डीएफओ अरविंद कुमार से विधिवत पदभार ग्रहण किया। वही निवर्तमान डीएफओ अरविंद कुमार को विदाई दी गयी। उनका स्मार पत्र रेंजर अरुण कुमार ने पढ़ी। इस मौके पर सभी वनकर्मी भावुक नजर आये। निवर्तमान डीएफओ अरविंद कुमार के कार्यकाल को याद करते हुए सभी की आंखे नम दिखायी दी। वहीं विदाई सह स्वागत कार्यक्रम का संचालन प्रभारी वनपाल किशोर नंद कुमार ने किया। इस मौके पर नये डीएफओ का स्वागत निवर्तमान डीएफओ, रेंजर, प्रभारी वनपाल, वनरक्षियो और कर्मियों ने पुष्प गुच्छ देकर किया। मौके पर उन्होंने सभी कर्मियों से परिचय प्राप्त किया। मौके पर नए डीएफओ अभिषेक कुमार ने कहा कि हमारी कोशिश रहेगी कि हमसब मिलकर एक टीम के साथ कार्य करे। वनो के विकास कार्य व वन सुरक्षा पर ततपरता के साथ कार्य करें। सभी मिल जुलकर एक टीम भावना के साथ कार्य करेंगे ऐसा मुझे विश्वास है। वनों की सुरक्षा और वन्य प्राणियों के संरक्षण की दिशा में कार्य किया जाएगा।

वही निवर्तमान डीएफओ अरविंद कुमार ने कहा कि स्थानांतरण एक सामान्य प्रक्रिया है। मेरा 3 साल 6 महीने का कार्यकाल रहा । जो काफी अच्छा रहा। अपने साढ़े तीन साल के कार्यकाल में प्रमंडल को गति देने की कोशिश किया गया है। कहा कि वनरक्षियो में वन रोपण का कल्चर ज्यादा अच्छा नहीं रहा है। वनरोपण का स्तर में सुधार करने की जरूरत है। नए पदाधिकारी से आशा है कि वे अच्छा कार्यकाल गुजारेंगे और सभी से समन्वय स्थापित कर कार्य को गति देंगे।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधे लगाये

आजाद सिपाही संवाददाता

बरवाडीह। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पर्यावरण दिवस पर शुरू किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत भाजपा उपाध्यक्ष सुनील कु सिंह समेत अन्य भाजपाई नेताओ ने बूथ संख्या 23 परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उपाध्यक्ष सुनील सिंह ने अपनी 80 वर्षीय मां हिरण देवी के साथ पौधारोपण किया।इस अवसर पर उपाध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पर्यावरण दिवस पर शुरू किए गए ह्लएक पेड़ मां के नामह्व अभियान के तहत प्रखण्ड में 15 जुलाई तक अधिक से अधिक पौधारोपण किया जाएगा। खास बात है कि एक पौधा मां के नाम लगाया जाएगा। सुनील सिंह ने सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि अपनी मां के साथ मिलकर या उनके नाम पर उनके सम्मान मे एक पेड़ जरूर लगाएं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण, धरती की रक्षा और आने वाली पीढ़ी के स्वस्थ भविष्य के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाना हम सबका कर्तव्य है।

अपने घरों में पौधा अवश्य लगायें : अंजू गुप्ता

लातेहार (आजाद सिपाही)। लातेहार मुख्यालय क्षेत्र के बनवारी साहू महाविद्यालय मे पौधा लगाकर मां का नाम लेकर कर लगाया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना झारखंड के तत्वाधान में एक पेड़ मां के नाम के तहत महाविद्यालय परिसर में पौधारोपण किया गया। 1 जुलाई से 7 जुलाई तक मां महाविद्यालय परिसर में वन महोत्सव का कार्यक्रम रखा गया है इस अवसर पर महाविद्यालय के सचिव महोदय अंजू गुप्ता प्राचार्य महोदय प्रदीप कुमार तिवारी कार्यक्रम पदाधिकारी नवल किशोर प्रसाद एवं महाविद्यालय के व्याख्याता गण प्रोफेसर शत्रुघ्न मेहता, इशरत बानो एवं महाविद्यालय के छात्राएं एवं छात्रों ने पौधारोपण कार्यक्रम में भाग लिया और चोलहन तीगा धीरज कुमार ने सहयोग किया यह कार्यक्रम आगामी 7 जुलाई तक चलेगी। कार्यक्रम पदाधिकारी नवल किशोर प्रसाद ने सभी छात्राओं से अभियान चलाने की बात कही और उन्होंने कहा कि अपने-अपने घरों में अपने मां के नाम से पौधा अवश्य लगाएं अंजू गुप्ता ने कहा कि अपने-अपने घरों में पौधा अवश्य ही लगावे और अपनी माता को सम्मान दें महाविद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार तिवारी ने वन महोत्सव के अवसर पर सभी छात्राओं को इस पुनीत कार्य में अपने-अपने घरों एवं आसपास में पर्यावरण की सुरक्षा एवं पौधारोपण की अपील की गयी।

घाघरा में क्रांतिकारी आदिवासी महासभा ने निकाला विरोध मार्च

आदर मुखिया के आवास का किया घेराव

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। अखिल भारतीय क्रांतिकारी आदिवासी महासभा ने पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार घाघरा अंचल के सलगी लशटांड़ गांव की जमीन के सवाल पर बुधवार को लशटांड़ से आदर तक आक्रोश पूर्ण विरोध मार्च किया। जहां आदर पंचायत की मुखिया यशमनी कुमारी का आवास घेराव किया और सभा किया गया।सभा को सम्बोधित करते हुए महासभा के जिलाध्यक्ष सनिया उरांव ने कहा कि भूमि जोतक स्थानीय किसानों के हितों के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों को बख्शा नहीं जायेगा। चाहे वे जनप्रतिनिधि ही क्यों न हों। ससथ ही उन्होंने कहा कि मार्च में शामिल लोग लड़ेंगे जीतेंगे। जमीन दलालों होश में आओ। जोते कोड़े बोवे धान, खेत का मालिक वही किसान जैसे नारे लगा रहे थे। सभा को बिजला उरांव, अनिल उरांव, चापा उरांव तथा तेम्बू उरांव ने भी संबोधित किया। इस मौके पर सुरेश प्रसाद यादव, मंगल उरांव, सुरेश गोप, बिहारी उरांव, कांछा उरांव, भदवा उरांव, बहुरा उरांव, फूलदेव उरांव, नारायण उरांव, जितन उरांव, मांगे उरांव, सुलेन्द्र उरांव, बिफैया उरांव, बाबू राम उरांव, कार्तिक उरांव, बिमला उरांव, सुदर्शन भगत, हरिश्चन्द्र उरांव, भदरा उरांव सहित अन्य लोग सैकड़ों की संख्या में शामिल थे।

मुखिया ने लगाए गए आरोप को कहा निराधार : आदर पंचायत की मुखिया यशमनी कुमारी से आरोप के सम्बंध में पूछे जाने पर जमीन दलाल सहित अन्य योजना से संबंधित सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि सलगी स्थित विवादित भूमि से संबंधित अखिल भारतीय क्रांतिकारी आदिवासी महासभा के द्वारा किसी भी प्रकार का कोई आवेदन या सूचना नहीं दिया गया है। ऐसी स्थिति में मेरे घर का घेराव करना कहां से न्याय संगत है। साथ ही मुखिया ने कहा कि किसी भी बातों को रखने का एक नियम होता है, समिति द्वारा उक्त भूमि विवाद से संबंधित ना ही मुखिया को और नहीं गांव के सरपंच को कभी जानकारी देकर बैठक के लिए प्रयास किया गया। विवादित भूमि या अन्य बातों से संबंधित ग्रामीण भविष्य में आवेदन देते हैं तो इस पर पंचायत स्तर में बात सुनी जाएगी। जो सही है उनके पक्ष में निर्णय दिया जाएगा।

यह है मामला

बताते चलें कि पिछले माह उक्त भूमि को लेकर रैयत और कंपनी के लोगों के द्वारा सलगी गांव में बैठक आयोजित किया गया था। जहां सलगी गांव के ग्रामीण रैयतों के भूमि से अवैध कब्जा हटाने के लिए सहमति बनी थी। और सलगी के ग्रामीणों ने लशडाड़ गांव के ग्रामीणों से वार्ता करने पर अपनी सहमति बनाये थे। जिसके बाद दूसरे दिन लशडाड़ के ग्रामीणों ने भी बैठक कर उक्त भूमि को नहीं छोड़ने का निर्णय लिया था।

झारखंड के किसानों की बदहाली का प्रतीक है चैनपुर का कल्याण टोप्पो

बैलों की मौत के बाद खुद जुत रहा हल में और जोत रहा खेत

सुधाकर कुमार

गुमला। उसका नाम है कल्याण टोप्पो। वह चैनपुर के छिछवानी गांव का निवासी है। पेशे से किसान है। पहली नजर में आपको लगेगा कि इसमें खास बात क्या है। झारखंड में हजारों नहीं, तो सैकड़ों कल्याण टोप्पो होंगे, लाखों नहीं, तो हजारों किसान होंगे। जरूर होंगे, लेकिन हम जिस कल्याण टोप्पो की बात कर रहे हैं, वह झारखंड के किसानों की बदहाली का प्रतीक बन गया है। इन दिनों उसे अपने खेत की जुताई करते हुए देखा जा सकता है।

दरअसल कल्याण टोप्पो झारखंड के उन बदनसीब किसानों में से एक है, जिनके पास न तो बैल खरीदने के लिए पर्याप्त पैसे हैं और न ही प्रशासन की वह कृपा दृष्टि, जिससे उसे भी हल जोतने के लिए बैलों की जोड़ी मिल सके। इसलिए कल्याण टोप्पो अब बैल की जगह खुद हल में जुतता है और खेत जोत रहा है।

कल्याण टोप्पो के पास बैलों का एक जोड़ा था, जिससे वह अपना खेत जोतता था। दो महीने पहले दोनों बैल की बीमारी से मौत हो गयी। इससे कल्याण की कमर टूट गयी। उसके पास बैल खरीदने के लायक पैसे नहीं हैं। इसी बीच बारिश शुरू होने के साथ खेती-बाड़ी का समय पहुंच गया। किसानों के लिए यह समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। कल्याण टोप्पो चिंता में पड़ गया, लेकिन उसने हौसला नहीं खोया। उसने खुद हल में जुतने का फैसला किया और फिलहाल खेत तैयार करने में लगा है। दिन भर हल चलाने के बाद जब वह शाम को घर लौटता है, तो उसका शरीर बुरी तरह थका हुआ होता है, लेकिन उसका हौसला लगातार मजबूत दिखता है।

कल्याण अपने हौसले से उस व्यवस्था के गाल पर तमाचा भी जड़ता है, जो किसानों की मदद करने का दंभ भरती है। इलाके में अक्सर तस्करी के लिए ले जा रहे गोवंश मवेशियों की बरामदगी होती रहती है। उन्हें प्रशासन द्वारा स्थानीय ग्रामीणों के बीच वितरित कर दिया जाता है। पिछले 27 जून को कुरुमगढ़ थाना पुलिस ने मवेशियों की एक बड़ी खेप बरामद की थी और ग्रामीणों में उन मवेशियों को वितरित कर दिया था। लेकिन कल्याण टोप्पो की किस्मत अच्छी नहीं थी। गुहार लगाने के बावजूद उसे कुछ हासिल नहीं हुआ।

जिला स्तरीय पंचायत सहायक संघ के मिलन सह सम्मान समारोह का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। वीर कुंवर सिंह भवन डीएसपी रोड के सभागार में बुधवार को जिला स्तरीय पंचायत सहायक संघ गुमला का मिलन सह सम्मान समारोह का आयोजन गुमला जिला अध्यक्ष मोहम्मद वारिस की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम में जिला के सभी प्रखंडों से पंचायत सहायक कर्मी शामिल हुए। प्रदेश से आए हुए अतिथियों का जिला कमेटी ने पुष्प गुच्छ देकर व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि चंद्रदीप कुमार ने कहा लंबी लड़ाई और संघर्ष के बाद झारखंड सरकार ने हम पंचायत सहायक को सम्मान देने का काम किया है। लेकिन हमें जो अधिकार मिलना चाहिए वह अब तक नहीं मिला है। इसके लिए आगे भी संघर्षपूर्ण आंदोलन करने की आवश्यकता है। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा सरकारी काम के दौरान पंचायत सहायक को किसी भी प्रकार का दुर्घटना या मौत होती है तो सरकार उनके आश्रित को 5 लाख दे। वही 2021 से 24 तक किए गए कार्य का बकाया प्रोत्साहन राशि अभिलंब देने का अनुरोध सरकार से किया। वही अपने हक व अधिकार को पाने के लिए सभी पंचायत सहायक को एकजुट रहने का आह्वान किया गया। आगे कहा कि लंबे आंदोलन के उपरांत सरकार ने पंचायत सहायकों के लिए जो घोषणाएं की थी वह जमीनी स्तर पर लागू नहीं की गई है। सरकार जल्द से जल्द अपनी घोषणाओं को लागू करें। कार्यक्रम में झारखंड प्रदेश अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार,प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष रिभा रानी जयसवाल, प्रदेश कोषाध्यक्ष बाल गोविंद महतो, रांची जिला अध्यक्ष गौतम कुशवाहा, सिमडेगा जिला अध्यक्ष राजेंद्र नायक, गुमला जिला अध्यक्ष मोहम्मद वारिस सहित विभिन्न प्रखंडों से आए पंचायत सहायक कर्मी उपस्थित थे।

20 जुलाई को प्रदेश कार्यसमिति की बैठक रांची में होगी : सविंद्र कुमार सिंह

चैनपुर (आजाद सिपाही)। भारतीय जनता पार्टी मंडल चैनपुर की एक आवश्यक बैठक स्थानीय दुर्गा मंदिर परिसर में अध्यक्ष मनोहर बड़ाईक की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में पार्टी के आगामी कार्यक्रम के निमित गुमला के प्रभारी सविंद्र कुमार सिंह ने कार्यक्रम के रूपरेखा पर चर्चा किया जिसमे उन्होंने पार्टी के सभी पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी लोगों को एक पेड़ मां के नाम, लगाना है तथा आगामी 6 जुलाई को डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाना है,और 7 जुलाई से 15 जुलाई तक विधानसभा बूथ स्तरीय कार्यक्रम में कार्यकर्ता सम्मान एवं संकल्प सभा का भी आयोजन करना है। आगे उन्होने बतलाया कि 20 जुलाई को प्रदेश कार्यसमिति की बैठक रांची में होना है अत: अपेक्षित कार्यकर्ताओं को रांची जाने की व्यवस्था पर भी चर्चा करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने की बात कही। बैठक में चैनपुर मंडल के लिए नए अध्यक्ष पद के लिए भी मौजूद लोगों से राय शुमारी ली गयी। धन्यवाद ज्ञापन मंडल की मंत्री सह चैनपुर की वर्तमान मुखिया शोभा देवी ने किया। बैठक में मुख्य रूप से जिला के उपाध्यक्ष यशवंत केशरी,मंडल महामंत्री अमित किशोर पाण्डेय,बुधराम नायक, युवा मोर्चा अध्यक्ष शशि भूषण सिंह,नीरज शर्मा,राजेशरण भगत, अनिल केशरी, महेंद्र यादव सहित कई लोग मौजूद थे।

लापता युवक की मां ने मजदूर संघ से लगायी खोजबीन की

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला जिला के कुरुमगढ़ थाना क्षेत्र के बांमदा कोरकोटोली के मजदूर युवक मनोज उरांव उम्र लगभग 25साल हिमाचल प्रदेश के पीओ जिला किन्नौर जाने के दौरान दिल्ली से सोनी पथ रेलवे स्टेशन के बीच हुआ लापता।

बुधवार को मां जोगईन देबी ने पुरे मामले को लेकर गुमला पहुंच मजदूर संघ सीएफ टी यु आई प्रदेश वा गुमला जिला कार्यालय में लिखित आवेदन देते हुए बतायी कि उसका बेटा मनोज उरांव अपने दो अन्य साथियों के साथ मजदुरी करने हिमाचल प्रदेश जा रहा था उसी दौरान दिनांक 26/5/24/ को वह दिल्ली से सोनी पथ रेलवे स्टेशन से अचानक गायब हो गया। जिसका सुचना दो अन्य साथियों ने फोन कर मजदुर के परिजनों को बताया जिसके बाद पुरे घटनाक्रम को लेकर परिजन कुरुमगढ़ थाना गये लेकिन कुरुमगढ़ थाना प्रभारी ने लापता मजदूर का आवेदन लेने से मना कर दिए जिसके बाद लापता मजदूर के परिजनों ने अपने अस्तर से काफी खोजबीन किया लेकिन कोई अता पता नहीं चल पाया जिसके बाद आज पुरे मामले को लेकर गुमला पहुंच मजदूर संघ सीएफ टी यु आई प्रदेश सचिव जुम्मन खान को लिखित आवेदन दे कर लापता मजदूर मनोज उरांव को खोजने में सहयोग करने की गुहार मां जागईन देबी के द्वारा लगायी है।

इधर इस मामले को गंभीरता पूर्वक लेते हुए मजदूर संघ सीएफ टी यु आई प्रदेश सचिव जुम्मन खान ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि लगातार हमारे जिला के भिन्न-भिन्न प्रखंडों के मजदूर बाहर प्रदेश जाने के दौरान लापता हो रहे हैं जो काफी चिंता का विषय है। हम इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी अपने दिल्ली टीम को दे कर लापता मजदूर मनोज उरांव को खोजने में सहयोग की मांग करेंगे।

आजसू ने 11 सूत्री मांग को लेकर बीडीओ को ज्ञापन सौंपा

जारी (आजाद सिपाही)। आजसू के केन्द्रीय सचिव सह गुमला विधानसभा प्रभारी बोनिफास कुजूर व सकलदीप नाथ सहदेव के नेतृत्व में पार्टी के कार्यकताओं ने 11 सूत्री मांग को लेकर जारी बीडीओ शशि संदीप सोरेन को ज्ञापन सौपा है। ज्ञापन में कहा गया है कि जमीन संबंधी दाखिल खारिज हेतु अंचल कार्यालय में जमा आवेदन का अभिलंब निष्पादन किया जाए। साथ ही पंजी 2 में दर्ज जीरो प्लॉट की समस्या का जल्द से जल्द उचित एवं आवश्यक कार्रवाई की जाए। वर्तमान में अबूवा आवास हेतु चयन में पारदर्शिता लाई जाए तथा जरूरतमंद एवं निर्धन परिवार को इसका समुचित लाभ मिल सके।मनरेगा अंतर्गत संचालित सिंचाई कूप एवं अन्य योजनाओं का क्रियान्वयन एवं भुगतान यथाशीघ्र किया जाए ताकि वर्षा से पहले कार्य को पूर्ण किया जा सके। मौके पर दिलबाग नायक, अरविंद सिंह, कमल टोप्पो,धनी बेगा, प्रवीण तिग्गा, अरविंद नगेसिया उपस्थित थें।

पौधरोपण से जल-जमीन संचयन बनाये रखने में सहयोग मिलेगा : चैताली सेनगुप्ता

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। पर्यावरण की सुरक्षा को लेकर गुमला जिले में स्कूल कॉलेज और संस्थाओं के द्वारा पौधारोपण वृक्षारोपण का कार्यक्रम जोर-शोर से चल रहा है । इस अभियान को सफल बनाने में सभी लोगों की भागीदारी आवश्यक है । इस संबंध में मयूरी ट्रस्ट गुमला झारखंड के सचिव चैताली सेन गुप्ता ने कहा कि पौधा रोपण वृक्षारोपण के माध्यम से जल संचयन और जमीन संचयन का कार्य को बनाए रखने में सहयोग मिलेगा। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन को भी बहुत हद तक रोकने का प्रयास किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अंधाधुन हो रही पेड़ों की कटाई से जंगली क्षेत्र कम होते जा रहे हैं। जिसके कारण वर्षा जल का संचयन जमीन में नहीं हो पा रही है और पानी का स्तर धीरे-धीरे धरातल पर कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी जनमानस को अपने खेतों खलियानों में पेड़ लगाने की आवश्यकता है ज्यादा से ज्यादा पौधा रोपण करें और जलवायु परिवर्तन के रोकथाम में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें जिससे कि आने वाला समय में स्वच्छ वातावरण लोगों को मिल सके उन्होंने बरसात के इस मौसम में ज्यादा से ज्यादा फलदार और अन्य पौधे लगाने की अपील की। शिक्षा विभाग ने भी सभी स्कूलों में पौधे लगाने वृक्षारोपण करने की अपील की है।

बाल मजदूरी कानूनन अपराध है : दामोदर कसेरा

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला चैंबर ऑफ कॉमर्स गुमला के अध्यक्ष दामोदर कसेरा के नेतृत्व में चेंबर कार्यालय में एक आवश्यक बैठक की गयी, जिसमें श्रम अधिक्षक गुमला के द्वारा जारी गाइडलाइन का पूरी ईमानदारी के साथ पालन करने का निर्णय लिया गया। श्रम अधीक्षक गुमला ने, गुमला के सभी आम व्यापारियों से अपील की है की बाल मजदूरी कराने से बचें। बाल मजदूरी कराते हुए पकड़े जाने पर, बाल एवं अल्प वयस्क (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के अंतर्गत किसी भी प्रतिष्ठान में 14 वर्ष से कम उम्र के बालकों का एवं खतरनाक नियोजनों में आयु वर्ग 14 से 18 वर्ष का नियोजन प्रतिषेधित है। उल्लंघन की स्थिति में ?20000 रुपए से ?50000 तक का जुमार्ना अथवा 6 माह से 2 वर्ष तक का कारावास या दोनों हो सकता है। गुमला चेम्बर के द्वारा इससे सम्बंधित सूचना पत्र सभी व्यापारियों को प्रेषित किया गया। प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस पर अध्यक्ष दामोदर कसेरा ने गुमला के सभी व्यापारी बंधुओं से अपील की है की प्लास्टिक बैग का जगह पर पेपर बैग का इस्तेमाल करें। बैठक में अध्यक्ष दामोदर कसेरा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश सिंह, अभिजीत जायसवाल रॉकी, सचिव बबलू वर्मा, श्रम विभाग के चैयरमेन विकास सिंह आदित्य गुप्ता, प्रणय कुमार, रितेश गुप्ता, एवं राहुल केशरी उपस्थित थे।

पारा लीगल वॉलेंटियरों को मिला प्रशिक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

सिमडेगा। झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देश पर बुधवार को सिमडेगा जिले के सभी पारा लीगल वॉलेंटियरों का प्रशिक्षण सह-मासिक बैठक का आयोजन किया गया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार, सिमडेगा के अध्यक्ष के निदेशार्नुसार सचिव मरियम हेमरोम ने सभी पारा लीगल वॉलेंटियर को अपने-अपने क्षेत्र में कार्य में हो रही परेशानी एवं उसका समाधन पर चर्चा हुई। सचिव द्वारा पारा लीगल वॉलेंटियरों को नया कानून की जानकारी दी गई, साथ ही साथ आगामी 13 जुलाई को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए अपने कार्य क्षेत्र में जागरुकता फैला कर अधिक से अधिक लोगों को लाभ उठाने हेतु प्रेरित करने का निर्देश दिया गया।

जब बिरसा और मंगरा पार्टी में थे ही नहीं, तो निष्कासन कैसा: गजेंद्र

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। मंगरा उरांव और बिरसा उरांव को झामुमो से निष्कासन की घोषणा के बाद बाइस पड़हा ने जेएमएम के सिसई प्रखंड के पदाधिकारियों के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। हैरान कर देने वाली बात यह है कि जहां जेएमएम के पदाधिकारी मंगरा और बिरसा को पार्टी का पूर्व पंचायत अध्यक्ष बता रहे हैं वहीं बाइस पड़हा पदाधिकारी के पदाधिकारी कोटवार गजेंद्र उरांव का कहना है कि मंगरा उरांव व विरसा उरांव जेएमएम के सदस्य भी कभी नहीं रहे। फिर उनका निष्कासन कैसा? जेएमएम द्वारा मंगरा उरांव व विरसा उरांव को पार्टी विरोधी बताकर पार्टी से निकले जाने से नाराज बाईस पड़हा पदाधिकारियों ने टुकु सैन्दा गांव के धुमकुड़िया में बैठक भी रखी। इस बैठक की अध्यक्षता कोटवार गजेंद्र उरांव ने की। गजेन्द्र ने बैठक में दो टूक कहा कि मंगरा और बिरसा पड़हा समाज के समर्पित अगुआ हैं। समाजिक विकास के लिए पड़हा के अन्य पदाधिकारियों से मिलकर इन्होंने कई महत्वपूर्ण कार्य किये हैं। आरोप लगाया कि जेएमएम पार्टी के कुछ कार्यकर्त पड़हा के इन दोनों पदाधिकारियों पर पार्टी विरोधी और जमीन दलाली का झूठा आरोप लगाकर बदनाम करना चाहते हैं। जो निदनीय व शर्मनाक है। पड़हा समाज इसे कभी बर्दास्त नहीं करेगा। विधायक प्रतिनिधि दोनो को पदधारी बता कर कारवाई करने की बात कर रहे हैं जो हस्पदय है। विधायक जिगा सुसरण होरो को विधायक बनाने के लिए पड़हा समाज महत्वपूर्ण भूमिका निभाया था। विधायक से समाज व क्षेत्र के लोगो को काफी उमीद थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि.लोकसभा चुनाव में खुलेआम कुछ जेएमएम के नेता गठबंधन धर्म का पालन नहीं कर चमरा का समर्थन में वोट मांगते फिर रहे थे। आज वह विधायक के दुलरुवा बने हुए हैं। विधायक ने क्षेत्र के विकास के लिए कोई कार्य नही किया है। वहीं दुसरी ओर जेएमएम के प्रकाश मुखिया ने कहा कि उक्त दोनों निष्कासित सदस्य में बिरसा पुर्व पंचायत अध्यक्ष और तत्कालीन सदस्य थे। वहीं मंगरा तत्कालीन छरदा पंचायत के अध्यक्ष थे। उन्होंने कहा कि पार्टी में रह कर जमीन दलाली और उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों से पार्टी की छवि धूमिल हो रही थी। उन्हें कई बार समझाया गया था कि वे इन हरकतों से बाज आए। लेकिन उनमें सुधार नहीं आया। अंततः पार्टी को यह निर्णय लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। लेकिन मामला जो रहे। यह घटना क्षेत्र में चर्चा का विषय है। राजनैतिक विरोधी पार्टियां चुटकी ले रही है। बाइस पड़हा की बैठक में पड़हा पदाधिकारी जुब्बी उरांव,मटकु उरांव,संकर उरांव, उमेश उरांव, मंगरा उरांव, सोमा उरांव, भुनेश्वर उरांव गजेंद्र उरांव, बिरसा उरांव, मंगरा उरांव,उपेंद्र उरांव सहित कई पड़हा पदाधिकारी उपस्तिथ थे।

अनाथ बच्चों के मामलों को लेकर डीसी से मिली मिशन बदलाव टीम

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला जिला के भरनो प्रखंड के आमलिया गावं के चार बच्चे कोरोनाकाल में अनाथ हुए बच्चे गंभीर परीस्थितियों में जीवन जीने को है विवश। आज मिशन बदलाव टीम से सैयदा खातुन, जयोति ग्लोरिया कुजूर और ज्योति वर्मा के नेतृत्व में डीसी से मिला और बताया कि कोरोना कहर से प्रभावित हुए बच्चे आज तक सरकारी योजनाओं से महरुम है। जो परिवार के 4 बच्चे अनाथ हो गए हैं वे अपनी जीविकोपार्जन से लेकर पढ़ाई को संघर्ष कर रहे है अब उनकी परवरिश और भरण पोषण भगवान भरोसे है। मासूम बच्चों खेलने की उम्र में ही अपनी मां पिता के अंतिम संस्कार से लेकर श्राद्ध कर्म तक अपनी आंखों से देखा है,सैयदा खातुन, ज्योति वर्मा और ज्योति ग्लोरिया ने कहा बताया की सरकार से इन्हें कोई सरकारी मदद नहीं मिल पाई है। वहीं,मिशन बदलाव के प्रतिनिधि मंडल ने डीसी को मामलों से अवगत कराते हुए कहा कि अनाथ बच्चों को सरकारी योजना से जोड़कर लाभांवित किया जाय है और डीसी ने कहा कि इन बच्चों के परिवार का कोई और सदस्य देखभाल की जिम्मेदारी लेता है तो इनके भरण पोषण के हर महीने 2000 रुपये प्रति बच्चों के हिसाब से 18 वर्ष तक दिया जाएगा।

पर्यवेक्षिका पर अयोग्य लाभुकों को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ दिलवाने का आरोप

जांच में रिश्वत लेकर लाभ दिलाने की हुई पुष्टि, डीसी को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। विश्रामपुर बाल विकास परियोजना कार्यालय की ओर से संचालित कजरू कला पंचायत के दो आंगनबाड़ी केंद्रों में बड़े पैमाने पर अनियमितता बरते जाने का मामला प्रकाश में आया है। परियोजना कार्यालय की पर्यवेक्षिका पर रिश्वत लेकर अयोग्य लाभुकों को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का लाभ दिये जाने का खुलासा हुआ है। विगत 18 फरवरी को डीसी की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की मासिक समीक्षात्मक बैठक के दौरान सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना में अनियमितता बरते जाने की बात संज्ञान में भी लाया गया था। जिसके बाद विश्रामपुर परियोजना की उपलब्धता प्रतिशत सभी अन्य परियोजनाओं से काफी ज्यादा 127 प्रतिशत रहने के कारण विश्रामपुर परियोजना के कुछ पंचायतों में जाकर वहां के लाभुकों के स्थलीय की जांच कर सत्यापन भी कराया गया। जिसमें पाया गया कि विश्रामपुर परियोजना अंतर्गत कार्यरत महिला पर्यवेक्षिका मीना देवी, जो पूर्व में सेविका थी और प्रोन्नति पाकर महिला पर्यवेक्षिका बनी है। उन्होंने बड़े पैमाने पर अयोग्य लाभुकों को योजना का लाभ दिलवाया है। कजरू कला 2 की सेविका तारा देवी से इस संबंध में जांच दल द्वारा पूछे जाने पर बताया कि लाभुक बालिकाओं का आवेदन भी उनकी ओर से गलतफहमी में भरा गया है। वहीं इस संबंध में पर्यवेक्षिका मीना देवी से पूछने पर उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। उल्टे उन्होंने यह कहा कि जांच तो प्रतिदिन होता है। इससे उनका कुछ बिगड़ने वाला नहीं है। ऊपर से नीचे तक पैसा का खेल चल रहा है। ले-देकर पूरे मामले को रफा दफा करा लिया जायेगा। वहीं, जांच टीम को केंद्र की सेविका व पर्यवेक्षिका मीना देवी 12 आवेदकों का मूल शैक्षणिक प्रमाण पत्र व लाभुकों का आधार कार्ड भी उपलब्ध नहीं करा पाई। कई अन्य लाभुकों के मूल प्रमाण पत्र से मिलान करने पर पाया गया कि योजना से लाभान्वित करने के लिए कई आवेदकों के शैक्षणिक प्रमाण पत्र व आधार संख्या से छेडछाड़ किया गया है। साथ ही पर्यवेक्षिका मीना देवी व आंगनबाड़ी सेविका तारा देवी द्वारा यह भी स्वीकार किया गया कि 12 अयोग्य लाभुकों का आवेदन गलती से समर्पित हो गया है। जिसे बाल विकास परियोजना पदाधिकारी के हस्ताक्षर के बगैर जिला कार्यालय को भेजा दिया गया हैं। आंगनबाड़ी केंद्र कजरूकला-1 अंतर्गत समर्पित आवेदन पत्रों की जांच की गई तो पता चला कि 18 से 19 वर्ष वर्ग में एक लाभुक 19 वर्ष से अधिक उम्र का है। उक्त दोनों केंद्रों से संबंधित आवेदन पत्रों में किसी भी आवेदन पत्र पर बाल विकास परियोजना पदाधिकारी का हस्ताक्षर पर्यवेक्षिका मीना देवी द्वारा नहीं कराया गया। बल्कि सीधे अपने हस्ताक्षर से जिला कार्यालय को आवेदन भेजा गया, जो अत्यन्त गंभीर मामला है। इस संबंध में ग्रामीणों द्वारा पलामू डीसी को आवेदन देकर पूरे मामले की जांच करते हुए इसमें संलिप्त लोगों पर कार्रवाई की मांग की गई है। इधर, प्रवेक्षिका मीना देवी ने कहा कि आरोग्य लाभूकों का चयन हुआ है, जिसे हटाने को लेकर विभागीय कार्यालय को सूचना दी गई है। इसमें किसी प्रकार की संलिप्तता नहीं है। लोगों द्वारा लगाया गया आरोप बेबुनियाद है।

कांग्रेसी नेता रुद्र शुक्ला ने की डीडीसी से मुलाकात

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। पांकी विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी रुद्र शुक्ला ने पलामू जिला में नव पदस्थापित डीडीसी मोहम्मद शब्बीर अहमद से उनके कार्यालय में जाकर मुलाकात की। पुष्प गुच्छ देकर स्वागत करते हुए बधाई दी है। साथ ही पांकी विधानसभा से संबंधित जन समस्याओं से डीडीसी को अवगत कराया।

स्कूली छात्राओं के बीच साइकिल वितरित की

विश्रामपुर/पलामू (आजाद सिपाही)। विश्रामपुर प्रखंड के कई सरकारी स्कूल की छात्राओं के बीच बुधवार को साइकल वितरित किया गया। बतौर मुख्य अतिथि जिला पार्षद विजय रविदास छात्राओं को साइकिल सौंपा। उन्होंने कहा कि साइकल मिल जाने से ग्रामीण छात्राओं को स्कूल आने जाने में काफी सहूलियत होगी। कहा कि सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं को शत प्रतिशत धरातल पर उतरना हमारी प्राथमिकता में है। हमारा प्रयास है कि योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे। इस मौके पर कल्याण पदाधिकारी, उप प्रमुख सतेंद्र सिंह सहित कई लोग उपस्थित थे।

विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ डीसी ने की बैठक, कई मुद्दों पर चर्चा

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी शशि रंजन की अध्यक्षता में बुधवार को सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। इस दौरान सभी विधानसभा क्षेत्र में सत्यापन के दौरान जर्जर या क्षतिग्रस्त पाए गए मतदान केंद्र भवनों के स्थल परिवर्तन से संबंधित प्रस्ताव पर विचार-विमर्श किया गया एवं सभी राजनीतिक दलों से सहमति प्राप्त की गयी। वर्तमान में आयोग के स्तर से प्राप्त मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त प्रशिक्षण कार्यक्रम 2024 के पूर्व पुनरीक्षण गतिविधियों के तहत मतदान केंद्रों के पुनर्गठन आवश्यकतानुसार जर्जर या क्षतिग्रस्त भवनों के परिवर्तन की कार्रवाई की जानी है, जिसके लिये सभी विधानसभा क्षेत्र में सभी मतदान केंद्रों का भौतिक सत्यापन करते हुए संबंधित ईआरओ/एईआरओ के स्तर से आवश्यकतानुसार प्रतिवेदन समर्पित किया गया है। इसके संबंध में जानकारी प्रदान करने के लिए आयोग के स्तर से जिला स्तर पर सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की बैठक आयोजित की गयी। जिसमें विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र में 01, छतरपुर विधानसभा क्षेत्र में 01 एवं हुसैनाबाद विधानसभा क्षेत्र में 07 मतदान केंद्रों का भवन जर्जर/ क्षतिग्रस्त होने एवं अन्य कारणों से स्थल परिवर्तन का प्रस्ताव अनुमोदन के लिए आयोग को भेजने की पहल की गयी।

एनसीपी व टीम सूर्या ने हुसैनाबाद में की एक बूथ 10 यूथ कार्यक्रम की शुरुआत

युवाओं के साथ बैठक कर प्रत्येक बूथ स्तर पर 10-10 युवाओं को जोड़ने का लिया संकल्प

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। एनसीपी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक कमलेश सिंह के निर्देश पर बुधवार को हुसैनाबाद स्थित कार्यालय में युवा एनसीपी व टीम सूर्या के कार्यकर्ताओं की बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता युवा एनसीपी के अनुमंडल अध्यक्ष अभिषेक उर्फ हरि सिंह व संचालन युवा प्रखंड अध्यक्ष ओमप्रकाश राजवंशी ने किया। बैठक में युवा एनसीपी के संगठन पर विस्तृत चर्चा हुई। इसके बाद प्रत्येक बूथ स्तर पर 10-10 युवाओं को जोड़ने का सभी ने संकल्प लिया। अनुमंडल अध्यक्ष हरि सिंह ने कहा कि इसकी शुरूआत हुसैनाबाद प्रखंड से की गई है। युवा एनसीपी व टीम सूर्या के युवा कार्यकर्ता प्रखंड अध्यक्ष ओम प्रकाश राजवंशी के मार्गदर्शन ने सभी 22 पंचायतों में क्रमवार बैठक कर इस अभियान को आगे बढ़ायेंगें। हरि सिंह ने कहा कि हुसैनाबाद में शुरूआत करने के बाद अन्य प्रखंडों में भी युवा एनसीपी व टीम सूर्या के कार्यकर्ताओं की संयुक्त बैठक कर एक बूथ 10 यूथ अभियान चला कर युवाओं को जोड़ने की मुहिम चलाई जाएगी। कहा कि आज भी एनसीपी का संगठन सभी बूथों तक है। इसे और मजबूत करने के उद्देश्य से युवाओं को जोड़ने का काम शुरू किया गया है। कहा कि सभी बूथों पर 10-10 युवाओं को जोड़ने के बाद विधायक व युवा नेता सूर्या सिंह की मौजूदगी में सम्मेलन आयोजित होगा। इस मौके पर योगेंद्र कुमार सिंह, विनय पासवान, ओमप्रकाश राजवंशी, नगर अध्यक्ष रविंद्र कांस्यकार, रजनीश कुमार सिंह, गोरख पासवान, गुड्डू पाल, गोल्डन ठाकुर, रमेश प्रजापति, विनोद चौधरी, बबलू यादव, जिसान हसन, जितेंद्र पासवान, उमेश बैठा, सोनू सिंह, राजन सिंह, अभिमन्यु सिंह, कार्तिक राजवंशी, अखिलेश पाल और अभिषेक सिंह आदि उपस्थित थे।

पर्यावरणविद कौशल किशोर ने अजरबैजान से किया निःशुल्क पौधरोपण व वितरण अभियान का शुभारंभ

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। अजरबैजान की राजधानी बाकू के एक होटल मेरीओट में आयोजित सम्मान समारोह में भारत से आये वैसे प्रख्यात लोगों को सम्मानित किया गया जो समाजसेवा के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा व परिश्रम के बल पर एक अलग पहचान बनाई व ख्याति प्राप्त की है। सम्मान समारोह का शुभारंभ अजरबैजान के पर्यटक निदेशक विश्व के साउथ ईस्ट रौशन व झारखंड के पलामू जिले के लाल ट्री मैन से विख्यात विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्म गुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल ने अपनी पत्नी सह मुखिया पूनम जायसवाल एवं खडवानी और मौनिका लुइस के साथ संयुक्तरूप से किया। समारोह के उद्घाटन के बाद पर्यावरण धर्म के तहत अतिथियों को पौधा देते हुए पर्यावरणविद ने कहा कि दुनिया को बड़ी दुर्घटना होने से बचाना है तो विश्व के सभी लोगों को पर्यावरण धर्म के आठ मूल मंत्र को अपनाना होगा। अगर उनकी बातों की अनदेखी की गयी तो डायनासोर की तरह धरती और ब्रह्मांड के 84 लाख जीवन की ईहलीला समाप्त होने में देर नहीं लगेगी।

उन्होंने इससे पहले निःशुल्क पौधा वितरण व रोपन के 58वां वर्ष और पर्यावरण धर्म और वनरखी मूवमेंट के 48 वां वर्ष पूरा होने पर वृक्षों पर रक्षाबंधन कर वर्ष 2024 के पौधरोपण व वितरण अभियान का शुभारंभ किया। पिछले वर्ष इस अभियान की शुरूआत पर्यावरणविद कौशल ने सिंगापुर व मलेशिया से किया था।

स्पोर्ट्स

टी-20 जीतने के बाद भारतीय खिलाड़ी गुरुवार की सुबह विशेष विमान से भारत लौट रहे हैं।

टी-20 वर्ल्ड कप विजेता टीम इंडिया के ग्रैंड वेलकम की तैयारी

सुबह पीएम के साथ ब्रेकफास्ट, फिर मुंबई में रोड-शो, शाम को वानखेड़े में सम्मान

मुंबई (एजेंसी)। टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टीम इंडिया गुरुवार की सुबह 5 से 6 बजे के बीच बारबाडोस से दिल्ली पहुंचेगी। देश में टीम के ग्रैंड वेलकम की तैयारी की जा रही है। यह स्वागत 17 साल पहले टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली धोनी की बिग्रेड की तरह ही होगा। टीम इंडिया एयरपोर्ट से पहले होटल जाएगी। इसके बाद पीएम आवास पहुंचेगी। मोदी के साथ ब्रेकफास्ट करेगी। इसके बाद मुंबई रवाना होगी। यहां भी 2007 में पहला वर्ल्ड कप जीतने वाली धोनी की टीम के तर्ज पर शाम पांच बजे नरीमन पॉइंट से वानखेड़े स्टेडियम तक ओपन रूफ बस में टीम की विक्ट्री परेड होगी। फिर सम्मान समारोह में कैश प्राइज दिया जाएगा। टीम इंडिया तूफान की वजह से बारबाडोस में तीन दिन फंसी रही थी। बीसीसीआइ ने खिलाड़ियों को लाने के लिए स्पेशल विमान भेजा है। इस प्लेन का नाम 'चैंपियंस 24 वर्ल्ड कप' रखा गया है। वाइस प्रेसिडेंट राजीव शुक्ला ने बताया कि खिलाड़ियों के अलावा हम वहां फंसे मीडिया कर्मियों को भी वापस ला रहे हैं।

विक्ट्री परेड में हमारा साथ दें : जय शाह

बीसीसीआइ के सचिव जय शाह ने एक सोशल पोस्ट में लिखा- टीम इंडिया के ऑनर में होने जा रही विक्ट्री परेड में हमारा साथ दें और गुरुवार शाम 5 बजे मरीन ड्राइव और वानखेड़े में हमारे साथ सेलिब्रेट करें। गौरतलब हो कि साल 2019 में पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी ने एक कार्यक्रम में 2007 की वर्ल्ड चैंपियन टीम के यादगार स्वागत को याद किया था। धोनी ने उन पलों को याद करते हुए कहा था- 'हम 2007 में (टी20) वर्ल्ड कप जीतकर भारत आए और हमने खुली बस में यात्रा की और हम मरीन ड्राइव (मुंबई) में खड़े रहे। हर तरफ जाम लगा था और लोग हमारे स्वागत के लिए अपनी कारों में आए थे। मुझे हर किसी के चेहरे पर खुशी देखकर अच्छा लगा था, क्योंकि फैंस में कई ऐसे लोग रहे होंगे, जिनकी उड़ान छूट गई होगी, हो सकता है कि वे किसी महत्वपूर्ण काम से जा रहे हों। वह शानदार स्वागत था। पूरा मैरीन ड्राइव एक छोर से दूसरे छोर तक भरा था।'

आकांक्षी जिला व प्रखंड में संपूर्णता अभियान के शुभारंभ को लेकर डीडीसी ने की बैठक

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। पलामू डीडीसी शब्बीर अहमद ने बुधवार को समाहरणालय सभागार में आकांक्षी जिला और आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम के अंतर्गत संपूर्णता अभियान की तैयारी से संबंधित बैठक की। जिसमें संपूर्णता अभियान कार्यक्रम के लांचिंग डीसी से अनुमोदन के बाद 4 से 6 जुलाई के बीच करने का निर्णय लिया गया। इसके तहत जिले के आकांक्षी प्रखंड हरिहरगंज में तय तारीख को संपूर्णता अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। आकांक्षी प्रखंड हरिहरगंज अंतर्गत संपूर्णता अभियान में हेल्थ न्यूट्रीशन, एग्रीकल्चर एवं सोशल डेवलपमेंट से संबंधित 6 इंडिकेटर पर शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति के लिए आवश्यक निर्देश दिये गये। वहीं डीडीसी ने संबंधित अधिकारियों को आकांक्षी प्रखंड हरिहरगंज एवं आकांक्षी जिला पलामू में संपूर्णता अभियान कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए आवश्यक निर्देश दिये। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नई दिल्ली नीति आयोग की ओर से निर्धारित इंडिकेटर पर शत-प्रतिशत सैचुरेशन करना है। आकांक्षी जिला अंतर्गत संपूर्णता अभियान में हेल्थ एंड न्यूट्रीशन, एग्रीकल्चर एवं एजुकेशन समेत विभिन्न 6 बिंदुओं पर योजनाओं का क्रियान्वयन करते हुए शत-प्रतिशत सैचुरेशन करना है। हेल्थ एंड न्यूट्रीशन के अंतर्गत उप विकास आयुक्त ने गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत एएनसी रजिस्ट्रेशन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। शत-प्रतिशत गर्भवती महिलाओं का एएनसी रजिस्ट्रेशन कराने की दिशा में समाज कल्याण एवं स्वास्थ्य विभाग को समन्वय स्थापित कर कार्य करने का निर्देश दिया।मौके पर जिला योजना पदाधिकारी अविनाश कुमार,कृषि पदाधिकारी विवेक बिरुवा,जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ असीम, पशुपालन पदाधिकारी, पिरामिल फाउंडेशन से डिस्ट्रिक्ट लीड अनिल समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

अपराधियों को जल्द गिरफ्तार नहीं किया गया तो होगा बड़ा आंदोलन: धनंजय सोनी

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। पलामू जिला अंतर्गत 21 प्रखंडों के स्वर्णकार व्यवसाय से जुड़े व्यापारी की बैठक मंगलवार को एंबीशन कंप्यूटर सेंटर स्टेशन रोड में संपन्न हुई। पलामू जिले के कुछ प्रखंड पांकी, नावा, छतरपुर और सतबरवा में पिछले तीन महीने में लूटपाट, चोरी, छिनताई की घटना हुई है। विगत 30 जून को छतरपुर प्रखंड में ब्रिज बिहारी सोनी के दुकान बंद करने के क्रम में तीन बाइक सवार बदमाशों द्वारा 50 लाख रुपए मूल्य के गहनों से भरे झोला की चोरी कर ली गयी थी। इन्हीं समस्याओं को लेकर प्रदेश अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद जौहरी एवं जिला अध्यक्ष धनंजय सोनी की अध्यक्षता में जिला प्रशासन पुलिस अधीक्षक को अपराध को रोकने के लिए ज्ञापन सौंपा गया। चेतावनी दी गयी कि पलामू जिला प्रशासन द्वारा 72 घंटे के अंदर अपरादियों को नहीं पकड़ने पर पलामू जिला स्वर्णकार संघ की ओर से बड़े आंदोलन की की बात कही गयी है। इस मौके पर स्वर्ण व्यवसाय से जुड़े, ब्रिज बिहारी सोनी, अशोक सोनी, धर्मेंद्र सोनी, अजय सोनी, उदय सोनी, गुड्डू वर्मन, हिमांशु कौशल सोनी, अमित वर्मा, बजरंगी सोनी, शिवम सोनी, रंजीत सोनी, मिलन सोनी, संतोष सोनी, प्रेम सोनी आदि मौजूद थे।

नियमित योग करने से होंगे निरोग : ममता

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। संत मरियम स्कूल के छात्रावास परिसर में योग का आयोजन किया गया। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में पतंजलि महिला इकाई की राज्य कार्यकारिणी सदस्य ममता सिन्हा उपस्थित रहीं। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि योग को दैनिक दिनचर्या में शामिल करने से शरीर स्वस्थ रहता है, वहीं मानसिक तनाव दूर होता है। साथ ही, व्यक्ति की बुद्धि कुशाग्र होती है। आप सभी निश्चित रूप से योग के परिणाम को बीतते समय के साथ अपने व्यवहार, मस्तिष्क के विकास सहित अनेक चीजों में महसूस करेगें। उन्होंने ने कहा कि बच्चों के साथ प्रतिदिन विद्यालय के चेयरमैन अविनाश देव का उठना एवं उनके साथ में योग करना, एक बेहतर अभिभावक की अनुभूति कराता है। ऐसे कार्यों से निश्चित रूप से बच्चे अभिभावक के रूप में जुड़ते हैं और उनका आत्मीय लगाव भी बढ़ता है। साथ ही वे अपनी मूल समस्याओं को आसानी से उन तक पहुंचा पाते हैं। बच्चों के साथ दैनिक दिनचर्या की शुरूआत बच्चों और संस्थान के लिए बेहद गर्व की बात है। वहीं, संत मरियम स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव ने कहा कि योग के साथ संत मरियम स्कूल के छात्रावास के बच्चे आर्चरी, कराटे, संगीत, निशानेबाजी आदि खेलों का भी नियमित अभ्यास करते हैं। पलामू जैसे क्षेत्रों में विद्यालय प्रबंधन का यह प्रयास है कि बच्चे अपने रुचि के अनुसार विभिन्न खेलों के क्षेत्र में पलामू का नाम राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रौशन करें। मौके पर छात्रावास के सभी बच्चे उपस्थित रहे।

प्रोजेक्ट रेल परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को प्रधानाध्यापक ने किया पुरस्कृत

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। रांची के झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद प्रोजेक्ट रेल परीक्षा में उत्तीर्ण विभिन्न वर्ग के विद्यार्थियों को हुसैनाबाद मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक कन्हैया प्रसाद ने एक समारोह आयोजित कर पुरस्कृत किया। प्रधानाध्यापक ने कहा कि विभाग का यह प्रयास सराहनीय है। बच्चों में पढ़ाई लिखाई के प्रति अभिरुचि बढ़ रही है। उल्लेख्य है कि 2024-25 सत्र के आरंभकाल में चार सप्ताह तक पिछले वर्ग से ही प्रश्न पूछे जायेंगे। शिक्षक भी सिलेबस के मुताबिक एक सप्ताह की पढ़ाई पूरी तैयारी के साथ कर रहें हैं और अच्छा फीडबैक मिल रहा है। विभिन्न वर्गों से उत्कृष्ट अंक लानेवाले तीन लड़कों को पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर सहायक शिक्षक मो जुबैर अंसारी, राजेश कुमार गुप्ता, राजेश कुमार, प्रमोद मेहता, पुष्पा कुमारी, आशा कुमारी, पूनम कुमारी और रश्मि प्रकाश उपस्थित थीं।

हाथरस कांड में मृतकों के परिजनों को 20-20 लाख मुआवजा व नौकरी दे सरकार : कमलेश

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। उत्तर प्रदेश के हाथरस में सत्संग के दौरान हुई घटना का राजद नेता कमलेश यादव ने कड़े शब्दों में निंदा करते हुए मृतक के परिजनों को 20-20 लाख रुपये मुआवजे के साथ सरकारी नौकरी देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सत्संग के दौरान भगदड़ मचने से करीब 120 लोगों की मौत हुई है। जो काफी हृदय विदारक घटना है। अव्यवस्था के कारण ही इतनी बड़ी घटना हुई। वहीं सरकार मृतक के परिजनों को मात्र 2-2 लाख रुपये देने की घोषणा कर प्रलोभन दे रही है। मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा मिलना चाहिए। साथ ही नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा पर प्राथमिकी दर्ज कर जल्द ही गिरफ्तारी होनी चाहिए।

गिरिडीह सांसद ने दिल्ली स्थित आवास पर केंद्रीय मंत्री से मिलकर किया अनुरोध

झारखंड में पलायन रोकने को सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम को बढ़ावा दें: चंद्रप्रकाश चौधरी

मिला आश्वासन, जल्द ही झारखंड आयेंगे जीतन राम मांझी

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी से नई दिल्ली में मिलकर उनके साथ झारखंड में लघु व सूक्ष्म उद्योग को बढ़ावा देने और ज्यादा से ज्यादा प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने के अलावा रोजगार के अवसर पैदा करने को लेकर चर्चा की। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं को झारखंड में गंभीरता और कुशलता के साथ चलाने की जरूरत है। यहां के नौजवानों को रोजगार मिले इसको लेकर व्यावहारिक रूप से ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि योजनाओं का क्रियान्वयन व्यावहारिक रूप से किया जाना आवश्यक है। विभाग अंतर्गत जितनी भी योजनाएं हैं उसको धरातल पर उतारकर लोगों को व्यापक रूप से जोड़े जाएं। उन्होंने कहा कि ऐसा होने पर ही झारखंड में पलायन को रोका जा सकेगा। बातचीत के क्रम में केंद्रीय मंत्री ने शीघ्र झारखंड दौरा करने की बात भी कही। इससे पहले सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने नरेंद्र मोदी सरकार में उन्हें केंद्रीय मंत्री बनाए जाने पर बधाई दी।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी से दिल्ली में मुलाकात कर पुष्प भेंट करते गिरिडीह के सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी।

राज्यपाल रघुवर दास से मिले अनिल अग्रवाल

करगली/बेरमो (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने ओड़िशा के राज्यपाल रघुवर दास से शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर अनिल अग्रवाल ने राज्यपाल के साथ विभिन्न विषयों पर चर्चा की और संगठन के कार्यों के बारे में बताया। वहीं, राज्यपाल ने संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस पर अनिल अग्रवाल ने बताया कि अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के संगठन कार्य के लिए ओडिशा आया था, इसी क्रम में राज्यपाल से मिलना हुआ।

Office of the Executive Engineer
Water Ways Division,Hazaribagh.

Very short notice invitinge- quotation

Ref :- WRD/WWDivision,Hazaribag/Quotation-01/2024-25 (2nd Call) Dated-03.07.2024
Office Email Id- eewwdhbg-ceh-jhr@nic.in

Government of Jharkhand through its public works Department PWD is engaged in framing/revision ofSchedule of Rates as part of the endeavour quotations through e- tender are invited for rate of items material and hire charges of P&M (including POL) annexed as Annexure-I & Annexure-II for construction works from quarry owners/crusher owners/Reputed manufacturer/Authorised dealers/suppliers and other stakeholders authorised for respective items having validGSTIN of materials. The rate confirming two specifications for inclusion in the schedule of Rates for government of Jharkhand to be used in different civil construction/Infrastructure works and repair works shall be submitted online in the websitewww.jharkhandtenders.inDetails of material and its specifications are available on the abovee-tender portal. The quotationer may download the documents from the website and quote their rate of materials online from.03.07.2024 at 15.00 hours to 10.07.2024 at 15.00hrs.

The quotation will be opened on 11.07.2024 at 15.30 hours.The quotation is invited to ascertain an access the rate of materials as per with lowest market rate for framing of schedule of rate.

Executive Engineer
Water Ways Divsion,
Address.-Water Ways Divsion, Hazaribag
Mobile number-7280967608
Email Id-eewwdhbg-ceh-jhr@nic.in

PR 328534 Water Resource(24-25).D

लूटकांड का उद्भेदन, छह गिरफ्तार, सामान भी बरामद

अपराधियों की गतिविधियों पर नजर रखना हमारी पहली प्राथमिकता: एसएसपी

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। मनियाडीह थाना अंतर्गत बस्तीकुल्ही स्थित सुकर मुर्मू के घर अज्ञात अपराधकर्मियों द्वारा हथियार का भय दिखाकर कीमती जेवरात एवं नगद रुपये लूट करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। घटना की जांच के लिए वरीय पुलिस अधीक्षक पी जनार्दन के निर्देश पर एक टीम गठित की गयी थी। जिसमें पुलिस उपाधीक्षक संदीप कुमार गुप्ता, टुंडी अंचल के पुनि साजिद हुसैन, मनिमातीम थाना प्रभारी शिव कुमार, पुअनि अजय कुमार सिंह सह अनुसंधानकर्ता, पुअनि संजय कुमार कुशवाहा, पुअनि जगदीश टोप्पो, सअनि धर्मनाथ सिंह, आ-801 संजीत राम, आ-650 सतीश कुमार आदि शामिल थे। सभी के सहयोग से लाटकांड में शामिल छह संदिग्ध बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया गया है। जिसमें प्रकाश कर्मकार नामक एक आरोपित भी शामिल है, जिसका पूर्व में भी अपराधिक इतिहास रहा है। डकैती के दौरान बदमाशों द्वारा लूटे गये सामानों के अलावा लूटकांड में इस्तेमाल एक बाइक भी बरामद की गयी है। पुलिस की मानें तो जब्त सामानों में सोने का एक लॉकेट, सोने का एक जोड़ा कान की बाली, सोने का एक बड़ा लॉकेट, सोने की नाक की नथुनी, चांदी का एक जोड़ा पायल, एक चंद्रहार, चांदी की चेन, एक कड़ी, बादी एक चुडी आदि बरामद किया गया है। इसके अलावा पांच स्मार्ट फोन भी बरामद किया गया है।

बीएलओ की ओर से घर-घर किये जा रहे सत्यापन कार्य में तेजी लाने का दिया निर्देश

द्वितीय एसएसआर 2024 के अंतर्गत चल रहे कार्यों की डीसी ने की समीक्षा

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। द्वितीय एसएसआर 2024 के अंतर्गत 25 जून से चल रहे प्री रिवीजन एक्टिविटी कार्यों को लेकर समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बुधवार को समीक्षा बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता डीसी माधवी मिश्रा ने की। इस दौरान घर-घर सत्यापन, बूथ रेशनलाइजेशन, लंबित फॉर्म 6, 7 एवं 8, एएमएफ समेत अन्य बिंदुओं पर समीक्षा की गई। डीसी ने सभी इआरओ एवं एइआरओ को कार्य में प्रगति लेन का निर्देश दिया। गौरतलब हो कि द्वितीय एसएसआर 2024 के अंतर्गत 25 जून से प्री रिवीजन एक्टिविटी प्रारंभ है। जिसके तहत बीएलओ घर-घर जा कर सत्यापन का कार्य कर रहें हैं। मौके पर डीआरडीए निदेशक राजीव रंजन, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, एडीएम लॉ एंड आर्डर हेमा प्रसाद, एडीएम सप्लाई जियाउल अंसारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप शुक्ला, डीसीएलआर संतोष गुप्ता, अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा आदि मौजूद थे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
लघु सिंचाई प्रमंडल, हजारीबाग

पत्रांकः– 725 हजारीबाग / दिनांकः– 01 / 07 / 2024

शुद्धि पत्र

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय के पत्रांक 631 दिनांक 13.06.2024 के द्वारा निर्गत ई – निविदा आमंत्रण सूचना संख्या DMFT/MID/HAZARIBAG/F2-05/2024-25 पी0आर0न0– 326353 Minor Irrigation (24-25) D द्वारा प्रकाशित निविदा अपरिहार्य कारण वश आंशिक रूप से निम्नवत् संशोधित किया जाता है।

1). बेवसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय – 15.07.2024 at 03:00 PM
2). ऑन लाईन ई–निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय – 24.07.2024 at 05:00 PM
3). ऑन लाईन निविदा शूल्क एवं अग्रधन की राशि जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय – 24.07.2024 at 05:00 PM
4). ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 26.07.2024 at 03:00 PM

अन्य कंडिकाएँ एवं शर्त्ते पूर्ववत् रहेगी।

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, हजारीबाग

PR 328455 Minor Irrigation(24-25).D

भाजपा की विजय संकल्प सभा को लेकर बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। विधानसभा क्षेत्र में आठ जुलाई को आयोजित होने वाले विजय संकल्प सभा एवं कार्यकर्ता सम्मान समारोह को सफल बनाने को लेकर बुधवार को झरिया के पोद्दारपाड़ा स्थित आरएस पैलेस प्रांगण में बैठक हुई। जिसकी अध्यक्षता धनबाद जिला अध्यक्ष श्रवण राय ने की। बैठक में झरिया विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख पदाधिकारियों और कार्यकर्ता मौजूद थे। इस दौरान मुख्य रूप से कार्यक्रम की प्रभारी भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रागिनी सिंह के अलावा प्रदेश मंत्री सरोज सिंह एवं योगेंद्र यादव भी उपस्थित थे। बैठक में विजय संकल्प सभा एवं कार्यकर्ता सम्मान समारोह को सफल बनाने को लेकर चर्चा करते हुए पदाधिकारियों को कई निर्देश दिए गए। जिसमे छह जुलाई को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर विधानसभा स्तरीय संगोष्ठी एवं आठ जुलाई को विजय संकल्प एवं कार्यकर्ता सम्मान समारोह को लेकर कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। वहीं 20 जुलाई को रांची के मोहराबादी मैदान में वृहद कार्यसमिति के आयोजन को लेकर भी निर्देश दिया गया। जिसमे बड़ी संख्या में जिला एवं मंडल स्तर के सभी पदाधिकारियों-कार्यकर्ताओं को शामिल होनेकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया गया। मौके पर प्रदेश कार्यसमिति सदस्य राज कुमार अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष उमेश यादव ओबीसी मोर्चा, जिलाध्यक्ष शैलेश सिंह, चंद्रवंशी जिला मंत्री पूनम देवी, राज किशोर जैना, विष्णु त्रिपाठी, सत्यदेव सिंह, बस्ता कोला मंडल अध्यक्ष संतोष शर्मा, झरिया नगर अध्यक्ष अरुण साव, लोदना मंडल अध्यक्ष राजा राम पासवान, जोरा पोखर मंडल अध्यक्ष, अभिषेक पाण्डेय अनिल शर्मा, वीरेंद्र वर्मा, विशाल श्रीवास्तव, उचित महतो, अजय निषाद आदि मौजूद थे।

कार्यालय जिला परिषद, हजारीबाग

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना संख्या :– 04 / 2024–25

दिनांक 01 / 07 / 2024

मद का नाम :– पुलिस विभाग सुदृढ़ीकरण मद

क्र0	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	अग्रधन की राशि	योजना पूर्ण करने की तिथि
1	2	3	4	5	6
1	Construction of Potahut (64X27) 24 Beds-01 nos and Saptic Tank and Soak Pit - 01 nos in Bishnugarh P.S., Potahut (64X27) 24 Beds-01 nos and Saptic Tank and Soak Pit - 01 nos in Pandu Picket, Keredari P.S., Potahut (64X27) 24 Beds-01 nos and Saptic Tank and Soak Pit - 01 nos in T.P-6 Picket, Katkamdag P.S., Potahut (64X27) 24 Beds-01 nos and Saptic Tank and Soak Pit - 01 nos in Churchu P.S., Potahut (64X27) 24 Beds-01 nos and Saptic Tank and Soak Pit- 01 nos in Chouparan P.S. of District - Hazaribag	15992946.00	10000.00	320000.00	नौ माह

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि 06.07.2024
2. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय 07.07.24 से 16.07.2024 अपराहन् 5:00 बजे तक।
3. निविदा खोलने का स्थान– जिला परिषद, हजारीबाग।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय 18.07.2024 पूर्वाहन् 10:00 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता – जिला अभियंता, जिला परिषद, हजारीबाग।
6. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0–06546 261406 ई–मेल – districtboardhazaribag@gmail.com
8. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।
9. निविदा की शर्तें कार्यालय के सूचना पट्ट या www.jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

जिला अभियंता,
जिला परिषद, हजारीबाग

PR 328480 District (24-25)_D

मुखिया ने स्कूल बच्चों में बांटी स्कूल सामग्री

एग्यारकुंड (आजाद सिपाही)। दक्षिण पंचायत स्थित मध्य विद्यालय एग्यारकुंड-निरसा तीन में बुधवार को स्कूल सामग्री वितरण का आयोजन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में मुखिया अजय पासवान उपस्थित थे। उन्होंने प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार झा के कार्यों की सराहनीय की। कहा कि झारखंड शिक्षा परियोजना के तत्वाधान में विद्यालय किट योजना कक्षा एक से आठ तक के सभी विद्यार्थियों को सहायक स्टेशनरी सामग्री वितरण की जा रही है। उन्होंने कुल 401 बच्चों को स्कूल किट सौंपा। इस मौके पर वार्ड सदस्य छवि बाउरी, बालिका कोडा, अनीता बाउरी, पंपी खा, विदन मंडल, प्रमोद राव, प्रमोद कुमार झा व जमुना बाउरी आदि थे।

जल सहिया के साथ जिला प्रशासन का सौतेला व्यवहार अब बर्दाश्त नहीं: सचिन

बोकारो (आजाद सिपाही)। चास पेयजल एवं स्वच्छता विभाग में बोकारो ग्राम जल सहिया संघ की ओर से बकाया मानदेय भुगतान को लेकर बुधवार एक दिवसीय विरोध प्रदर्शन किया गया। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष शकुंतला देवी ने की। जल सहिया संघ को आजसू के बोकारो जिलाध्यक्ष सचिन महतो ने समर्थन करते हुए कहा कि जब पूरे झारखंड के सभी जिलों में जल सहिया का पिछला मानदेय का भुगतान कर दिया गया तो बोकारो जिला प्रशासन ने अभी तक भुगतान क्यों नहीं किया?। जिला प्रशासन समय रहते हुए जल सहिया का बकाया मानदेय जल्द भुगतान करें, अन्यथा आजसू सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी हमेशा नारी शक्ति के साथ खड़ी रही है। अगर उनके साथ सौतेला व्यवहार हुआ तो बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, आजसू के केंद्रीय महासचिव काशीनाथ सिंह ने कहा कि पार्टी हमेशा से नारी सशक्तिकरण की बात करती है। जल सहियाओ का नियोजन चंद्र प्रकाश चौधरी के मंत्री रहते किया गया था। पिछले चार सालों से जल सहिया का बकाया मानदेय का भुगतान जल्द करें नहीं तो आंदोलन के लिए बाध्य होंगें। इस मौके पर बोकारो जिला सचिव बंकु बिहारी सिंह, सुमित्रा मंडल, कविता झा, सरस्वती देवी, उषा देवी, कल्याणी कुमारी, पूजा देवी, मोनिका महतो, शोभा चक्रवर्ती सुनिता देवी, मीना देवी और ममता देवी आदि उपस्थित थीं।

नगर निगम में भ्रष्टाचार के खिलाफ धनबाद में आजसू का हल्ला बोल

सिर्फ वसूली और विकास में कोताही बरतने का अड्डा बना नगर निगम

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। नगर निगम में सिर्फ वसूली कर विकास कार्यों में कोताही बरतने का आरोप लगाते हुए बुधवार को आजसू ने धनबाद ननि कार्यालय के समक्ष हल्ला बोल कार्यक्रम आयोजित किया। जिसकी अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष दिलीप सिंह एवं संचालन केंद्रीय समिति सदस्य रतिलाल महतो ने किया। इस दौरान पार्टी के जिला अध्यक्ष मंटू महतो ने कहा कि निगम प्रबंधन होल्डिंग टैक्स की रसीद बिना सत्यापन के भारी भरकम राशि लेकर गलत तरीके से ले रही है। जमीन दाखिल खारिज के आवेदन का निष्पादन, पंजी टू में दर्ज जीरो प्लॉट पर आवश्यक कार्रवाई, बुआ आवास के लाभों के चयन में पारदर्शिता, मनरेगा योजना को वर्षों से पूरा कर मजदूरी भुगतान, गरीब छात्राओं को प्रमाण पत्र शीघ्रता से बनवाकर छात्रवृत्ति देना, 24 घंटे बिजली आपूर्ति आदि विभिन्न 5 सूत्री मांगों को लेकर यह कार्यक्रम आयोजित की गयी थी। इस दौरान वक्ताओं ने आरोप लगाया कि धनबाद नगर निगम भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। कार्यक्रम के माध्यम से चेतावनी दी गई कि अगर पदाधिकारी अपनी कार्यशैली में बदलाव नहीं लाते हैं तो पार्टी आंदोलन उग्र करने को विवश होगी। अंत में विभिन्न मांगों को लेकर 16 सूत्री ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा गया। इस मौके पर पार्टी के केंद्रीय सचिव राधेश्याम गोस्वामी, आजसू छात्र संघ के प्रदेश महासचिव विशाल महतो, जिला अध्यक्ष सदानंद महतो उर्फ मंटू महतो, कार्यकारी अध्यक्ष हालदार महतो, केंद्रीय सचिव अवधेश यादव, जिला संगठन सचिव वीरेंद्र सिंह, महानगर अध्यक्ष पप्पू सिंह और केंद्रीय सदस्य कुल्लू चौधरी आदि मौजूद थे।

झारखण्ड सरकार
कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी, रामगढ़

एतद् द्वारा रामगढ़ जिला अन्तर्गत बिहार/झारखण्ड सहकारी समितियॉं अधिनियम 1935 तथा अधिनियम 1996 तथा कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के पत्रांक 55/25.01.2022 के आलोक में निबंधित सभी मत्स्यजीवी सहयोग समिति को सूचित किया जाता है कि पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के परिपत्र सं0 114/18.01.1992, सहकारिता विभाग, झारखण्ड सरकार के परिपत्र सं0 1410/दिनांक 29.06.2011 एवं कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग) के परिपत्र सं0 1325/ दिनांक 11.10.2023 के आलोक मे वित्तीय वर्ष 2024 – 25 से 2026 – 27 की अवधि हेतु रामगढ़ जिला के ऐसे राजस्व जलकरों की अल्पकालीन बंदोबस्ती की जानी है, जिनकी बंदोबस्ती अवधि 31.03.2024 को समाप्त हो गई है अथवा जो पूर्व से अबन्दोबस्त है। सहकारिता विभाग, झारखण्ड सरकार के पत्रांक 1410/दिनांक 29.06.2011 के द्वारा अल्पकालीन बन्दोबस्ती के परिप्रेक्ष्य में अधिनियम 1935 एवं अधिनियम 1996 के अन्तर्गत निबंधित समितियों के भेद को समाप्त करते हुए उक्त दोनों प्रकार के समतियों को समतुल्य करार दिया गया है। तद्नुसार रामगढ़ जिले में कार्यरत सभी प्रखण्ड स्तरीय मत्स्यजीवी सहयोग समितियों/स्वावलम्बीं मत्स्यजीवी सहकारी समितियॉं/पंचायत स्तरीय समितियॉं से ऐसे जलकरों की अल्पकालीन बन्दोबस्ती (वित्तीय वर्ष 2024 – 25 से 2026 – 27) हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किया जाता है, जिसकी बन्दोबस्ती की जानी है एवं जो प्रस्ताव समिति के कार्यक्षेत्र में अवस्थित है। उक्त प्रस्ताव के आलोक में सहायक निबंधक, सहयोग समितियॉं/ जिला सहकारिता पदाधिकारी के द्वारा निर्गता स्वच्छता प्रमाण पत्र अधोहस्ताक्षरी को बन्दोबस्ती प्रस्ताव के साथ उपलब्ध कराया जाना अनिवार्य है। इसके पश्चात् ही बन्दोबस्ती पर विचार किया जाएगा। यदि कोई जलकर एक से अधिक मत्स्यजीवी सहयोग समितियों के कार्यक्षेत्र में आता है, तो ऐसी स्थिति में इन समितियों के बीच सीमित डाक कराकर उच्चतम बोली लगाने वाली समिति के साथ जलकर की बन्दोबस्ती की जाएगी।

जिले में कार्यरत सभी प्रखण्ड स्तरीय सहयोंग समिति (1935) एवं स्वावलम्बीं मत्स्यजीवी सहकारी समितियों (1996) कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के पत्रांक 55/25.01.2022 के आलोक में गठित पंचायत स्तरीय समितियों से बन्दोबस्ती का प्रस्ताव दिनांक 12.07.2024 तक कार्यालय अवधि में जिला मत्स्य कार्यालय, रामगढ़ में निम्नलिलिखत कागजातों के साथ जमा करना अनिवार्य होगा।

1. वर्ष 2023 – 24 में समिति के द्वारा सदस्यों के साथ की गई जलकरों की वितरण का प्रतिवेदन :–

क्र0सं0	वर्ष	जलकर का नाम	सदस्य का नाम	सदस्यता पंजी में कम संख्या	बन्दोबस्ती अवधि (सदस्य के साथ)

2. राजस्व जमा प्रतिवेदन / राजस्व बकाया रहित प्रमाण पत्र। (रसीद की छायाप्रति संलग्न करें।)
3. कार्यकारिणी समिति की आम सभी की कार्यवाही की छायाप्रति। (पारित प्रस्तावित जलकरों की सूची सहित)
4. अद्यतन अंकेक्षण प्रतिवेदन (2023 – 24)
5. विशेष आम सभा/ निर्वाचन प्रमाण पत्र की छाया प्रति।
6. सदस्यता सूची की सत्यापित छायाप्रति। (सहायक निबंधक/संबंधित प्रखण्ड सहकारिता पदाधिकारी के द्वारा)
7. सहायक निबंधक, सहयोग समितियॉं/जिला सहकारिता पदाधिकारी के द्वारा निर्गत स्वच्छता प्रमाण पत्र।
8. कार्यकारिणी का प्रस्ताव।
9. समिति के बैंक खाता का प्रथम पृष्ठ की छाया प्रति।

बन्दोबस्ती प्रस्ताव के साथ उपरोक्त कागजातों को जमा करने के पश्चात ही समितियों के साथ बन्दोबस्ती करने पर विचार करने पर विचार किया जाएगा। निर्धारित तिथि तक जिन की बन्दोबस्ती का प्रस्ताव समितियों के द्वारा सभी कागजातों/ अर्हताओं के साक्षय प्राप्त नहीं होने पर उक्त जलकरों की अल्पकालीन बंदोबस्ती खुले डाक से करने हेतु प्रक्रिया प्रारभ।

ह0/–
जिला मत्स्य पदाधिकारी,
रामगढ़

PR 328441 Fish (24-25)_D

ओड़िशा में वृद्धा, विधवा और निःशक्तों को प्रति माह मिलेंगे तीन हजार : नित्यानंद गोंड

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। राज्य की भाजपा सरकार अपने संकल्प पत्र के आधार पर गरीब लाभार्थियों को तीन हजार रुपये प्रति माह सामाजिक सुरक्षा भत्ता प्रदान करेगी। राज्य के सामाजिक सुरक्षा और दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नित्यानंद गोंड ने कहा कि वित्त विभाग के साथ चर्चा के बाद राशि बढ़ायी जायेगी। मंत्री गोंड ने कहा कि प्रदेश में वृद्धा, विधवा एवं निःशक्त भत्ता राशि को बढ़ाकर तीन हजार रुपये प्रतिमाह करने के लिए कदम उठाये जा रहे हैं। इस भत्ते के लिए बजट में कितना पैसा है, इस पर वित्त विभाग से चर्चा की जायेगी। मंत्री गोंड ने कहा कि वित्त विभाग की राय मिलने के बाद भत्तों में वृद्धि पर निर्णय जल्द लिया जायेगा।

2008 से मधुबाबू पेंशन योजना हो रही संचालित

गौरतलब है कि राज्य में पहले से दिये जा रहे बुजुर्ग एवं विधवा भत्ता को मिलाकर 2008 से मधुबाबू पेंशन योजना कार्यकारी है। इसमें 27 लाख 80 हजार 163 लोगों को पेंशन दी जा रही है। इसमें 60 से 79 वर्ष के बुजुर्ग को एक हजार रुपये, 80 वर्ष से अधिक को आयु वर्ग के बुजुर्ग को 1200 रुपये, विधवा, कुष्ठ मरीज, एचआइवी पीड़ित को एक हजार रुपये मिल रहा है। इस वर्ष फरवरी में तत्कालीन राज्य सरकार इस भत्ता को बढ़ाया था। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना में पांच सौ रुपये, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विकलांग पेशन योजना में 18 से 79 वर्ष के व्यक्ति को सात सौ रुपये भत्ता मिलता है। उल्लेखनीय है कि चुनाव से पहले भाजपा ने इन भत्तों को बढ़ाने के लिए घोषणा की थी। इसे अपने चुनावी घोषणापत्र में शामिल किया था। उसी हिसाब से अब पार्टी भत्ता बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू की है।

जाजपुर जिले में एसआइ पर ओड़िशा विजिलेंस का छापा, 5000 रुपये की रिश्वत ले रहा था

ओड़िशा सतर्कता विभाग ने बिंझारपुर पुराने पुलिस स्टेशन परिसर में उनके सरकारी क्वार्टर में छापा मारा

आजाद सिपाही संवाददाता

जाजपुर। एक चौंकाने वाली घटना में, जाजपुर जिले में एक एसआई पर ओड़िशा विजिलेंस का छापा पड़ा है, आरोप है कि वह 5000 रुपये की रिश्वत ले रहा था। आज थोड़ी देर पहले, केशव चंद्र दाश, पुलिस उप निरीक्षक (एसआई) बिंझारपुर पीएस, जिला-जाजपुर को ओड़िशा विजिलेंस ने गिरफ्तार किया है। ओडिशा सतर्कता विभाग ने बिंझारपुर पुराने पुलिस स्टेशन परिसर में उनके सरकारी क्वार्टर में छापा मारा, जहां वे एक शिकायतकर्ता से पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्रदान करने और 20.05.2024 को एक दुर्घटना में उसके पिता की मृत्यु के लिए आकस्मिक दावा दिलाने में मदद करने के लिए 5,000/- (पांच हजार रुपये) की रिश्वत मांग रहे थे और स्वीकार कर रहे थे। रिश्वत की पूरी रकम आरोपी दाश, एसआई के कब्जे से बरामद कर ली गयी है और जब्त कर ली गयी है। सफल ट्रैप के बाद, डीए एंगल से दाश, एसआई के तीन ठिकानों पर एक साथ तलाशी चल रही है। इस संबंध में कटक सतर्कता पुलिस थाना मामला संख्या 16 दिनांक 02.07.2024 यू/एस-7 पीसी (संशोधन) अधिनियम, 2018 पंजीकृत किया गया है। आरोपी दाश, पुलिस के एसआई के खिलाफ जांच जारी है। विस्तृत रिपोर्ट की प्रतीक्षा है।

पूर्व मध्य रेल

विविध वैद्युतिक कार्य हेतु ई-निविदा सूचना विद्युत/क.वि. विभाग के लिये खुली निविदायें

मंडल रेल प्रबन्धक/विद्युत/ पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **ई-निविदा संख्या : TRD-OT-04-NMGK QRDFCC-24-25, क्र.सं. :** 01, **कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि :** Shifting of KQR/F.P., Modification of HZD/TSS & NMG/F.P. in connection with "Shifting of TRD utility from Gomoh to Koderma due to Dedicated Freight Corridor Alignment". कार्य समापन की अवधि – (06) छः माह, **क्र.सं. :** 02, **कार्य के लिए प्राक्कलित राशि :** रू. 1,33,19,305.36/– निविदा प्रपत्र का मूल्य – शून्य/–, **क्र.सं. :** 03, **बिड सिक्युरिटी :** रू. 2,16,600/–, **क्र.सं. :** 04, **ई-निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय :** ई-निविदा बंद होने की तिथि 23.07.2024 को 11:00 बजे। ई-निविदा खुलने की तिथि 23.07.2024 को 11:30 बजे।, **क्र.सं. :** 05, **वेबसाईट का विवरण :** वेबसाईट : **http://www.ireps.gov.in.** ई-निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

मंडल रेल प्रबंधक/क.वि.
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/0618/डीएवएन/ईटीआरडी/टी/24-25/40

किट इंटरनेशनल स्कूल का 18वां स्थापना दिवस मना

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। किट इंटरनेशनल स्कूल का 18वां स्थापना दिवस 2 जुलाई 2024 को मनाया गया। इस कार्यक्रम में किट और किस के संस्थापक डॉ अच्युता सामंता उपस्थित थेय सस्वती बल, किट और किस की अध्यक्षय किट और किस की अध्यक्ष डॉ मोना लिसा बालय डॉ संजय कुमार सुअर, प्राचार्यय और कामायनी शर्मा, अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की अकादमिक प्रमुख। छात्रों को संबोधित करते हुए डॉ सामंता ने समाज में अच्छे इंसान बनने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि आज की दुनिया में बच्चों को खुद को अच्छे छात्र और अच्छे इंसान दोनों के रूप में विकसित करने की जरूरत है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि माता-पिता इस प्रयास में शिक्षकों के समान ही जिम्मेदारी निभाते हैं। अपने स्वयं के जीवन से प्रेरणा लेते हुए, उन्होंने छात्रों को ऐसे कार्यों से बचने की सलाह दी जिससे उन्हें और उनके माता-पिता को कठिनाई हो। डॉ सामंता ने यह भी उल्लेख किया कि केआइआईटी इंटरनेशनल स्कूल वास्तव में सभी मामलों में अंतरराष्ट्रीय है। किट और किस की अध्यक्ष सस्वती बल ने छात्रों को आशीर्वाद दिया और उन्हें अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए लगन से पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया। स्कूल की चेयरपर्सन डॉ मोना लिसा बाल ने इस बात पर जोर दिया कि इंटरनेशनल स्कूल छात्रों की ताकत, प्रतिभा और रुचियों की पहचान करके और उन्हें भविष्य के लिए तदनुसार तैयार करके व्यक्तित्व विकास पर ध्यान केंद्रित करता है। प्राचार्य डॉ संजय सुआर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र मंत्रिमंडल ने शपथ ली।

कर्ज के कारण असिस्टेंट प्रोफेसर ने अपने पिता की हत्या की : डीसीपी

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। एक चौंकाने वाली घटना में, भुवनेश्वर के एक निजी कॉलेज के एक वरिष्ठ शिक्षक ने पैसों से जुड़े विवाद में अपने पिता की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। घटना बुधवार को रंगमाटिया की है। आरोपी असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है और शहर के मंचेश्वर पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत रंगमटिया इलाके में अपने माता-पिता के घर के पास एक अपार्टमेंट में अपनी पत्नी के साथ रहता था। बताया जा रहा है कि आरोपी पिछले कुछ दिनों से अपने माता-पिता (65 वर्षीय मृतक सुनील चौधरी और उनकी पत्नी सुनीता चौधरी) के अपार्टमेंट में रह रहा था। सूत्रों के अनुसार मृतक के पिता और आरोपी के बीच बुधवार को तड़के पैसों के लेन-देन को लेकर तीखी बहस हुई। इसी दौरान अचानक असिस्टेंट प्रोफेसर को गुस्सा आ गया और उसने गुस्से में आकर अपनी मां सुनीता के सामने ही अपने पिता पर धारदार हथियार से कई वार कर दिए। खून से लथपथ सुनील को तुरंत राजधानी के अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए डीसीपी प्रतीक सिंह ने बताया कि मंचेश्वर पुलिस ने आरोपी को पहले ही गिरफ्तार कर लिया है, जो मृतक का बेटा भी है। उसने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। डीसीपी सिंह ने बताया, हमें शुरूआती जांच से पता चला है कि शहर के एक निजी कॉलेज में फैकल्टी के तौर पर काम करने वाला आरोपी भारी कर्ज के कारण गंभीर अवसाद में था। आरोपी ने अपने पिता से आर्थिक मदद मांगी थी, लेकिन पिता ने उसे पैसे देने से मना कर दिया। इसलिए उसने आज सुबह-सुबह उसके साथ मारपीट की।

ओड़िशा हाइकोर्ट में सभी मामलों और दस्तावेज की होगी इ-फाइलिंग

आजाद सिपाही संवाददाता

15 जुलाई से हाइकोर्ट में शुरू होगी इ-फाइलिंग प्रक्रिया

इ-फाइलिंग गवर्नेंस 3.0 पोर्टल से होगी इ-फाइलिंग

कटक। 15 जुलाई से हाइकोर्ट में दायर होने वाली तमाम मामले और दाखिल किये जाने वाले कागजात यानी डॉक्यूमेंट पूरी तरह से इ-फाइलिंग प्रक्रिया में होगा। इसको लेकर हाइकोर्ट की ओर से सोमवार को एक विज्ञप्ति प्रकाशित की गयी है। इ-फाइलिंग रूल फॉर दी हाइकोर्ट ऑफ ओड़िशा 2024 के अनुसार, सभी मामले एवं तमाम कागजात इ-फाइलिंग व्यवस्था के द्वारा दाखिल होगी। यह बात विज्ञप्ति में स्पष्ट की गयी है। निर्दिष्ट कुछ परिस्थितियों में वर्तमान के प्रचलित धारा में मामलों का फिजिकल फाइलिंग के लिए इजाजत दी जायेगी। **यहां कर सकेंगे इ-फाइलिंग :** इ-फाइलिंग गवर्नेंस 3.0 पोर्टल पर जाकर कोई भी इ-फाइलिंग कर सकेगा। इस बात का विज्ञप्ति में जिक्र किया गया है। अपने मामले और कागजातों की इस व्यवस्था तहत फाइलिंग करने में वकील और वकीलों के क्लर्क या मुवक्किलों के लिए यह काफी आसान होगा। उनके लिए इस व्यवस्था को अधिक सहज करने के लिए हाइकोर्ट परिसर में स्कैनिंग सेंटर की स्थापना की गयी है। मामलों की इ-फाइलिंग करने के लिए तथा इस प्रक्रिया के साथ अभ्यास में जुड़े रहने के लिए स्कैनिंग सेंटर के साथ-साथ इ-फाइलिंग काउंटर और इ-फेसिलिटेशन सेंटर सेवाओं को उपयोग करने के लिए वकील और वकीलों के क्लर्क से अनुरोध किया गया है। **अब घर और दफ्तर से मामला कर सकेंगे दायर :** इस व्यवस्था के चलते आगे से वह अपने घर से या फिर दफ्तर से या फिर किसी अलग जगह से हाइकोर्ट में मामला दायर कर सकेंगे। इ-फाइलिंग वर्जन 3 संबंधित यूजर मैन्युअल और वीडियो ट्यूटोरियल हाइकोर्ट वेबसाइट पर उपलब्ध है। इससे इ-फाइलिंग वर्जन 3.0 पंजीकरण और दूसरी प्रक्रिया से संबंधित जानकारी प्राप्त की जा सकेगी। मामले और कागजातों की इ-फाइलिंग के लिए इ-फाइलिंग पोर्टल में एक साथ पंजीकरण अनिवार्य होने की बात विज्ञप्ति में स्पष्ट की गयी है। इ-फाइलिंग वर्जन 3.0 संबंधित तालीम कार्यक्रम जुलाई एक से 12 तारीख तक तमाम कार्य दिवस में की जा रही है, जिसमें वकील, वकीलों के क्लर्क भी शामिल होकर जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

लोगों को आसमानी बिजली से बचाने के लिए मोहन सरकार ने तैयार की योजना

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा में गांव हो या शहर, हर महीने वज्रपात से लोगों की जान जा रही है। लगातार वज्रपात से लोगों की हो रही मृत्यु के आंकड़ों ने सरकार को झकझोर कर रख दिया है। राज्य सरकार ने वज्रपात गिरने से बचने के लिए पारंपरिक तरीके अपनाने का फैसला किया है। अब तय किया गया है कि प्रदेशभर में ताड़ के पेड़ लगाये जायेंगे। सितंबर 2023 में ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी मात्रा में ताड़ के पेड़ लगाने का निर्णय लिया गया था। इस साल वन विभाग इसे लागू करने पर आमादा है। इसके तहत पहले चरण में वित्तीय वर्ष 2024-25 में राज्य में 19 लाख ताड़ के पेड़ लगाये जायेंगे, क्योंकि बारिश का मौसम शुरू हो चुका है। भुवनेश्वर, कटक, बालेश्वर, भद्रक जैसे शहरों सहित तटीय ओड़िशा में बड़ी संख्या में ताड़ के पेड़ लगाने का कार्यक्रम शुरू किया गया है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक की अध्यक्षता में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में सभी वन क्षेत्र इकाइयों और विशेषज्ञों ने भाग लिया और ताड़ के पेड़ों के लाभों पर प्रकाश डाला। विशेषज्ञों के अनुसार, वज्रपात गिरने से होने वाली मौतों में से अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में होती हैं। **किस इलाके में कितनी मौत:** कुल मिलाकर वज्रपात गिरने से होने वाली मौतों में से 90% ग्रामीण क्षेत्रों में और 10% शहरी क्षेत्रों में होती हैं। खजूर के पेड़ लोगों को इससे बचा सकते हैं। इससे पहले राज्य के ग्रामीण इलाकों में बड़ी संख्या में ताड़ के पेड़ थे, जिसमें वज्रपात से होने वाली मौतों को रोकने में मदद मिलती थी। ताड़ के पेड़, विशेष रूप से तटीय ओडिशा में, संजीवनी की तरह काम करते थे। हालांकि, 1999 के महाचक्रवात और उसके बाद आये चक्रवात के प्रभाव के कारण केंद्रपाड़ा, जगतसिंहपुर, पुरी, कटक, बालेश्वर, भद्रक और गंजाम जिलों में ताड़ के पेड़ों को व्यापक क्षति पहुंची है। **पेड़ नहीं होने से आ रही समस्या :** पेड़ बहाली की दिशा में कदम नहीं उठाये जाने से लोगों की जान खतरे में है। शहरीकरण के कारण भी, ताड़ के पेड़ गायब हो गये हैं और बिजली सीधे जमीन पर गिरती है। दोपहर और शाम के समय वज्रपात से कई लोगों की जान जा रही है। घायलों की संख्या भी कम नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, वज्रपात गिरने की घटनाएं मुख्य रूप से लंबे पेड़ों जैसे ताड़ और नारियल के पेड़ों पर होती हैं।

नहीं लगाये गये पेड़

2018 में वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग ने राज्य के सभी वन प्रभागों को सड़कों, ग्रामीण क्षेत्रों, आरक्षित वनों और राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों की भूमि पर ताड़ के पेड़ लगाने के लिए कहा था। लेकिन यह काम आज तक नहीं हुआ है। इसके परिणामस्वरूप पिछले पांच वर्षों में ओड़िशा में वज्रपात से 1472 लोगों की जान जा चुकी है।

ओड़िशा में खुला हाथियों का रेस्तरां, ग्रेनाइट की थाली में परोसा जाता है खाना, ऐसा है मेन्यू

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ओड़िशा के चंदका वन्यजीव अभयारण्य में एक अनोखा रेस्तरां खोला गया है। इस रेस्तरां में हाथियों को खाना खिलाया जाता है। यह रेस्तरां खास तौर पर उन हाथियों के लिए है, जिन्हें वन अधिकारियों ने बचाया है और कुमकी हाथी बनने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। चंदका वन्यजीव अभयारण्य ओड़िशा की राजधानी भुवनेश्वर के पास स्थित है। इस रेस्तरां में हाथियों के लिए खाने का समय तय है और उन्हें पौष्टिक भोजन दिया जाता है। रेस्तरां का मेन्यू पूरी तरह से शाकाहारी है और इसमें नाश्ता और दोपहर का भोजन शामिल है। इस अनोखे रेस्टोरेंट के पीछे का विचार हाथियों को नियमित दिनचर्या और पौष्टिक भोजन प्रदान करना है, जो उनके प्रशिक्षण के लिए आवश्यक है। मुख्य संरक्षक सुशांत नंदा ने बताया कि प्रशिक्षण के लिए नियमित दिनचर्या और पौष्टिक भोजन आवश्यक है। इस रेस्टोरेंट में फिलहाल छह हाथी आते हैं। इस हाथियों के नाम जग्गा, मामा, उमा, कार्तिक, चंदू और शंकर है। हर हाथी के लिए एक अलग बूथ बनाया गया है, जिसका नाम उनके नाम पर रखा गया है। हाथियों को अपने-अपने बूथ की पहचान करना सिखाया गया है। **ये है टाइमिंग :** इन हाथियों को सुबह 8:30 बजे नाश्ता दिया जाता है, जिसमें केला, नारियल, गाजर, गन्ना और तरबूज जैसे फल शामिल होते हैं। इससे पहले हाथियों को सुबह की सैर और हल्की कसरत करायी जाती है। दोपहर का भोजन दोपहर 1:30 से 2:30 बजे के बीच दिया जाता है। लंच में गेहूं, बाजरा, मक्का का आटा, कुलथी, गुड़, हल्दी, अरंडी का तेल और नमक मिला कर बनाया जाता है। इससे पहले हाथियों को एक घंटे तक नहलाया जाता है। **ग्रेनाइट की थाली में परोसा जाता है खाना :** हालांकि रात का भोजन हाथी अपने घर यानि आरामगाह में करते हैं। संभागीय वन अधिकारी सारत बेहरा ने बताया कि हाथियों के लिए रेस्त्रां से अलग एक अलग आरामगाह है, जहां उन्हें रात भर खाने के लिए घास, पेड़ों की शाखाएं, केले के तने, पुआल आदि दिये जाते हैं। हाथियों के भोजन के लिए ग्रेनाइट की थाली का उपयोग किया जाता है। नंदा के अनुसार, ग्रेनाइट की थाली टिकाऊ होती हैं और इन्हें आसानी से धोया और साफ किया जा सकता है। **एक हाथी के लिए रोजाना 1500 रुपये खर्च :** एक हाथी के प्रशिक्षण और भोजन पर रोजाना लगभग 1500 रुपये खर्च होते हैं, जिसमें महावतों का वेतन भी शामिल है। यह रकम किसी बड़े शहर के महंगे रेस्टोरेंट में अच्छे भोजन के लिए भी पर्याप्त नहीं होगी। इन हाथियों को कुमकी हाथी बनने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है। कुमकी हाथी जंगली हाथियों को काबू करने और जंगलों में बाघों की निगरानी के काम आते हैं। अधिकारियों के अनुसार, पड़ोसी जंगलों में बाघों की आबादी बढ़ रही है, इसलिए कुमकी हाथियों की आवश्यकता भी बढ़ रही है।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित। **संपादक :** हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार,***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**